ममता जो सीट हारीं, वहां ईवीएम-वीवीपेट सुरक्षित रखने का आदेश

कोलकाता, 23 जून (एजेंसियां)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की भवानीपुर विधानसभा सीट की मतगणना से जुड़े सभी अहम सबूत सुरक्षित रखने का आदेश दिया। अदालत ने रिजल्ट में गड़बड़ी के आरोपों पर सुनवाई करते हुए कहा कि ईवीएम, वीवीपेट, सीसीटीवी फुटेज और अन्य संबंधित रिकॉर्ड संरक्षित रखे जाएं। जस्टिस गौरांग कांत ने मतगणना केंद्र बने शेखावाटी मेमोरियल स्कूल के अंदर और बाहर लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सुरक्षित रखने का भी निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा, जरूरत पड़ने पर इन सभी साक्ष्यों की जांच होगी। अदालत की अनुमति के बिना इन्हें न तो मिटाया जाएगा, न बदला जाएगा, न नष्ट किया जाएगा और न ही इनके साथ किसी तरह की छेड़छाड़ की जाएगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

नक्सलवाद के खात्मे के बाद अमित शाह के टारगेट पर घुसपैठ : 3'डी' पर देश में शुरू हुआ अभियान

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। नक्सलवाद के खात्मे के बाद अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आंतरिक सुरक्षा की दूसरी बड़ी चुनौती पर पूरी ताकत लगा दी है। सूत्रों के अनुसार गृह मंत्री शाह अब देश में घुसपैठ की समस्या पर अपना ध्यान केंद्रित कर चुके हैं और जल्दी ही घुसपैठ के खात्मे के लिए भी वैसी ही समयसीमा तय की जा सकती है, जैसे कि नक्सलवाद के खात्मे के लिए की गई थी। गृह मंत्री शाह ने देश से नक्सलवाद के खात्मे के लिए 31 मार्च 2026 की समयसीमा तय की थी और उसके बाद उन्होंने संसद को जानकारी दी थी कि नक्सलवाद करीब-करीब खत्म किया जा चुका है।

वर्ष-31 अंक : 83 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.10 2083 बुधवार, 24 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

'नागरिक देवो भव' का मंत्र

युवा आईएएस अधिकारियों से पीएम मोदी का संवाद, दिया गुरुमंत्र

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नई दिल्ली के 'सेवा तीर्थ' में 2024 बैच के 183 आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों से मुलाकात की। ये सभी अधिकारी केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में सहायक सचिव के रूप में तैनात हैं। इस दौरान युवा अधिकारियों ने अपने फील्ड प्रशिक्षण और मंत्रालयों के कामकाज के अनुभव साझा किए।

प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि दो साल के जमीनी अनुभव के बाद वे अब एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं, जहां उनके फैसले करोड़ों नागरिकों का भविष्य तय करेंगे। उन्होंने जोर दिया कि लोक सेवा की असली परीक्षा ईमानदारी, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ वास्तविक स्थितियों को संभालने में है।

प्रधानमंत्री ने युवा सिविल सेवकों से राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित रहने का आग्रह किया। उन्होंने 'नागरिक देवो भव' का मंत्र देते हुए कहा कि हर प्रशासनिक फाइल के पीछे एक इंसान की उम्मीदें, चिंताएं और जीवन छिपा होता है। अधिकारियों को हर फैसला लेते समय नागरिकों को केंद्र में रखना चाहिए। उन्होंने शासन को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और समावेशी बनाने पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने 'होल-ऑफ-गवर्नमेंट' यानी पूरे सरकारी तंत्र के एक साथ मिलकर काम करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि बड़ी विकास चुनौतियों को अलग-अलग रहकर हल नहीं किया जा सकता। विभागों के बीच बेहतर तालमेल ही सार्थक और स्थायी परिणाम ला सकता है। 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले दशकों में हर नीति और प्रशासनिक फैसला देश के विकास में योगदान देने वाला होना चाहिए। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, मैन्युफैक्चरिंग, ऊर्जा सुरक्षा और युवाओं के लिए अवसर पैदा करने को आज की प्राथमिकता बताया। पिछले दशक में आए बदलावों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अब प्रशासन प्रक्रिया के बजाय परिणामों पर ध्यान देता है। उन्होंने डिजिटल गवर्नेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और तकनीक की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि तकनीक से सेवाओं में पारदर्शिता आई है और नागरिकों का काम आसान हुआ है। डेटा-आधारित शासन पर बात करते हुए पीएम ने कहा कि डेटा सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, बल्कि यह लाखों लोगों की चुनौतियों और आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे नियमित रूप से जांचें कि क्या नीतियां जमीन पर प्रभावी ढंग से लागू हो रही हैं।

प्रधानमंत्री ने इस बैच में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की सराहना की। उन्होंने बताया कि इस बैच में 40 प्रतिशत से अधिक महिला अधिकारी हैं। अंत में उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे अपने पद से नहीं, बल्कि अपने काम से मिलने वाले परिणामों से संतुष्ट हों। उन्हें पूरा भरोसा है कि इन युवाओं की ऊर्जा भारत की विकास यात्रा को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

सिंगर अलका याग्निक, ममूटी और विजय अमृतराज को पद्म भूषण

क्रिकेटर रोहित शर्मा को पद्मश्री, 65 हस्तियों को मिले पद्म अवॉर्ड

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से पद्म सम्मान लेते हुए एक्टर ममूटी, राजेंद्र प्रसाद और मुरली मोहन।

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में दूसरे चरण के पद्म पुरस्कार दे रही हैं। इस समारोह में देश की 65 हस्तियां सम्मानित हो रही हैं। समारोह में पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज केटी थॉमस को जनसेवा और मलयालम पत्रकार पी नारायणन को साहित्य के क्षेत्र में योगदान के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। इनके अलावा सिंगर अलका याग्निक, एक्टर ममूटी, अमेरिका में कार्यरत प्रख्यात ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. दत्तात्रेयुडु नोरी और भारतीय टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज भी शामिल रहे। राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में पीएम नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में 2 पद्म विभूषण, 7 पद्म भूषण और 56 पद्मश्री अवॉर्ड दिए गए।

इस साल कुछ पुरस्कार संयुक्त रूप से भी दिए गए हैं। 2026 में कुल 131 हस्तियों को पद्म पुरस्कारों के लिए चुना गया है। इससे पहले 25 को पहले फेज में महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत, एक्टर धर्मेंद्र समेत 66 हस्तियों को सम्मानित किया गया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खेल के क्षेत्र में व्लादिमीर मेस्तविरीश्विली (मरणोपरांत) को पद्मश्री से सम्मानित किया। वे फ्रीस्टाइल रेसलिंग के दिग्गज कोच थे और उन्होंने ग्लोबल रेसलिंग कम्युनिटी पर अपनी गहरी छाप छोड़ी। उन्होंने भारतीय रेसलिंग टीम के कोच के तौर पर काम किया। उन्होंने सुशील कुमार, योगेश्वर दत्त और बजरंग पुनिया जैसे ओलंपिक मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को गाइड किया और भारत को रेसलिंग में ग्लोबल पावरहाउस बनाने में मदद की।

हॉकी प्लेयर सविता पूनिया को पद्मश्री अवॉर्ड मिला :

पद्मश्री प्राप्त करने वाली हॉकी खिलाड़ी सविता पूनिया भारतीय महिला राष्ट्रीय हॉकी टीम की पूर्व कप्तान, मौजूदा गोलकीपर हैं। इन्हें भारतीय महिला हॉकी की 'द ग्रेट वॉल' के नाम से जाना जाता है। लगातार तीन बार एफआईएच गोलकीपर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। वे कई पीढ़ियों की महिला खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा हैं।

>12

टीटीएच बना नया खतरा, कई राज्यों में कार्रवाई

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने हाल ही में देश के कई राज्यों में कार्रवाई करते हुए एक ऐसे नेटवर्क का पर्दाफाश किया है, जिसके तार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और उसके कथित सहयोगी शहजाद भट्टी से जुड़े बताए जा रहे हैं।

जांच एजेंसियों का कहना है कि इस नेटवर्क के जरिए तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान (टीटीएच) नामक संगठन खड़ा करने की कोशिश की जा रही थी। सुरक्षा एजेंसियों ने मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में कार्रवाई कर कई संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि इन मॉड्यल्स को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गई थीं। कुछ लोगों को संवेदनशील सैन्य और सरकारी प्रतिष्ठानों के बारे में जानकारी जुटाने का काम सौंपा गया था, जबकि कुछ सदस्य पेट्रोल बम हमले, गोलीबारी और अन्य हिंसक गतिविधियों की तैयारी में लगे थे। अधिकारियों के मुताबिक, शुरूआत में टीटीएच को केवल प्रचार के लिए बनाया गया एक काल्पनिक संगठन माना जा रहा था। लेकिन हालिया जांच में संकेत मिले हैं कि यह संगठन वास्तव में तैयार किया जा रहा है और इसकी जिम्मेदारी शहजाद भट्टी को दी गई है, जो दुबई और पाकिस्तान से सक्रिय बताया जाता है। खुफिया अधिकारियों का मानना है कि टीटीएच को पाकिस्तान के तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जोड़ने की कोशिश की जा रही है।

संभावित फेरबदल की चर्चाओं के बीच

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से की मुलाकात

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय कैबिनेट में संभावित फेरबदल की चर्चाओं के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। यह पीएम मोदी की राष्ट्रपति से यह मुलाकात पद्म पुरस्कार समारोह के बाद राष्ट्रपति भवन में हुई है। इस मुलाकात के बाद राजनीतिक गलियारों में एक बार फिर मोदी कैबिनेट में बदलाव को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

पीएम मोदी और राष्ट्रपति की इस बैठक के एजेंडे को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। साथ ही केंद्र सरकार की ओर से मंत्रिपरिषद में किसी संभावित बदलाव या फेरबदल को लेकर भी कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया है। फिर भी, इस मुलाकात को संभावित केंद्रीय कैबिनेट विस्तार या फेरबदल से जोड़कर देखा जा रहा है। जिससे राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। फिलहाल सभी की नजरें सरकार की ओर से आने वाले किसी आधिकारिक ऐलान पर टिकी हैं। राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति की मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं। पोस्ट में कहा गया, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।'

पीएम मोदी ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के कई नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर एक श्लोक भी शेयर किया। पीएम मोदी ने लिखा निःस्वार्थ भाव से राष्ट्र और समाज की सेवा में आजीवन समर्पित रहे देश की महान विभूति डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनके बलिदान दिवस पर आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। उनके प्रखर विचार और आदर्श देश की हर पीढ़ी को मातृभूमि की सेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

भारत आने वाले 11 जहाजों ने होर्मुज स्ट्रेट किया पार

एलपीजी-क्रूड ऑयल लेकर बढ़ रहे आगे

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। अमेरिका-ईरान के बीच समझौते के बाद होर्मुज स्ट्रेट खुल गया है। इस बीच भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि फिलहाल फारस की खाड़ी इलाके में 10 भारतीय झंडे वाले जहाज मौजूद हैं, जबकि दो अन्य भारतीय जहाज इस ओर से फारस की खाड़ी में गए हैं। जिसका मतलब है कि होर्मुज स्ट्रेट ओपेन है और जहाज आसानी से आ-जा रहे हैं।

मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान रणधीर जायसवाल ने बताया कि 17 जून को अमेरिका-ईरान के बीच हुए एमओयू के बाद अब तक 11 भारत आने वाले जहाज सुरक्षित रूप से होर्मुज स्ट्रेट पार कर चुके हैं। इनमें तीन भारतीय ध्वज वाले कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) के टैंकर शामिल हैं, जिनमें प्रत्येक में लगभग 2.85 लाख मीट्रिक टन कच्चा तेल लदा हुआ है।

इसके अलावा एक विदेशी ध्वज वाला एलपीजी कैरियर, एक विदेशी ध्वज वाला क्रूड ऑयल टैंकर और उर्वरक लेकर आ रहे छह विदेशी ध्वज वाले बल्क कैरियर भी शामिल हैं। विदेश मंत्रालय ने उम्मीद जताई है कि फारस की खाड़ी में मौजूद शेष भारतीय ध्वज वाले जहाज भी जल्द ही सुरक्षित रूप से हॉर्मुज स्ट्रेट पार कर भारत पहुंचेंगे। मंत्रालय लगातार संबंधित देशों और एजेंसियों के संपर्क में है ताकि भारतीय जहाजों और नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

> भारत-इजरायल के बीच बड़ा समझौता

ऑडिट से लेकर अगली पीढ़ी की सैन्य तकनीकों तक पर बनी सहमति

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। इजरायल के राज्य नियंत्रक व लोकपाल और ईयूआरओएसएआई के अध्यक्ष मतन्याहू एंग्लमैन भारत के दौरे पर पहुंचे। इस दौरान भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के. संजय मूर्ति ने मतन्याहू एंग्लमैन के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

बैठक में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के ऑफिस से डिप्टी कंट्रोलर और ऑडिटर जनरल (एचआर, आईआर, लीगल और कोऑर्डिनेशन) के. एस. सुब्रमण्यम, मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) बी. के. मोहंती; डायरेक्टर जनरल (अंतरराष्ट्रीय संबंध) विमलेंद्र पटवर्धन; भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार और इजरायल के राज्य नियंत्रक और लोकपाल ऑफिस से अंतरराष्ट्रीय विभाग की प्रमुख मिरी वीस शामिल हुए।

समझौते पर हुए हस्ताक्षर

दोनों नेताओं के बीच यह बैठक एक ज्ञापन समझौते पर हस्ताक्षर के साथ खत्म हुई, जिससे पब्लिक सेक्टर ऑडिटिंग, कैपेसिटी बिल्डिंग, तकनीक अपनाने, विशेषज्ञता में लेन-देन और अच्छे अभ्यास को साझा करने में सहयोग का रास्ता बना। भारत में इजरायल के दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि इजरायली दूतावास, इजरायल के राज्य नियंत्रक और लोकपाल के ऑफिस और भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के ऑफिस के बीच पर हस्ताक्षर होने का स्वागत करता है। दूतावास ने कहा कि नई दिल्ली के अपने दौरे के दौरान इजरायल के राज्य नियंत्रक व लोकपाल और ईयूआरओएसएआई के अध्यक्ष मतन्याहू एंगलमैन ने पब्लिक सेक्टर ऑडिटिंग, कैपेसिटी बिल्डिंग, टेक, और इंस्टीट्यूशनल लर्निंग और कोलेबोरेशन में कोऑपरेशन को आगे बढ़ाने के लिए भारत के कंट्रोलर और ऑडिटर जनरल के. संजय मूर्ति से मुलाकात की। यह महत्वपूर्ण मील का पत्थर इजरायल और भारत के बीच बढ़ती साझेदारी को दर्शाता है। इसके अलावा, भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने 22 जून को इजरायल रक्षा मंत्रालय के महानिदेशक मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) अमीर बराम से मुलाकात की।

इस दौरान दोनों नेताओं के बीच हुई चर्चा सह-विकास, सह-उत्पादन और अगली पीढ़ी की सैन्य तकनीकों और उन्नत रक्षा क्षमताओं में सहयोग के माध्यम से भारत-इजरायल रक्षा सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित थी।

केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन का इस्तीफा राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता जॉर्ज कुरियन ने मंगलवार को केंद्रीय राज्य मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। वह अल्पसंख्यक कार्य, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय में राज्य मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। राज्यसभा सदस्य के रूप में उनका छह साल का कार्यकाल समाप्त हो गया है, जिसकी वजह से उन्हें यह पद छोड़ना पड़ा। राष्ट्रपति भवन से जारी एक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति ने जॉर्ज कुरियन का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। जॉर्ज कुरियन मूल रूप से केरल के कोट्टायम जिले के रहने वाले हैं। वे मध्य प्रदेश से अगस्त 2024 में राज्यसभा के सदस्य के रूप में चुने गए थे। 65 वर्षीय जॉर्ज कुरियन जून 2024 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल वाले मंत्रिमंडल का हिस्सा थे। इससे पहले वे मार्च 2017 से मार्च 2020 तक राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष रहे। वह भाजपा के उन पुराने और अनुभवी नेताओं में शामिल हैं, जो 1980 में पार्टी की स्थापना के समय से ही इसके सदस्य रहे हैं। राजनीति में सक्रिय रहने के साथ-साथ उन्होंने भारत के सुप्रीम कोर्ट में वकील के तौर पर भी काम किया है।

जयराम रमेश बोले-ट्रंप को खुश करना बंद करें प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस ने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि के भारत दौरे का हवाला देते हुए मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को खुश करने की नीति बंद करनी चाहिए और वाशिंगटन के साथ उस व्यापार समझौते पर दबाव में आकर हस्ताक्षर नहीं करना चाहिए जिसका वर्तमान स्वरूप भारतीय हितों के प्रतिकूल दिखाई देता है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि अमेरिका के साथ जिस स्वरूप में व्यापार समझौते पर सहमति बनी है उसका जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्यों के किसानों पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर आज नई दिल्ली में हैं। प्रधानमंत्री मोदी के अनुरोध पर छह फरवरी 2026 को भारत-अमेरिका संयुक्त व्यापार वक्तव्य जारी किया गया। मोदी तब संसद में राहुल गांधी द्वारा चीन के सामने उनकी कायरता के खुलासे के दबाव में थे। उन्होंने कहा, अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर लगाए गए शुल्क को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने का वादा किया। भारत ने अमेरिका के कृषि उत्पादों और औद्योगिक वस्तुओं पर अपने शुल्कों को या तो समाप्त करने या काफी कम करने का वादा किया, साथ ही अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब अमेरिकी डॉलर तक की खरीद करने की प्रतिबद्धता जताई।

अमेरिकी शुल्क नीति पर बढ़ी अनिश्चितता :

रमेश ने इस बात का उल्लेख किया कि 20 फरवरी, 2026 को अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रपति ट्रंप की जवाबी शुल्क नीति को अवैध घोषित कर दिया। परिणामस्वरूप, 6 फरवरी 2026 के संयुक्त बयान में भारत को दिया गया अमेरिकी शुल्क-रियायत का प्रस्ताव प्रभावी रूप से रातों-रात समाप्त हो गया। उनका कहना है कि अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के निर्णय के कुछ ही घंटों के भीतर अमेरिका ने भारत सहित अपने सभी व्यापारिक साझेदारों पर अस्थायी रूप से 10 प्रतिशत शुल्क लगा दिया।

विदेश मंत्रालय ने सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान को लताड़ा

रणधीर जायसवाल

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों के बीच भारत ने मंगलवार को कई अहम जानकारियां साझा कीं। विदेश मंत्रालय ने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य से भारतीय जहाजों की आवाजाही जारी है और अब तक 11 भारत-गामी जहाज सुरक्षित तरीके से इस मार्ग से गुजर चुके हैं। वहीं, कतर के रास लाफान औद्योगिक शहर में हुए गैस संयंत्र विस्फोट में 12 भारतीय नागरिकों की मौत की पुष्टि भी की गई है। इसके अलावा भारत-चीन संबंधों, ब्रिक्स देशों की सुरक्षा बैठक और पाकिस्तान के आरोपों पर भी सरकार ने अपना पक्ष रखा है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने नियमित प्रेस वार्ता में कहा कि पश्चिम एशिया की स्थिति पर भारत लगातार नजर बनाए हुए है। उन्होंने बताया कि फिलहाल फारस की खाड़ी क्षेत्र में भारतीय ध्वज वाले 10 जहाज मौजूद हैं। इसके अलावा दो भारतीय जहाज हाल ही में फारस की खाड़ी में प्रवेश कर चुके हैं, जिससे यह साफ है कि क्षेत्र में समुद्री यातायात पूरी तरह ठप नहीं हुआ है। मंत्रालय ने उम्मीद जताई कि शेष भारतीय जहाज भी जल्द सुरक्षित तरीके से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर लेंगे।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, 17 जून को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने के बाद से अब तक 11 भारत-गामी जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर चुके हैं। इनमें तीन भारतीय ध्वज वाले कच्चा तेल टैंकर शामिल हैं, जिनमें प्रत्येक में करीब 2.85 लाख मीट्रिक टन कच्चा तेल लदा हुआ है। इसके अलावा एक विदेशी ध्वज वाला एलपीजी वाहक, एक विदेशी ध्वज वाला कच्चा तेल टैंकर और छह विदेशी ध्वज वाले उर्वरक ढोने वाले मालवाहक जहाज भी शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र में स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

टीएमसी ने ममता को पार्टी प्रमुख बताया

चुनाव आयोग को वर्किंग कमेटी की लिस्ट भेजी

> एक दिन पहले बागी गुट ने अरूप रॉय को अध्यक्ष चुना था

कोलकाता, 23 जून (एजेंसियां)। असली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को लेकर ममता बनर्जी और बागी गुट में खींचतान तेज हो गई है। बागी गुट के दावे के एक दिन बाद मंगलवार को टीएमसी ने चुनाव आयोग को पार्टी के पदाधिकारियों और नेशनल वर्किंग कमेटी की नई लिस्ट भेजी है। लिस्ट में ममता बनर्जी को पार्टी का अध्यक्ष बताया गया है।

सुभ्रत बक्शी को उपाध्यक्ष और अभिषेक बनर्जी को राष्ट्रीय महासचिव बताया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, चुनाव आयोग को भेजी गई लिस्ट 20 जून तक की संगठनात्मक स्थिति के आधार पर तैयार की गई है। इससे एक दिन पहले टीएमसी के बागी गुट के नेता ऋतब्रत बनर्जी ने टीएमसी की पैरलल वर्किंग कमेटी का ऐलान किया था। विधायक अरूप रॉय अध्यक्ष चुना था।

डेरेक और डोला संयुक्त सचिव, लिस्ट में 24 नेताओं के नाम :

टीएमसी की लिस्ट के मुताबिक, ममता, सुभ्रत, अभिषेक, डेरेक ओ'ब्रायन और डोला सेन जैसे 6 बड़े नेताओं के अलावा नेशनल वर्किंग कमेटी में कुल 24 नाम हैं। इनमें चंद्रिमा भट्टाचार्य, अमित मित्रा, राजेश पति त्रिपाठी, असीमा पात्रा, मलय घटक, गौतम देव, शोभनदेव चट्टोपाध्याय, बुलु चिक बराइक, मुकुल संगमा, बैस्वानोर चट्टोपाध्याय, बीरबाहा हांसदा, कल्याण बनर्जी, सौगत रॉय, नदीमुल हक, मदन मित्रा, बिमान बनर्जी, महुआ मोइत्रा और कुणाल घोष को भी रखा गया है।

बागी गुट ने पैरलल कमेटी बनाई

सोमवार को विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट ने कोलकाता में विशेष बैठक कर टीएमसी की पैरलल नेशनल वर्किंग कमेटी बनाने का ऐलान किया था। गुट ने विधायक अरूप रॉय को चेयरमैन चुना था। फिरहाद हकीम, अरूप बिस्वास, रथिन घोष और सबीना यास्मीन को वाइस चेयरमैन बनाया गया था। बागी नेताओं का कहना है कि फरवरी 2022 में बनी नेशनल वर्किंग कमेटी का कार्यकाल फरवरी 2026 में खत्म हो गया था। नई कमेटी नहीं बनने के कारण उन्होंने नया संगठनात्मक ढांचा तैयार किया। टीएमसी नेता कुणाल घोष ने सोमवार को बागी गुट पर पार्टी के नाम का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सीएम विजय ने विपक्ष पर साधा निशाना

डीएमके सदस्यों ने सदन से किया वॉकआउट

चेन्नई, 23 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने मंगलवार को विपक्षी डीएमके पर तीखा हमला किया। उन्होंने अपने पूर्व शासनकाल के दौरान कथित भ्रष्टाचार को पार्टी फंड करार दिया। डीएमके सदस्य ने विधानसभा के अंदर इस बयान का जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद वॉकआउट कर गए। विपक्षी डीएमके के नेता उदयनिधि स्टालिन ने उस समय कड़ा विरोध दर्ज कराया जब मुख्यमंत्री ने टिप्पणी की कि पिछली डीएमके सरकार ने अगल– अलग सरकारी विभागों के फंड को पार्टी फंड की ओर डायवर्ट किया था।

टीवीके कभी भी भ्रष्टाचार में लिप्त नहीं होगी

सदन में विजय के जवाब को रोकने की कोशिश करते हुए उदयनिधि खड़े हुए और अध्यक्ष जेसीडी प्रभाकर से आग्रह किया कि वे मुख्यमंत्री को डीएमके के खिलाफ निराधार आरोप लगाने के बजाय सबूत पेश करने के लिए राजी करें। हालांकि, अध्यक्ष ने विजय के भाषण के दौरान किसी भी तरह के हस्तक्षेप से इनकार किया और कहा कि मुख्यमंत्री को राज्यपाल के विधानसभा अभिभाषण का जवाब पूरा करने दिया जाना चाहिए। लेकिन डीएमके सदस्य विरोध में खड़े रहे। अपने भाषण को फिर से शुरू करते हुए विजय ने कहा कि पिछली डीएमके सरकार के विपरीत, टीवीके कभी भी भ्रष्टाचार में लिप्त नहीं होगी और न ही किसी को सरकारी खजाने को लूटने की अनुमति देगी। शोरगुल भरे विरोध प्रदर्शनों के बीच, मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार विरोधी कड़ा रुख अपनाते हुए पिछली सरकार पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार पार्टी फंड संग्रह की आड़ में कथित रूप से गबन किए गए सार्वजनिक धन की वसूली करेंगी। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करेगी कि भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार लोगों को, चाहे वह डीएमके सरकार के दौरान ही क्यों न हुआ हो, कानून के कटघरे में लाया जाए। उनकी तीखी टिप्पणियों पर विपक्ष की ओर से तत्काल और जोरदार आपत्ति जताई गई। उदयनिधि ने विरोध जताते हुए अध्यक्ष से सदन में जवाब देने की अनुमति देने की मांग की।

डीएमके की दया पर निर्भर नहीं

डीएमके के इस दावे को खारिज करते हुए कि सत्तारूढ़ टीवीके उसकी दया के कारण सत्ता में बनी रही, विजय ने कहा कि वामपंथी दलों ने टीवीके को समर्थन देने का निर्णय स्वतंत्र रूप से लिया। वहीं, कांग्रेस, वीसीके और आईयूएमएल, जिन्होंने समर्थन दिया, उन्हें नए मंत्रिमंडल में समायोजित किया गया।

विपक्ष के कई दावों को किया खारिज

विपक्ष के वॉकआउट से अविचलित विजय ने अपनी सरकार की स्थिरता और जनादेश का बचाव किया और विपक्ष के उन दावों को खारिज कर दिया कि उनका प्रशासन पूरी तरह से बाहरी राजनीतिक ताकतों की दया या समर्थन पर चलता है।

विजय ने कहा, 'डॉ. अंबेडकर का सौ साल पुराना सपना अब पूरा हो गया है। मैं जोर से इसलिए बोल रहा हूं, क्योंकि मैं चाहता हूं कि विपक्ष के सदस्य मेरी बात सुनें। विपक्ष में जो लोग खुद को महिलाओं का रक्षक बताते हैं, उन्होंने अपनी कैबिनेट में कितनी महिलाओं को शामिल किया। हमारी कैबिनेट में चार महिलाओं को मंत्री पद दिया है। जिन्हें जनता ने नकार दिया है, उनसे हम बस एक ही बात कहना चाहते हैं।

केरल विधानसभा में विपक्ष का हंगामा

शराब टैक्स के मुद्दे पर सीपीआई-एम विधायकों का वॉकआउट

तिरुअनंतपुरम, 23 जून (एजेंसियां)। केरल विधानसभा में मंगलवार को भारी हंगामा हुआ। विपक्षी गठबंधन सीपीआई(एम) के नेतृत्व वाले (एलडीएफ) ने सदन की कार्यवाही का बहिष्कार किया और सदन से वॉकआउट।

यह पूरा विवाद कम अल्कोहल वाली शराब पर टैक्स कम करने के फैसले को लेकर हुआ। विपक्ष ने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए प्रस्ताव दिया था। जब विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) ने इस पर चर्चा की अनुमति देने से मना कर दिया, तो विपक्षी सदस्य भड़क गए। उन्होंने सदन में नारेबाजी शुरू कर दी। विपक्षी सदस्यों का कहना था कि यह एक गंभीर विषय है और इस पर बात होनी चाहिए।

विपक्ष के नेता पिनाराई विजयन ने सरकार की मंशा पर कड़े सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने कम अल्कोहल वाली शराब पर टैक्स में 131 प्रतिशत की भारी कमी की है। विजयन के अनुसार, यह फैसला कर्नाटक की एक निजी कंपनी 'बकार्डी' को अनुचित लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से लिया गया है।

विजयन ने आगे कहा कि इस फैसले के सामाजिक परिणाम बहुत खराब होंगे। टैक्स कम होने से ऐसी शराब बहुत सस्ती हो जाएगी।

इससे यह सॉफ्ट ड्रिंक की तरह हर जगह आसानी से मिलने लगेगी। इससे युवाओं में शराब की खपत बढ़ जाएगी। विपक्ष का कहना है कि सरकार का यह फैसला आम जनता और युवाओं के भविष्य के खिलाफ है। जब सरकार ने उनकी मांगों को अनसुना कर दिया और चर्चा से पीछे हट गई, तो एलडीएफ के सभी सदस्यों ने विरोध स्वरूप सदन से वॉकआउट कर दिया। इस हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही में भी बाधा आई।

खबरें जरा हटके

ये है दुनिया का सबसे कीमती काजल, शार्क के जिगर से है बनता, सिर्फ एक ही जगह बनाते हैं लोग!

आज के समय में बाजार में केमिकल आधारित काजल, आईलाइनर और मेकअप प्रोडक्ट्स की भरमार है. लेकिन कुछ लोग अब नेचुरल और पारंपरिक उत्पादों की ओर रुख कर रहे हैं. ऐसी ही एक अनोखी और दुर्लभ चीज है ओमान का पारंपरिक काजल, जो शार्क (शार्क मछली) के जिगर से बनाया जाता है. इसे दुनिया का सबसे महंगा और खास काजल माना जाता है क्योंकि यह सिर्फ ओमान के मसीरा द्वीप पर ही पारंपरिक तरीके से तैयार किया जाता है. ओमान के पूर्वी तट पर स्थित मसीरा द्वीप इस काजल के लिए प्रसिद्ध है. यहां की महिलाएं पीढ़ी दर पीढ़ी यह कला संभाल रही हैं. शार्क के जिगर से बने इस काजल को स्थानीय भाषा में "कुहल" या "सरमा" कहा जाता है. यह ना सिर्फ आंखों को आकर्षक बनाता है बल्कि पारंपरिक चिकित्सा में भी इसका इस्तेमाल होता है.

काजल बनाने की प्रक्रिया काफी मेहनत भरी और समय लेने वाली है. सबसे पहले शार्क मछली को पकड़ा जाता है. मछली को दो दिन छाया में रखा जाता है ताकि जिगर अच्छे से तैयार हो सके. इसके बाद जिगर को निकालकर साफ किया जाता है. फिर इसे आग पर पिघलाया जाता है, जिससे इसका तेल निकलने लगता है. फिर तेल को फिल्टर किया जाता है जिससे कड़वे पदार्थों को अलग किया जाता है. शुद्ध तेल को ठंडा होने दिया जाता है और फिर बारीक पाउडर में बदलकर काजल का रूप दिया जाता है. अंत में इसे छोटी-छोटी डिब्बियों में भर दिया जाता है. यह पूरी प्रक्रिया हाथ से की जाती है. इसमें कोई केमिकल या मशीन नहीं लगती. यही वजह है कि यह काजल इतना महंगा और शुद्ध होता है.

आप विधायक, पत्नी समेत 9 को 7-7 साल जेल

वन्यकर्मियों से मारपीट, वसूली के मामले में मिली सजा, 96000 का जुर्माना भी

नर्मदा, 23 जून (एजेंसियां)। गुजरात में नर्मदा जिले की एक कोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक चैतर वसावा, उनकी पत्नी और 7 अन्य को 7-7 साल जेल की सजा सुनाई है। इन पर वन-विभाग के अधिकारियों से मारपीट और वसूली का आरोप था। सजा के अलावा विधायक की पत्नी और अन्य पर 96 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। कुल 9 आरोपियों में 4 महिलाएं शामिल हैं।

मामला 30 अक्टूबर 2023 का है। आरोप है कि वन विभाग के अधिकारियों ने जंगल की जमीन पर हुए अतिक्रमण हटा दिए थे। इस पर वसावा ने पांच अधिकारियों को अपने घर बुलाया था। प्राथमिकी के मुताबिक, चैतर वसावा और उनके साथियों ने अधिकारियों के साथ मारपीट की और उनसे प्रभावित ग्रामीणों को मुआवजा देने के नाम पर वसूली की थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, चैतर वसावा ने इस दौरान हवाई फायरिंग भी की थी। आरोप है कि जिस हथियार का इस्तेमाल किया गया, उसके लिए उनके पास वैध लाइसेंस नहीं था। इसके चलते उन पर आर्म्स एक्ट के तहत भी मामला दर्ज किया गया था। इस घटना के अगले ही दिन, चैतर वासावा के पीए और अन्य लोगों ने दो अधिकारियों से 30-30 हजार रुपए की फिरौती मांगी थी। चूंकि वन कर्मचारियों के पास पैसे नहीं थे। इसलिए उन्होंने अपने वरिष्ठ अधिकारी को बुलाया और दो अधिकारियों ने 60 हजार रुपए ऑनलाइन पीए और अन्य आरोपियों के खातों में ट्रांसफर किए थे। कोर्ट में इसे सबूत के तौर पर पेश किया गया था।

पुणे में इंदौर जैसा मामला : मंगेतर ने प्रेमी के साथ मिलकर खाई में धकेला, दोनों हत्यारोपी गिरफ्तार

पुणे, 23 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में जान गंवाने वाले रियल एस्टेट फर्म के निदेशक केतन विशाल अग्रवाल की मौत के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुणे पुलिस ने मंगलवार को उनकी मंगेतर और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है। उन पर केतन को पुणे के लोहागढ़ किले की गहरी खाई में धकेलने का आरोप है। पहले इसे एक दुर्घटना माना जा रहा था, लेकिन जांच में हत्या की साजिश सामने आई।

मंगेतर सिया गोयल ने केतन की मौत के बाद क्या किया?

यह घटना 18 जून को हुई थी। गहुंजे, पुणे जिले के निवासी 26 वर्षीय अग्रवाल का शव किले के पास एक खाई में मिला था। पुलिस ने पहले बताया था कि अग्रवाल अपनी मंगेतर और दोस्तों के साथ ट्रेकिंग पर थे। तस्वीरें लेते समय वह करीब 400 फीट गहरी खाई में गिर गए थे। मंगेतर सिया गोयल ने लोनावाला ग्रामीण पुलिस को जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि किले में सैर के दौरान अग्रवाल फिसलकर गिर गए थे। इसके बाद आकस्मिक मृत्यु की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। अग्रवाल की शादी इसी साल गोयल से होनी थी। परिवारों ने उदयपुर, राजस्थान में एक महल बुक कर भव्य शादी की तैयारियां की थीं।

केतन विशाल अग्रवाल

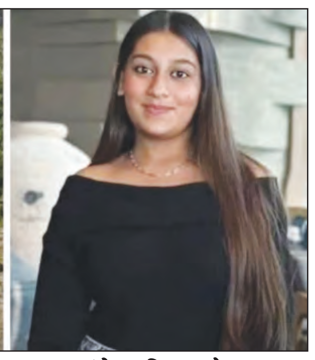

मंगेतर सिया गोयल

संदेह और जांच के दायरे पर एसपी ने क्या बताया?

पुणे ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल ने बताया कि मौत के हालात संदिग्ध लग रहे थे। इसी कारण पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू की। हमारी टीमों ने वित्तीय विवादों और व्यक्तिगत संबंधों सहित कई पहलुओं की जांच की। जांच के दौरान पुलिस को एक अहम जानकारी मिली। गोयल का कोंढवा, पुणे निवासी 22 वर्षीय चेतन बाबूलाल चौधरी के साथ संबंध था। गोयल अग्रवाल से शादी नहीं करना चाहती थी। वह अग्रवाल को चौधरी के साथ अपने रिश्ते में बाधा मानती थी।

हत्या की साजिश कैसे रची गई?

पुलिस के अनुसार, गोयल और चौधरी ने अग्रवाल को खत्म करने की साजिश रची। योजना के तहत, गोयल अग्रवाल को सैर के बहाने लोहागढ़ किले ले गई। चौधरी को बाद में उसी स्थान पर बुलाया गया। इसके बाद दोनों ने मिलकर अग्रवाल को किले से नीचे धकेल दिया। इससे उनकी मौत हो गई। संदेह के आधार पर स्थानीय अपराध शाखा ने चौधरी को हिरासत में लिया।

पूछताछ के दौरान यह सामने आया कि अग्रवाल, चौधरी और गोयल के रिश्ते में बाधा बन रहे थे। इसलिए दोनों ने मिलकर अग्रवाल को खत्म करने की योजना बनाई। चौधरी की पूछताछ के आधार पर गोयल को भी गिरफ्तार कर लिया गया। केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने शिकायत दर्ज कराई।

यहां जहरीले कोबरा के साथ सोते हैं लोग, सांप से खेलते हैं बच्चे

वैज्ञानिकों ने पूछा-ये रिश्ता क्या कहलाता है!

आमतौर पर लोग सांप देखते ही दहल जाते हैं, खासकर जहरीले कोबरा को देखकर तो लोग भाग खड़े होते हैं. लेकिन महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में स्थित शेतपाल गांव इस सोच को पूरी तरह चुनौती देता है. यहां के लोग जहरीले कोबरा सांपों के साथ एक ही घर में रहते हैं, उनके साथ सोते हैं और बच्चे उनके साथ खेलते हैं. सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि सदियों पुरानी इस परंपरा में आज तक एक भी सांप काटने का मामला दर्ज नहीं हुआ है.

शेतपाल गांव पुणे से करीब 200 किलोमीटर दूर मोहोल तालुका में बसा है. यहां हर घर में सांपों के लिए खास जगह बनाई जाती है, जिसे "देवस्थान" या "देवघर" कहा जाता है. यह एक छोटा सा कमरा या दीवार में बनाया गया आला होता है जहां सांप स्वतंत्र रूप से आते-जाते रहते हैं. गांववाले इन्हें परिवार का सदस्य मानते हैं और उन्हें भोजन भी चढ़ाते हैं. स्थानीय लोगों के अनुसार यह परंपरा सदियों पुरानी है. वे मानते हैं कि सांप भगवान शिव का रूप हैं इसलिए उन्हें नुकसान पहुंचाना पाप है. सांप भी गांववालों को अपना परिवार समझते हुए कभी हमला नहीं करते.

गली-गली घूमते हैं कोबरा

इस गांव में कोबरा, वाइपर और अन्य सांपों की भरमार है लेकिन कोई डर नहीं है. बच्चे स्कूल जाते समय, घर में खेलते समय या सोते समय भी सांपों को सहजता से देखते हैं. एक गांववासी ने बताया, "हमारे यहां सांप मेहमान की तरह आते हैं. हम उन्हें जगह देते हैं, दूध-फल चढ़ाते हैं. वे भी हमें कभी नहीं काटते. यह हमारी आस्था और विश्वास का नाता है." वैज्ञानिक और वन्यजीव विशेषज्ञ इस घटना का अध्ययन कर चुके हैं लेकिन पूरा रहस्य अभी भी अनसुलझा है. कुछ का मानना है कि सांपों को यहां नियमित भोजन मिलने और उन्हें परेशान ना किए जाने के कारण वे आक्रामक नहीं होते. गांव में सांपों के साथ रहने की परंपरा इतनी गहरी है कि यहां शादी-ब्याह, त्योहार या कोई भी शुभ कार्य सांपों की मौजूदगी में ही होता है. लोग कहते हैं कि अगर सांप घर छोड़कर चला जाए तो उसे अशुभ माना जाता है. कई बार सांप घर के अंदर घूमते दिख जाते हैं लेकिन परिवार के सदस्य उन्हें शांति से देखते रहते हैं. यह गांव देश-विदेश में "स्नेक विलेज" या "सांपों का गांव" के नाम से मशहूर है.

किसानों के लिए पैसे नहीं, दल-बदल के लिए बहुत पैसा

> शिवसेना (यूबीटी) ने महायुति पर कसा तंज

मुंबई, 23 जून (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) ने मंगलवार को सत्ताधारी महायुति गठबंधन पर तीखा हमला किया और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तथा उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर महाराष्ट्र को 25 साल पीछे धकेलने और राज्य की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का आरोप लगाया। शिवसेना (यूबीटी) ने आरोप लगाया कि शिंदे की अहंकारी पैसे वाली राजनीति का तरीका आखिरकार फडणवीस के लिए नुकसानदेह साबित होगा। उनका दावा है कि दिल्ली में भाजपा नेतृत्व का एक गुट खुलेआम शिंदे को मुख्यमंत्री के अधिकार को चुनौती देने के लिए बढ़ावा दे रहा है। ठाकरे गुट ने पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में महायुति सरकार पर धोखे का जश्न मनाने का आरोप लगाया। उन्होंने 'ऑपरेशन टाइगर' का जिक्र किया, जिसमें सोमवार को शिवसेना (यूबीटी) के छह बागी सांसद शिंदे गुट में शामिल हो गए।

संपादकीय में कहा गया, महाराष्ट्र को परेशान करने वाले गंभीर मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय फडणवीस ने शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसदों के पाला बदलने पर खुशी जताई।

उद्धव ठाकरे

उन्होंने कहा कि 'धोखे' का ऑपरेशन सफल रहा और मरीज ठीक है। संपादकीय में कहा गया है कि ऐसे समय में जब महाराष्ट्र कई बड़ी समस्याओं का सामना कर रहा है। फडणवीस का गद्दारों की तारीफ करके संतुष्टि पाना गलत है। संपादकीय ने मजाक में इसे शिंदे द्वारा छह स्वस्थ गद्दारों को जन्म देने की उपमा दी। एक ऐसा ऑपरेशन जिस पर कम से कम 500 करोड़ रुपए खर्च होने का दावा किया गया है। सवाल किया गया, अब जब शिंदे ने छह गद्दारों को जन्म दिया है और अमित शाह दिल्ली में मिठाइयां बांट रहे हैं तो मुख्यमंत्री को यह बताना चाहिए कि इन पाला बदलने वालों के असली माता-पिता कौन हैं। संपादकीय में अफसोस जताया गया कि जहां कभी छत्रपति शिवाजी महाराज का नाम सुनते ही गद्दारों के दिलों में डर पैदा हो जाता था, वहीं मौजूदा नेतृत्व सक्रिय रूप से राजनीतिक दल-बदल का जश्न मना रहा है और धोखे को महाराष्ट्र की नई पहचान बना रहा है।

ठाकरे गुट ने पूरे राज्य में प्रशासनिक लापरवाही की कड़ी आलोचना की। इसमें कहा गया, ₹बारिश में देरी के कारण ग्रामीण महाराष्ट्र पर पानी की भारी किल्लत का संकट मंडरा रहा है, जिससे बड़े पैमाने पर पलायन और मवेशियों के लिए चारे की कमी का खतरा पैदा हो गया है। मुंबई को पानी सप्लाई करने वाले सात बांधों में पानी का स्तर गिरकर खतरनाक रूप से 8.5 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जिससे तुरंत पानी की कटौती करनी पड़ रही है।

दावा-उद्धव के 7वें सांसद भी शिंदे-गुट में आना चाहते थे

शिवसेना नेता बोले-मंत्री पद चाहते थे, बात नहीं बनी, ठाकरे के बगल में बैठते हैं

मुंबई, 23 जून (एजेंसियां)। शिवसेना नेता रामदास कदम ने दावा किया है कि उद्धव गुट के छह सांसदों के अलावा एक और सांसद एकनाथ शिंदे के साथ शामिल होना चाहते थे। कदम ने सोमवार को मुंबई में मीडिया से बातचीत में कहा कि सातवें सांसद ने भी कागज पर साइन कर दिए थे, लेकिन उन्होंने कैबिनेट मंत्री पद की मांग रखी। एकनाथ शिंदे ने इनकार कर दिया, जिसके बाद वह वापस चले गए। हालांकि, कदम ने उस सांसद का नाम बताने से इनकार करते हुए कहा, 'मैं उनका नाम नहीं लूंगा, लेकिन वे उद्धव ठाकरे के बगल में बैठते हैं।' उद्धव ठाकरे गुट यानी शिवसेना (यूबीटी) के 9 में से 6 लोकसभा सांसद डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गए। लोकसभा में अब शिंदे के सांसदों की संख्या 7 से बढ़कर 13 हो गई है। शिंदे के साथ सभी 6 सांसदों ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसका ऐलान किया। डिप्टी सीएम ने कहा, 'जब 2022 में हमने पार्टी और धनुष-बाण बचाने के लिए विद्रोह किया था, तब 40 विधायक थे और अब हमने छक्का लगाया है।' उन्होंने कहा, ' हमारी लड़ाई बालासाहेब के विचारों को बचाने के लिए है, इसलिए आज ये 6 सांसद बालासाहेब की असली शिवसेना में शामिल हुए।' उद्धव के शिवसेना का मुखिया रहते पार्टी में 4 साल में यह दूसरी बड़ी बगावत है।

समंदर में तैरेगा 30 मंजिला जहाज, जिसे खड़ा करने के लिए धरती पर नहीं बना कोई बंदरगाह, साथ रहेंगे 80 हजार लोग!

भविष्य में अगर जमीन पर रहने के लिए जगह कम पड़ जाए, तो इंसानों के पास समंदर पर रहने का एक आधुनिक और आलीशान विकल्प तैयार होने जा रहा है. फ्रीडम क्रूज लाइन इंटरनेशनल ने हाल ही में 'फ्रीडम शिप' नाम के एक ऐसे तैरते हुए शहर को बनाने की योजना की घोषणा की, जो आकार में इतना विशाल होगा कि दुनिया का कोई भी मौजूदा बंदरगाह इसे अपने यहां डॉक यानी खड़ा नहीं कर पाएगा. यह विशालकाय जहाज न सिर्फ इंसानी इंजीनियरिंग की सीमाओं को तोड़ेगा, बल्कि इसके भीतर स्कूल, अस्पताल, कसीनो और मॉल जैसी तमाम आधुनिक सुविधाएं मौजूद होंगी. इस महाकाय तैरते हुए शहर के विचार ने दुनिया भर के वैज्ञानिकों और आम लोगों को पूरी तरह हैरान कर दिया है. तैरते हुए शहर की यह अद्भुत परिकल्पना मूल रूप से 1990 के दशक में अमेरिकी इंजीनियर नॉर्मन निक्सन द्वारा प्रस्तावित की गई थी, लेकिन दशकों तक किसी ने भी इसे हकीकत में बदलने का साहस नहीं दिखाया. पिछले तीन दशकों में निक्सन के मूल ब्लूप्रिंट को कई बार खंगाला गया, लेकिन यह कभी भी केवल चर्चा के चरण से आगे नहीं बढ़ सका. अब, एक क्रूज लाइन कंपनी का दावा है कि दुनिया भर में इस फ्रीडम शिप की मांग इतनी मजबूत है कि वे इसके जैसी तीन जहाजों का निर्माण कर सकते हैं. कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोजर गूच ने बताया कि उन्हें इस विशालकाय ढांचे को खड़ा करने का पूरा भरोसा है, लेकिन इसके लिए आवश्यक पूंजी जुटाना सबसे महत्वपूर्ण है.

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दौरे पर सांसद

शशि थरूर की अगुवाई वाली समिति में ओवैसी, अरुण गोविल भी,पाकिस्तान-चीन के लिए बेहद खास!

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर की अगुवाई में विदेश मामलों की स्टैंडिंग कमेटी जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के दौरे पर है। शशि थरूर की अगुवाई वाली सांसदों की इस टीम में एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी और बीजेपी सांसद अरुण गोविल भी शामिल हैं। सांसदों का यह चार दिवसीय दौरा भारत-पाकिस्तान और भारत-चीन संबंधों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है।

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख के दौरे पर संसदीय समिति

सांसदों की यह टीम सोमवार से ही जम्मू और कश्मीर में है। शशि थरूर कांग्रेस सरकार में विदेश राज्य मंत्री भी रह चुके हैं और वे संयुक्त राष्ट्र में राजनियक के तौर पर भी बड़ी भूमिका निभा चुके हैं। इस वजह से उनका सांसदों की ऐसी टीम को लीड करने के मायने और भी खास हैं।

भारत के चीन और पाकिस्तान से रिश्ते के लिए अहम

शशि थरूर ने बताया कि सांसदों ने सोमवार को जम्मू और सुचेतगढ़ बॉर्डर का दौरा किया और पासपोर्ट ऑफिस और पासपोर्ट सेवा केंद्रों का भी जायजा लिया। दरअसल, विदेश मामलों की स्थायी समिति का यह दौरा भारत की विदेश नीति और चीन-पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय रिश्तों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है।

(फाइल फोटो)

सीमा सुरक्षा की रणनीतिक समीक्षा करेगी

विदेश मामलों की स्थायी संसदीय समिति के इस दौरे का मकसद भारत की सीमा सुरक्षा की रणनीतिक समीक्षा और विदेश नीति से मुद्दों से जुड़ा है।

इसलिए इस समिति के सदस्य जम्मू के अलावा श्रीनगर, कारगिल और लेह भी जा रहे हैं।

इस दौरान समिति भारत के फ्रंटियर इलाकों में सीमा-प्रबंधन और सुरक्षा के हालातों का जायजा लेगी।

समिति भारत और चीन, भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंधों की मौजूदा स्थिति की भी समीक्षा करेगी।

इनमें सिंधु जल संधि निलंबित करने के साथ-साथ नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पार से आतंकवाद के खतरे पर विचार-विमर्श करना भी शामिल है। इसके अलावा यह समिति भारत और चीन के संबंधों और पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के आसपास के मौजूदा सुरक्षा हालातों की भी छानबीन करेगी।

सिविल और मिलिट्री अफसरों और आम लोगों से चर्चा

इस महत्वपूर्ण दौरे पर यह समिति सीमावर्ती क्षेत्रों में मौजूद सभी महत्वपूर्ण भारतीय स्टेकहोल्डर्स के साथ भी चर्चाएं करेगी।

इसके तहत प्रशासन और मिलिट्री के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा करने के अलावा स्थानीय निवासियों के साथ बातचीत भी शामिल हैं। रवानगी से पहले दिल्ली में ही विदेश सचिव विक्रम मिसरी चीन से संबंधों और पाकिस्तान को लेकर भारत के नजरिए के बारे में इसे पूरी जानकारी दे चुके हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: अपनी गलतियों की माफी मांगना सीखों लो, माफी मांगने से छोटे नहीं हो जाते।

बुधवार, 24 जून, 2026 3

एक लाख फ्लैट योजना के लिए नाम सुझाइए

जीतिए एक लाख रुपये का पुरस्कार

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के गठन के बाद पहली बार निम्न आय वर्ग (एलआईजी) के लोगों के लिए प्रस्तावित एक लाख फ्लैटों की आवास योजना को नाम देने के लिए तेलंगाना हाउसिंग बोर्ड ने एक अनूठी पहल शुरू की है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए उपयुक्त नाम सीधे जनता से आमंत्रित किए गए हैं। चयनित सर्वश्रेष्ठ नाम सुझाने वाले व्यक्ति को एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

तेलंगाना हाउसिंग बोर्ड के उपाध्यक्ष वी.पी. गौतम ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि इस योजना के लिए नाम चयन हेतु सोशल मीडिया के माध्यम से खुली प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में प्राप्त सुझावों में से सर्वश्रेष्ठ नाम का चयन किया जाएगा और विजेता को एक लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने क्योर क्षेत्र में निम्न आय वर्ग के लोगों के लिए विशेष रूप से एक लाख आवासीय फ्लैटों के निर्माण का निर्णय लिया है।

तेलंगाना ने चावल खरीद लक्ष्य में बड़े संशोधन की मांग की

मंत्रियों के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री प्रलहाद जोशी से मुलाकात की

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रिकॉर्ड तोड़ कृषि उत्पादन के लिए मान्यता प्राप्त करने की मांग करते हुए, तेलंगाना सरकार ने केंद्र से रबी 2025-26 के चावल खरीद लक्ष्य में भारी वृद्धि करने का अनुरोध किया है। सरकार का तर्क है कि मौजूदा आवंटन राज्य के वास्तविक धान उत्पादन और खरीद को प्रतिबिंबित करने में विफल रहता है, जिसके कारण किसानों के हितों की रक्षा के लिए सरकार को हजारों करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय वहन करना पड़ता है। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी, कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव के साथ, नई दिल्ली में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए, केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रलहाद जोशी से मिले और खरीद और कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) की डिलीवरी से संबंधित कई प्रमुख मांगों की तत्काल मंजूरी के लिए दबाव डाला। तेलंगाना राज्य ने रबी फसल 2025-26 के लिए चावल की खरीद का लक्ष्य वर्तमान 35 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) से बढ़ाकर 54.50 लाख मीट्रिक टन करने का अनुरोध किया है, जो राज्य द्वारा पहले से ही खरीदे गए 80.09 लाख मीट्रिक टन धान के बराबर है। तेलंगाना ने यह भी अनुरोध किया है कि पूरी मात्रा उबले हुए चावल के रूप में दी जाए, क्योंकि राज्य में उगाया जाने वाला रबी धान मुख्य रूप से पारबॉयल्ड राइस मिलिंग के लिए उपयुक्त है। यह अनुरोध तेलंगाना में धान की अब तक की सबसे अधिक खरीद के संदर्भ में आया है। अकेले रबी वर्ष 2025-26 में ही खरीद 80.09 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच चुकी है और देर से कटाई वाले जिलों से आवक जारी रहने के कारण इसमें और वृद्धि होने की उम्मीद है।

खरीफ और रबी वर्ष 2025-26 की संयुक्त खरीद ऐतिहासिक 152 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गई है, जो तेलंगाना और पूर्ववर्ती अविभाजित आंध्र प्रदेश में अब तक का सबसे अधिक रिकॉर्ड है। उत्तम कुमार रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री को सूचित किया कि तेलंगाना ने उत्पादन अनुमानों के आधार पर रबी मौसम के दौरान लगभग 90 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद का अनुमान लगाया था। हालांकि, केंद्र ने खरीद का लक्ष्य केवल 35 लाख मीट्रिक टन धान निर्धारित किया, जो 51.47 लाख मीट्रिक टन धान के बराबर है। राज्य ने अब स्वीकृत लक्ष्य से लगभग 29 लाख मीट्रिक टन अधिक धान की खरीद की है, जिसके परिणामस्वरूप जमीनी हकीकत और आधिकारिक आवंटन में अंतर आ गया है। प्रतिनिधिमंडल ने तर्क दिया कि केंद्र द्वारा निर्धारित कम खरीद लक्ष्यों के कारण किसानों को नुकसान नहीं होना चाहिए। भीषण गर्मी, हमाली की कमी, भंडारण संबंधी बाधाएं, परिवहन संबंधी अड़चनें, मक्का की आवक में ओवरलैप और बेमौसम बारिश जैसी गंभीर परिचालन चुनौतियों के बावजूद, राज्य ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर और उचित औसत गुणवत्ता मानकों के अनुसार निर्बाध खरीद सुनिश्चित की। मंत्रियों के प्रतिनिधिमंडल ने सीएमआर वितरण कार्यक्रम को बढ़ाने की भी मांग की। उन्होंने लंबित रबी 2024-25 की खेप पूरी करने के लिए अतिरिक्त 60 दिन और खरीफ 2025-26 की खेप के लिए 120 दिन का और विस्तार मांगा ताकि निर्बाध पिसाई और केंद्रीय पूल को आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। राज्य ने स्पष्ट किया कि भंडारण की कमी, खरीद के मौसमों का ओवरलैप और भारी आवक के कारण खाद्य निगम प्रणाली तक चावल की आवाजाही धीमी हो गई है। केंद्रीय मंत्री के समक्ष उठाई गई एक अन्य महत्वपूर्ण मांग यह थी कि भविष्य के खरीद लक्ष्य, विशेष रूप से खरीफ 2026-27 के लिए, राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत उत्पादन और खरीद अनुमानों के अनुरूप होने चाहिए। तेलंगाना ने कहा कि अवास्तविक लक्ष्य खरीद कार्यों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करते हैं और किसानों तथा राज्य प्रशासन के लिए अनावश्यक कठिनाइयाँ पैदा करते हैं।

आबकारी अधीक्षक के ठिकानों पर एसीबी की छापेमारी

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को हैदराबाद और निजामाबाद में एक साथ छापेमारी कर निजामाबाद जिले के निषेध एवं उत्पाद शुल्क अधीक्षक के. मल्ला रेड्डी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोपों की जांच शुरू की। शिकायत के आधार पर डीएसपी शेखर गौड़ के नेतृत्व में विशेष टीमों ने हैदराबाद स्थित उनके आवास, निजामाबाद के प्रगति नगर स्थित घर और सुभाष नगर स्थित आबकारी अधीक्षक कार्यालय में तलाशी ली। इस दौरान अधिकारियों ने कई दस्तावेज, संपत्ति संबंधी कागजात और अन्य महत्वपूर्ण रिकॉर्ड जब्त किए। एसीबी ने मल्ला रेड्डी को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है और विभिन्न स्थानों पर तलाशी तथा दस्तावेजों का सत्यापन जारी है। अधिकारियों के अनुसार, जब्त किए गए दस्तावेजों की जांच पूरी होने के बाद बरामद संपत्तियों और जांच के निष्कर्षों का खुलासा किया जाएगा।

मताधिकार से वंचित करने के लिए 'एसआईआर' का सहारा : मल्लू रवि

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद मल्लू रवि ने मंगलवार को भाजपा पर विवादास्पद 'एसआईआर' प्रक्रिया के माध्यम से नागरिकों को उनके मतदान के अधिकार से वंचित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया और लोकतंत्र को कमजोर करने वाले किसी भी कदम का विरोध करने का संकल्प लिया। शहर में अंबेडकर प्रतिमा से बीआरकेआर भवन तक कांग्रेस, सीपीआई, टीजेएस और वामपंथी दलों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक विरोध रैली में बोलते हुए, रवि ने आरोप लगाया कि इस पहल का उद्देश्य गरीब, आदिवासी, दलित और हाशिए पर रहने वाले मतदाताओं को मतदाता सूची से हटाना है।

रवि, जो टीपीसीसी अनुशासनात्मक समिति के अध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि मतदान का अधिकार लोकतंत्र की आधारशिला है और उन्होंने भाजपा पर राजनीतिक लाभ के लिए चुनावी प्रणाली में हेरफेर करने का आरोप लगाया। बाद में एसआईआर प्रक्रिया को वापस लेने और मतदान अधिकारों की रक्षा की मांग करते हुए एक ज्ञापन चुनाव अधिकारियों को सौंपा गया। बैठक में प्रो. हरगोपाल, सीपीआई नेता कुनामनेनी सांबासिवा राव, एमएलसी एम. कोडंडाराम और विभिन्न राजनीतिक एवं नागरिक समाज संगठनों के प्रमुख नेता शामिल हुए।

तेलंगाना में राज्यव्यापी बीज मेलों का शुभारंभ

किसानों को उपलब्ध होंगे प्रमाणित एवं गुणवत्तापूर्ण बीज

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। किसानों को गुणवत्तापूर्ण एवं प्रमाणित बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तेलंगाना सरकार के कृषि विभाग द्वारा राज्यभर के किसान वेदिकाओं (रैतु वेदिका) में आयोजित किए जा रहे बीज मेलों का मंगलवार को औपचारिक शुभारंभ किया गया। नई दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन से आयोजित 'रैतु नेस्तम' कार्यक्रम के माध्यम से कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव तथा नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने ऑनलाइन माध्यम से इन बीज मेलों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंत्रियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजारों में अधिक मांग वाली महीन किस्म के धान (सन्ना धान) की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार विशेष कदम उठा रही है। उन्होंने बताया कि कृषि वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद चयनित सात महीन धान किस्मों की खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहन बोनस देने का निर्णय लिया गया है। मंत्रियों ने कहा कि वर्तमान मौसम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए किसानों के लिए केवल धान के बीज ही नहीं, बल्कि दलहन, तिलहन तथा सब्जियों की वैकल्पिक फसलों के बीज भी उपलब्ध कराए गए हैं। इससे किसान अपने क्षेत्र की परिस्थितियों और बाजार की मांग के अनुरूप फसल चयन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि 23 जून से 30 जून तक राज्य के विभिन्न किसान वेदिकाओं में आयोजित होने वाले इन बीज मेलों के माध्यम से किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीजों की बिक्री के साथ-साथ आधुनिक खेती की तकनीकों, फसल प्रबंधन तथा अधिक उत्पादन प्राप्त करने संबंधी वैज्ञानिक जानकारी भी प्रदान की जाएगी। कृषि विभाग के अधिकारी, संबद्ध विभागों के कर्मचारी तथा कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक किसानों को प्रत्यक्ष रूप से मार्गदर्शन देंगे। राज्यव्यापी बीज मेलों के लिए 1,24,649 क्विंटल धान बीज, 6,913 क्विंटल दलहन बीज, 11,815 क्विंटल तिलहन बीज तथा 1,339 क्विंटल सब्जी बीज उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अतिरिक्त किसानों की आवश्यकता के अनुसार नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी उर्वरक भी उपलब्ध कराए गए हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे में राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में सराहनीय कार्य : श्रीवास्तव

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे मुख्यालय में सोमवार को महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर महाप्रबंधक सत्यप्रकाश, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक राजेश पी. खाडे, सभी प्रधान विभागाध्यक्ष तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं विभिन्न मंडलों और कारखानों के प्रतिनिधियों ने ऑनलाइन माध्यम से बैठक में सहभागिता की। बैठक को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि दक्षिण मध्य रेलवे पर राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार का राजभाषा विभाग हिंदी के प्रयोग-प्रसार की दिशा में पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य कर रहा है। ऐसे में केंद्र सरकार के कार्यालयों में राजभाषा के उपयोग को बढ़ावा देना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। अपर महाप्रबंधक सत्यप्रकाश ने अधिकारियों और कर्मचारियों से संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षणों और सुझावों को ध्यान में रखते हुए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी को गंभीरता से प्रयास करने चाहिए। बैठक के आरंभ में मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक राजेश पी. खाडे ने अध्यक्ष तथा सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि दक्षिण तट रेलवे के गठन के बाद दक्षिण मध्य रेलवे की यह पहली क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक है। उन्होंने कहा कि रेलवे मुख्यालय सहित सभी मंडलों और कारखानों में हिंदी के प्रयोग और प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं तथा कार्यक्रमों का नियमित आयोजन किया जा रहा है। उप महाप्रबंधक (राजभाषा) एम.के. नागराजु ने पिछली तिमाही की राजभाषा प्रगति रिपोर्ट के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने गत तिमाही के दौरान किए गए विशेष कार्यों की जानकारी भी प्रस्तुत की। बैठक में मंडलों और कारखानों के प्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए आगामी तिमाही की कार्ययोजना से भी अवगत कराया।

झील के तटबंध पर मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

सिद्दिपेट, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दुब्बक मंडल के तिम्मापुर गांव में सोमवार देर रात एक युवक की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान येलीगे रमेश (27) के रूप में हुई है, जो गांव में इलेक्ट्रीशियन का काम करता था। जानकारी के अनुसार, सोमवार रात रमेश ने गांव के पास स्थित एक झील के तटबंध पर कुछ लोगों के साथ शराब पार्टी की थी। मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने उसका शव बरामद किया, जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई। परिजनों ने हत्या में उनके करीबी रिश्तेदार येलीगे राजू की संलिप्तता की आशंका जताई है। सूचना मिलने पर सिद्दिपेट के एसीपी रविंदर रेड्डी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है तथा हत्या के कारणों और आरोपियों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No 14626061M Nb Sub (MACP) PEERLA MOULALI SHAIK, R/o.Vill & Post: Akaveedu, Teh: Giddalur, District: Prakasam (Now Markapur), AP-523372 that my father name & DOB changed from SHAIK PEERLA MOULALI, DOB: 01-07-1950 to SHAIK PEERLA CHINNA MOULALI, DOB: 01-01-1946 and mother name & DOB changed from SHAIK IMAMBI, DOB:01-07-1955 to SHAIK HIMAM BI, DOB: 01-01-1956 vide affidavit dt:22-06-2026.

I, LAJWANTI DEVI , M/O: HAV NAGENDR SINGH , R/O: RATGAHAN, SHEKHPUR, RASOOLPUR, CHAIL, KAUSHAMBI, UTTAR PRADESH - 212208 have changed my name from LAJWANTI DEVI to RAJVANTI and my Date of Birth is 01/01/1970 vide Affidavit dt.20-06-2026 AT Hyderabad

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

युवक ने गोदावरी में कूदकर दी जान

निर्मल, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी नौकरी नहीं मिलने से अवसाद में चल रहे 23 वर्षीय युवक ने कथित तौर पर गोदावरी नदी में कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, भैंसा कस्बे के निवासी और एक निजी कंपनी में कार्यरत अक्षय कुमार सरकारी नौकरी पाने में असफल रहने के कारण काफी समय से मानसिक तनाव में थे। रविवार को वह परिवार को बिना बताए मोटरसाइकिल से बासर पहुंचे और लापता हो गए। बाद में उनकी मोटरसाइकिल गोदावरी नदी के किनारे मिली। सोमवार को नदी के पहले घाट से उनका शव बरामद किया गया। अक्षय के पिता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रमाणपत्र नहीं मिलने पर छात्राओं का प्रदर्शन

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सागर रिंग रोड के पास सोमवार शाम एक निजी जूनियर कॉलेज की छात्राओं ने इंटरमीडिएट प्रमाणपत्र और स्थानांतरण प्रमाणपत्र (टीसी) जारी नहीं किए जाने के विरोध में सड़क पर प्रदर्शन किया।

छात्राओं का आरोप था कि दस्तावेज नहीं मिलने के कारण वे इंजीनियरिंग और अन्य डिग्री पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित काउंसलिंग में भाग नहीं ले सकीं। प्रदर्शन के कारण यातायात बाधित होने की शिकायत मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को हटाने का प्रयास किया।

इस दौरान आदिबतला पुलिस थाने के एक अधिकारी पर छात्राओं और कुछ छात्र कार्यकर्ताओं के साथ कथित रूप से अभद्र व्यवहार और धक्का-मुक्की करने के आरोप लगे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस अधिकारी के रवैये की व्यापक आलोचना शुरू हो गई और कई लोगों ने उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मामले को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं।

पीआरएसआई हैदराबाद ने सेंट एन्स कॉलेज और सीबीआईटी के साथ किया एमओयू

शिक्षा जगत और उद्योग जगत के बीच की दूरी को कम करने का उद्देश्य

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) हैदराबाद चैप्टर ने 22 जून 2026 को मेहदीपटनम स्थित सेंट एन्स कॉलेज फॉर वुमेन तथा कोकापेट स्थित चैतन्य भारती इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (सीबीआईटी) के साथ अलग-अलग समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह सहयोग शिक्षा जगत और उद्योग जगत के बीच की दूरी को कम करने के उद्देश्य से किया गया है। यह एमओयू पीआरएसआई की राष्ट्रीय परिषद द्वारा शुरू किए गए 'नालंदा स्टूडेंट्स फोरम' पहल के अंतर्गत किया गया है, जिसका उद्देश्य महाविद्यालयीन छात्रों को जनसंपर्क (पीआर) एवं संचार के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करना है। इसके तहत विद्यार्थियों के कौशल विकास, सेमिनार, कार्यशालाओं, औद्योगिक भ्रमण तथा इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर अब तक जुड़वां शहरों के विभिन्न महाविद्यालयों के साथ कुल 13 एमओयू कर चुका है। सेंट एन्स कॉलेज फॉर वुमेन की प्राचार्य डॉ. विजया रानी ने एमओयू पर हस्ताक्षर करते हुए इस साझेदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि पीआरएसआई शिक्षा और उद्योग जगत के बीच मजबूत सेतु का कार्य कर सकता है तथा विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. के.वाई. गिरी, नालंदा स्टूडेंट्स फोरम के संयोजक कृष्ण बाजी, पूर्व अध्यक्ष लायन के. गोविंदराज, सह-संयोजक डॉ. फातिमा रहीम, समिति सदस्य हमीद बिन सईद, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ. भारती तथा संकाय सदस्य के. नंदिनी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में कृष्ण बाजी ने हैदराबाद चैप्टर की उपलब्धियों तथा नालंदा पहल के अंतर्गत विद्यार्थियों को मिलने वाले लाभों की जानकारी दी। वहीं लायन के. गोविंदराज ने जनसंपर्क और संचार के विभिन्न आयामों पर प्रस्तुति देते हुए बताया कि विद्यार्थी इस क्षेत्र में किस प्रकार सफल करियर बना सकते हैं। सीबीआईटी में आयोजित समारोह में कॉलेज के प्राचार्य डॉ.सी.वी. नरसिम्हुलु ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि संस्थान का मूल उद्देश्य शिक्षा और उद्योग जगत को जोड़ना है तथा पीआरएसआई इस दृष्टि को और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर पीआरएसआई की ओर से डॉ.के.वाई. गिरी, कृष्ण बाजी, लायन के. गोविंदराज, डॉ. फातिमा रहीम तथा हमीद बिन सईद उपस्थित रहे। वहीं सीबीआईटी की ओर से निदेशक (अकादमिक) डॉ. पी. प्रभाकर रेड्डी, प्रोफेसर एवं सलाहकार डॉ. वी. बारला, निदेशक (इनोवेशन एवं इंडस्ट्री इंटरफेस) डॉ.यू.के. चौधरी तथा प्रोफेसर एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ.जी.एन.आर. प्रसाद भी एमओयू हस्ताक्षर समारोह में मौजूद रहे।

स्कूल बंद के दौरान लोक भवन हाई स्कूल में हंगामा

एबीवीपी कार्यकर्ता हिरासत में

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों के युक्तिकरण के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा मंगलवार को बुलाए गए राज्यव्यापी स्कूल बंद के दौरान लोक भवन स्थित सरकारी हाई स्कूल में तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। बंद के आह्वान के बावजूद स्कूल में नियमित रूप से कक्षाएं संचालित होने पर एबीवीपी के राज्य महासचिव मचारला रामबाबू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता स्कूल परिसर में पहुंच गए और स्कूल के खुले रहने पर सवाल उठाए। इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी बहस हुई, जिसके बाद पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। एबीवीपी ने आरोप लगाया कि सरकार लोकतांत्रिक विरोध को दबाने का प्रयास कर रही है। संगठन ने राज्य के 27 हजार स्कूलों में से 23 हजार स्कूलों को बंद करने की कथित योजना वापस लेने, निजी स्कूलों के लिए शुल्क विनियमन अधिनियम लागू करने, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू करने तथा सभी सरकारी स्कूलों में नाश्ता योजना का विस्तार करने की मांग की है।

राज्यपाल ने कोचिंग सेंटर में हुई दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में हुई भीषण अग्निकांड पर गहरा शोक व्यक्त किया है, जिसमें कई अनमोल जानें चली गईं। इस घटना को अत्यंत दुखद और हृदयविदारक बताते हुए राज्यपाल ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। मंगलवार को यहां एक बयान में, राज्यपाल ने दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और प्रार्थना की कि प्रभावित परिवारों को इस अपूरणीय क्षति से उबरने की शक्ति और साहस मिले।

तैयार है योगी-सम्राट और शुभेंदु कवच

क्राइम कंट्रोल का 'त्रिदेव फॉर्मूला', नीतीश के पुराने बयान अब मौजूं नहीं

पटना, 23 जून (एजेंसियां)। बिहार की सियासी राजनीति में इन दिनों एनकाउंटर को राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विरुद्ध मुद्दा बनाया जा रहा है। इस बयान को इस कदर सोशल मीडिया पर प्रचारित प्रसारित किया जा रहा है कि जैसे वो हाल का बयान हो और सम्राट चौधरी के बारे में नीतीश की राय हो। ये अलग बात है कि वो बयान पुराना है। बिहार की वर्तमान राजनीति और नीतीश कुमार के पुराने बयान को अगर देखा जाए तो वो अब एक दूसरे से मेल नहीं खाते।

नीतीश कुमार का बयान क्यों प्रभावी नहीं?

राज्य के मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार ने जब यह बयान दिया था तब वे महागठबंधन की सरकार में थे। इनकी सरकार को तब उसी राजद का साथ मिला था जिसके शासन को कभी जंगलराज कहा गया था। नीतीश कुमार ने दो बार राजद के समर्थन से सत्ता की कुर्सी थामी थी। पहली बार बिहार में 'महागठबंधन' की सरकार (नवंबर 2015 से जुलाई 2017 तक) और दूसरी बार (अगस्त 2022 से जनवरी 2024 तक) बनी थी। एनकाउंटर वाला बयान अप्रैल 2023 में आया था। यह वह समय था जब उत्तरप्रदेश में अतीक अहमद एवं उसके गैंग के प्रभाव से मुक्त होने का संघर्ष पुलिस प्रशासन के स्तर पर चल रहा था। तब नीतीश कुमार ने सवाल उठाया था कि कोई सरेंडर करना चाहे तो पुलिस उसे गोली कैसे मार सकती है?

उनके अनुसार, अपराधियों को सजा देने का अधिकार सिर्फ कोर्ट को है, पुलिस को नहीं। किसी को भी गोली मार देने का कोई नियम नहीं है और यह कानून सम्मत नहीं है। दोषी करार होने पर सजा का फैसला केवल अदालत करती है, पुलिस नहीं। अपराध नियंत्रण को लेकर बिहार प्रयोगस्थली बन चुका है। अपराध मुक्त समाज बिहार के विकास के लिए कितना जरूरी है, यह 90 के दशक वाले राज्य की वीभत्स तस्वीर से समझा जा सकता है। यह बिहार ही है जिसके बारे में उच्च न्यायालय ने जंगलराज वाली टिप्पणी की थी। अपराध नियंत्रण जरूरी है. यह सुशासन और विकास चुनने वाली जनता की पहली पसंद है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की नीतियां भी अपराध नियंत्रण को ले कर सख्त हुई है। सम्राट चौधरी की इस नीति के पहले भी नीति बनी। और वह नीति थी नीतीश कुमार की जिसका मूल मंत्र था अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस।

अपराधियों के बढ़े मनोबल के चलते कई बार काफी हृदय विदारक तो कभी विचलित करने वाली तस्वीरें सामने आईं। ऐस में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सामने नीतीश मॉडल और योगी मॉडल था। पर सम्राट चौधरी ने लीक से हटकर खुद के मॉडल सम्राट मॉडल पर भरोसा किया। इस मॉडल में अपराधियों के लिए बिहार में कोई जगह नहीं थी। इस मॉडल में सिर्फ इतना भर विशेष था कि एनकाउंटर को प्रमुखता से अपराध नियंत्रण का मजबूत हिस्सा बनाया गया। जहां गोली का जवाब गोली एक मजबूत सलाह थी और पुलिस प्रशासन को किसी भी तरह के दवाब से मुक्त, या कह सकते हैं खुली छूट दी। आक्रामक भाषा के रथ पर सवार होते यह भी कह डाला कि अपराधियों का गया में पिंड दान कर दें। पर ऐसा नहीं कि आर्म्स एक्ट के तहत अपराधियों पर कार्रवाई नहीं हो!

न ही अपराधियों का स्पीडी ट्रायल कर जेल भेजने की प्रक्रिया का पालन न हो, ऐसा भी नहीं।

राममंदिर चढ़ावा चोरी की रिपोर्ट एसआईटी ने सरकार को सौंपी

20 पेज की रिपोर्ट में एफआईआर और ट्रस्ट को दोबारा गठित करने की सिफारिश

अयोध्या, 23 जून (एजेंसियां)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी ने मंगलवार को अपनी जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी। सूत्रों के मुताबिक, इसमें एफआईआर दर्ज करने और ट्रस्ट को दोबारा गठित करने की सिफारिश की गई है। किसी सीनियर अफसर को मंदिर का सीईओ नियुक्त करने का भी सुझाव है। डिटेल जांच के लिए एसआईटी ने और समय मांगा है। रिपोर्ट गृह विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी संजय प्रसाद को रिपोर्ट सौंपी गई है। टीम ने बताया कि 20 पन्नों की यह शुरुआती रिपोर्ट है। इसमें 150 लोगों से पूछताछ की डिटेल है। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी ने पिछले 5 साल के चढ़ावे का ऑडिट कराने की भी सिफारिश की है। चढ़ावे में अनियमितता रोकने के लिए सुझाव दिए हैं। ट्रस्ट के पदाधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं।

पीएम मोदी के पैर छुए तो उन्होंने हाथों को सिर पर रखकर किया प्रणाम

पद्मश्री अवॉर्ड पाने वाली मंगला कपूर कौन हैं

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। काशी की लता के नाम से मशहूर मंगला कपूर को मंगलवार को पद्मश्री से नवाजा गया है। साहस, हिम्मत और संगीत से अपने जीवन को बदलने वाली शक्ति का मंगला कपूर एक बेहतरीन उदाहरण है। भारतीय शास्त्रीय संगीत की जानी-मानी गायिका और बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू) की पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर मंगला कपूर को मंगलवार को साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्मश्री से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके उस सफर की कामयाबी है जो असाधारण संघर्ष और अटूट संकल्प से भरा रहा है। इससे पहले उन्होंने सोमवार को पद्मश्री अवॉर्ड पर कहा था कि इस मुकाम तक पहुंचना मेरे लिए बड़ी उपलब्धि है। दरअसल, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मंगलवार को टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी विजय अमृतराज, अभिनेता ममूटी, पार्श्व गायिका अलका याग्निक, क्रिकेटर रोहित शर्मा समेत 65 हस्तियों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया है। राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित होने वाले इस समारोह में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस केटी थॉमस और मशहूर मलयालम पत्रकार पी नारायणन को पद्मविभूषण से सम्मानित किया गया। विजय अमृतराज, अभिनेता ममूटी, पार्श्व गायिका अलका याग्निक समेत सात हस्तियों को पद्मभूषण दिया गया।

पीएम मोदी के पैर छुए तो उन्होंने सिर पर हाथ रखकर किया प्रणाम जब प्रोफेसर मंगला कपूर का नाम पद्मश्री अवॉर्ड के लिए बुलाया गया तो वह आईं और उन्होंने वहां मौजूद सभी को प्रणाम करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पैर छुए। इस पर पीएम मोदी ने उनके दोनों हाथों को अपने सिर पर रख लिया और मंगला कपूर को प्रणाम किया। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगला कपूर को पद्मश्री सम्मान से नवाजा।

इससे पहले न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित प्रोफेसर मंगला कपूर ने कहा था-'जब मुझे पता चला कि पद्म पुरस्कार के लिए मेरा नाम आगे बढ़ाया गया है, तो मुझे यकीन नहीं हुआ। लेकिन जब इसकी पुष्टि हुई, तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मुझ जैसी महिला को इतना बड़ा पुरस्कार मिलेगा। इस मुकाम तक पहुंचना मेरे लिए एक बड़ी उपलब्धि है...'

दिल्ली में 23 जून को पद्म श्री अवॉर्ड मिलने पर भारतीय शास्त्रीय गायिका प्रोफ़ेसर मंगला कपूर कहती हैं, 'मैं अपनी खुशी के बारे में क्या कहूं? आप समझ सकते हैं कि मेरे जैसी महिला के लिए पद्म श्री तक पहुंचना कितना मुश्किल रहा होगा, कितनी कठिनाइयां आई होंगी।

घर में चोरी के बाद तेज प्रताप का बड़ा कदम

पार्टी संगठन को किया भंग

पटना, 23 जून (एजेंसियां)। जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) सुप्रीमो तेज प्रताप यादव ने घर में चोरी के बाद बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने मोतीलाल राय को महासचिव पद से निष्कासित कर दिया है। इसके अलावा पार्टी के राष्ट्रीय और प्रदेश संगठन को भंग कर दिया है।

तेज प्रताप यादव की ओर से जानकारी दी गई है कि शीघ्र ही नए सिरे से पार्टी के राष्ट्रीय और प्रदेश संगठन का गठन किया जाएगा। लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप का कहना कहना कि सोमवार की देर रात 42 ए होर्डिंग रोड से मोतीलाल राय ने उनके घर से कई कीमती समान, महत्वपूर्ण कागजात और नगद पैसा लेकर दीवार फांद कर फरार हो गया, जिसके कारण इन्हें पार्टी के महासचिव पद से निष्कासित कर दिया गया है।

चोरी के बाद घर की चाहरदीवारी फांद कर फरार हुआ

तेजप्रताप यादव ने आरोप लगाया है कि 22 जून को उनके घर की आलमारी से पार्टी फंड के लिए रखे गए 20 लाख रुपये की राशि चोरी हो गई।

इसके साथ ही 2 तोला सोने की चेन, एक सोने की अंगूठी, सोनी की चार पेन ड्राइव, 2 हार्ड डिस्क, एक आईपैड, एक मैकबुक लैपटॉप, एक लेनेवो का लैपटॉप और चार आईफोन प्रो मैक्स मोबाइल फोन चोरी हुई है।

तेज प्रताप ने आरोप लगाया कि 22 जून की रात उनके ड्राइवर अनिल यादव और उनके साथ रहने वाले विशाल ने मोतीलाल को एक बैग लेकर आवास की चाहरदीवारी से बाहर फांदते हुए देखा । घर की तलाशी ली गई तो पता चला की कई बेशकीमती चीजें गायब हैं।

तेजप्रताप यादव का आरोप है कि उनका निजी सहायक मोतीलाल राय जो वैशाली जिले के मनियारपुर का रहने वाला है वो रात में सामानों से भरा बैग लेकर फरार हो गया। तेज प्रताप यादव सुर्खियों में हमेशा रहते हैं।

कभी उनकी निजी जिंदगी वजह से तो कभी उनके साथ रहने वालों की दगेबाजी की वजह से। सवाल ये उठ रहा है कि तेज प्रताप के भरोसेमंद मोतीलाल की चोरी का मकसद चोरी था या ये कांड किसी राजनीतिक साजिश का बड़ा हिस्सा है।

मॉब लिंचिंग और पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन

नालंदा, 23 जून (एजेंसियां)। राजगीर मॉब लींचिंग और नगरनौसा डिग्री कॉलेज विवाद को लेकर पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ जिला मुख्यालय बिहारशरीफ में जबरदस्त जनाक्रोश देखा गया। इन दोनों मामलों को लेकर 'दलित अति पिछड़ा न्याय मार्च' का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों लोगों ने न्याय की आवाज बुलंद की। इस विरोध प्रदर्शन और मार्च में पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव विशेष रूप से शामिल हुए। सरकार और जिला प्रशासन पर जमकर हमला बोला।

न्याय मार्च शहर के श्रम कल्याण केंद्र के मैदान से निकलकर जिला समाहरणालय पहुंचा, जहां आक्रोशित प्रदर्शनकारियों ने जिला पदाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को अपनी मांगों का एक ज्ञापन सौंपा।

खान सर के कोचिंग में न इमरजेंसी एग्जिट, न फायर अलार्म

अग्निशमन की जांच में फिर मिली खामियां, अब लगेगा ताला?

पटना, 23 जून (एजेंसियां)। लखनऊ के अलीगंज के एनिमेशन संस्थान में लगी आग में 15 लोगों की मौत हो गई। बिल्डिंग से बाहर निकलने का सही रास्ता न होने के कारण धुएं से दम घुटने से लोगों की मौत हुई। लखनऊ में हुए अग्निकांड के बाद पटना में भी एक्शन देखने को मिला। पटना में फायर सेफ्टी विभाग की टीम ने मशहूर कोचिंग टीचर खान सर के 'खान ग्लोबल स्टडीज कोचिंग' की जांच की। ये जांच अग्निशमन के डीआईजी के नेतृत्व में की गई। जांच के दौरान बोरिंग रोड स्थित खान कोचिंग में कई कमियां पाई गईं।

जांच के दौरान फैजल खान उर्फ खान सर के 'खान ग्लोबल स्टडीज' कोचिंग में इमरजेंसी एग्जिट, फायर अलार्म सिस्टम की कमी पाई गई। इसके बाद अग्निशमन विभाग ने खान कोचिंग को नोटिस जारी कर दिया। नोटिस में खान सर की कोचिंग को फायर सेफ्टी सिस्टम को ठीक करने और इमरजेंसी एग्जिट की व्यवस्था करने के लिए 10 दिन का समय दिया गया है।

नोटिस में कहा गया है कि 10 दिन के बाद कोचिंग की फिर से जांच की जाएगी। उस समय कर फायर सेफ्टी से जुड़े जरूरी बंदोबस्त नहीं मिले तो कोचिंग को सील कर दिया जाएगा। बता दें, जून महीने की शुरुआत में भी रौशन आनंद और खान सर के बीच हुए विवाद के बाद खान कोचिंग की फायर सेफ्टी टीम ने जांच की थी। जांच के दौरान उस समय भी खामियां पाई गई थीं।

खान सर की कोचिं में हुई जांच को लेकर अग्निशमन विभाग के पदाधिकारी इंद्रजीत कुमार ने बताया कि खान सर की कोचिंग संस्थान में फायर सेफ्टी को लेकर कुछ काम जरूर हुआ है, लेकिन अभी काफी चीजें हैं, जिनकी कोचिंग में व्यवस्था करनी होगी। उन्होंने बताया कि खान कोचिंग में अभी ऑटोमैटिक स्प्रिंकलर और फायर डिटेक्टर सिस्टम नहीं बनाए गए हैं। आग बुझाने के लिए पंप हाउस की व्यवस्था की गई है, लेकिन विभाग के मानकों मुताबिक ये चीज पर्याप्त नहीं है।

भरत तिवारी एनकाउंटर में बैकफुट पर सरकार

एसडीपीओ-एसएचओ और पुलिसकर्मियों पर 7वें दिन हत्या की एफआईआर, मां ने कहा था- बेटे को घेर कर गोली मारी

आरा,भोजपुर, 23 जून (एजेंसियां)। भोजपुर के भरत भूषण तिवारी के एनकाउंटर के 7वें दिन बड़ी कार्रवाई हुई है। भरत की मां के आवेदन पर एसडीपीओ-एसएचओ और अन्य पुलिसकर्मियों पर हत्या की एफआईआर की गई है।

भरत तिवारी की मां ने जगदीशपुर एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा और तत्कालीन थानाध्यक्ष राजेश कुमार मालाकार समेत अन्य पुलिसकर्मियों पर सरेंडर करने के बाद गोली मारकर हत्या करने का आरोप लगाया था।

17 जून को भोजपुर पुलिस ने भरत को उस वक्त गोली मारी थी, जब उसने फेसबुक लाइव आकर सरेंडर कर दिया था। यह इस केस में अब तक चौथी एफआईआर है। अब तक सम्राट सरकार पुलिसवालों पर हत्या की एफआईआर करने से बच रही थी।

भरत तिवारी एनकाउंटर: संजय झा से लेकर अश्विनी चौबे तक के सुलगते बयान

अपने ही गठबंधन में घिरे सीएम सम्राट

पटना, 23 जून (एजेंसियां)। कहते हैं कि राजनीति में बहुत कुछ परिस्थितियों पर निर्भर करता है। कल तक एनडीए के जो कद्दावर नेता बिहार में एनकाउंटर को सही बता रहे थे, सीएम सम्राट चौधरी की तारीफें कर रहे थे। अब वही नेता उनसे कन्नी काट रहे हैं। भरत तिवारी एनकाउंटर ने सीएम सम्राट चौधरी के लिए अपनी ही पार्टी में मुश्किल खड़ी कर दी है। सारे नेता अब एक सुर में इस एनकाउंटर को गलत बता रहे हैं।

अश्विनी चौबे ने दिया तीखा बयान पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर विवाद पर तल्ख टिप्पणी करते हुए घटना की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग की।

उन्होंने इसे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण, दर्दनाक और हृदय विदारक बताते हुए कहा कि भरत भूषण तिवारी एक निर्दोष व्यक्ति थे, जिन्होंने अपना जीवन गरीबों, अति पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जातियों, भू-विस्थापितों और बाढ़ पीड़ितों के अधिकारों की लड़ाई में समर्पित कर दिया था।

चौबे ने कहा कि तिवारी पर कभी कोई गंभीर आपराधिक मामला दर्ज नहीं हुआ था। तिवारी समाज के कमजोर वर्गों की आवाज उठाते थे और इसी संघर्ष के दौरान उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी। चौबे ने कहा कि भरत तिवारी गरीबों के हक की लड़ाई लड़ रहे थे। बाढ़ पीड़ितों, भूमिहीनों और वंचित वर्गों के लिए संघर्ष करते-करते उन्होंने अपनी जान दे दी।

अश्विनी कुमार चौबे ने आरोप लगाया कि पुलिस का व्यवहार ऐसा था मानो तिवारी कोई बड़ा अपराधी, नक्सली, उग्रवादी या डकैत हों। उन्होंने कहा कि तिवारी के घर बार-बार पुलिस बल भेजा जाता था, जिससे उन पर और उनके परिवार पर मानसिक दबाव बढ़ रहा था। उनके पिता पुलिस विभाग में हवलदार रहे थे और सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त हुए थे। इसके बावजूद जिस तरह पुलिस का काफिला उनके घर पहुंचता था, उससे परिवार परेशान और विचलित हो जाता था।

घटना वाले दिन भरत तिवारी घर से निकलकर एक गरीब बस्ती में चापाकल लगवाने के काम से गए थे। भरत तिवारी ने आत्मसमर्पण कर दिया था, लेकिन इसके बावजूद उनकी नृशंस हत्या कर दी गई।

इससे पहले जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद संजय झा ने भी भरत तिवारी एनकाउंटर पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि 'भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में जो वीडियो सामने आया है, वह निश्चित रूप से संदेह पैदा करता है।

राज्य सरकार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार पुलिसकर्मियों को निलंबित किया है, लेकिन वह काफी नहीं है।

सीनियर पदाधिकारी द्वारा इस मामले की समयबद्ध जांच करवा कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

दोस्त को शराब पिलाकर ईंट से कूच डाला

आर्मी ग्राउंड में खून से सनी लाश मिली घरवाले बोले- तालिब का एनकाउंटर हो

मेरठ, 23 जून (एजेंसियां)। मेरठ में दोस्त ने शराब पिलाकर युवक की हत्या कर दी। सोमवार सुबह आर्मी ग्राउंड में खून से लथपथ युवक का शव पड़ा मिला। पुलिस की जांच में सामने आया कि विपिन की हत्या उसके दोस्त तालिब ने पुरानी रंजिश के चलते की। दोनों ने रविवार रात साथ बैठकर शराब पी, जिसके बाद तालिब ने ईंट से कूच कर विपिन को मार डाला। तालिब विपिन के शव के पास ही उसकी बाइक छोड़कर भाग गया। विपिन के परिवार वालों के साथ हिंदू संगठन के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचकर प्रदर्शन करने लगे।

सभी तालिब के घर बुलडोजर एक्शन और उसके एनकाउंटर की मांग करने लगे। पुलिस अफसरों ने किसी तरह समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। घटना कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र की है।

नीतीश कुमार की जेडीयू में सिर्फ एक ही बॉस रहेगा

निशांत को फ्रंट पर लाने का मकसद क्या है?

पटना, 23 जून (एजेंसियां)। गुटबाजी के शिकार हो चली जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) की राजनीति में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार एक उम्मीद बन कर उभरे हैं, इससे इनकार तो नहीं किया जा सकता। पिछले कुछ दिनों की ही बात करें तो नीतीश कुमार का विकल्प कौन पूछे जाने पर जदयू के भीतर से ही कोई पुख्ता आवाज नहीं आती दिखती थी। यह तो बीजेपी के बढ़ते दबदबे का कमाल कहें कि उसकी राजनीति को नियंत्रित करने या नीतीश कुमार की गंगा जमुनी संस्कृति को धार देने के लिए बहुत ही मेहनत के बाद निशांत कुमार का आगमन काफी किन्तु परंतु के बाद हुआ। यूं ही नहीं निशांत कुमार जदयू के भविष्य के रूप में प्रोजेक्ट किए जाने लगे। चलिए जानते हैं ऐसे कौन कौन से कारण है।

जदयू के भविष्य के रूप में निशांत कुमार को प्रोजेक्ट किया जाना एक राजनीतिक जरूरत और राजनीतिक मजबूरी भी है। अगर निशांत कुमार को राजनीति के प्रति थोड़ी भी रुचि होती तो वे स्वतः जदयू के विकल्प के रूप में चित्रित किए जाते। पर अध्यात्म से नजदीकी और राजनीति से दूरी के कारण निशांत कुमार को समझाना पड़ा। जदयू सूत्रों के अनुसार निशांत कुमार का राजनीति में आने के पीछे का सबसे बड़ा कारण रहा कि विकास की वह ऊंचाई बिहार ने प्राप्त नहीं की, जिस ऊंचाई पर नीतीश ले जाना चाहते थे। पांच साल की सत्ता से विमुख होने के बाद खुद नीतीश कुमार ने भी कहा कि अगले पांच सालों में बिहार विकसित राज्य बन जाएगा। जब निशांत कुमार ने राजनीति में हाथ पांव मारना शुरू कर दिया था, तब उनके बोल भी यही थे कि पिता जी के अधूरे काम को पूरा करना है।

मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार ने जब बतौर राज्यसभा सदस्य दिल्ली का रुख किया तो जदयू के भीतर गुटबाजी चरम पर थी।

गिट्टी-बालू कारोबारी की हत्या

अपराधियों ने सिर में मारी गोली, परिजनों का हंगामा-आगजनी, आरोपी को फांसी की सजा दी जाए

समस्तीपुर, 23 जून (एजेंसियां)। समस्तीपुर में अपराधियों ने गिट्टी-बालू कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी। सिर में गोली लगते ही कारोबारी जमीन पर गिर गए। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक हमलावर फरार हो गए।

घायल कारोबारी को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान कर्पूरीग्राम थाना क्षेत्र निवासी धीरेंद्र प्रसाद सिंह के बेटे सोनू सिंह (30) के रूप में हुई है।

सोनू की हत्या के विरोध में मंगलवार को आक्रोशित लोगों ने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने सड़क पर आगजनी भी की, जिससे दोनों लेन पर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

घटना की सूचना मिलते ही कर्पूरीग्राम, ताजपुर और मुफस्सिल थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान पुलिस को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। काफी मशक्कत के बाद तीन घंटे बाद सड़क जाम हटाया जा सका। प्रदर्शन कर रहे लोग हत्या के आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और उन्हें फांसी की सजा दिलाने की मांग कर रहे थे। पुलिस और प्रशासन की ओर से उचित कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम समाप्त किया। करीब तीन घंटे बाद यातायात सामान्य हो सका। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व लोजपा (रामविलास) के जिलाध्यक्ष अनुपम सिंह उर्फ हीरा सिंह कर रहे थे। मृतक सोनू सिंह सोमवार शाम अपने कुछ दोस्तों के साथ ताश खेल रहे थे। इसी दौरान अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी। आनन-फानन में परिजन सदर अस्पताल लेकर गए। जहां डॉक्टरों ने उनकी नाजुक हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया।

इसके बाद परिजन एक निजी नर्सिंग होम ले गए, लेकिन वहां से उन्हें पटना रेफर कर दिया।

लखनऊ अग्निकांड की बिल्डिंग ढहाई जाएगी

यूपी के कोचिंग सेंटर्स में छापेमारी, 46 सील, बेटी का शव देखकर मां बेहोश

लखनऊ, 23 जून (एजेंसियां)। लखनऊ की 2 मंजिला इमारत में आग लगने की घटना में अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है। मंगलवार सुबह 11 बजे हादसे की जांच के लिए एसआईटी और फोरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने इमारत की जांच की। एसआईटी में आईपीएस प्रवीण कुमार और आईएएस अमृत अभिजात शामिल हैं।

शवों का 7 घंटे तक पोस्टमॉर्टम चला। शव घरवालों को सौंप दिए गए। पश्चिम बंगाल की अनामिका (30) का शव देखकर पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंची मां बेहोश हो गईं। जांच में पता चला है कि जिस इमारत में आग लगी, वह अवैध थी। 2016 में गिराने का आदेश हुआ था। बाद में आदेश निरस्त कर दिया गया था। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया- बिल्डिंग मालिक को नोटिस जारी कर 15 दिन में जवाब मांगा गया है। बिल्डिंग पर बुलडोजर चलेगा।

बिल्डिंग रामेश्वरम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट कॉलेज के मालिक वीरेंद्र शुक्ला की है। पुलिस ने गैर-इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर वीरेंद्र समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एलडीए के 6 अफसर सस्पेंड कर दिए गए हैं। 14 अफसरों पर भी कार्रवाई हो सकती है। इधर, अग्निकांड के बाद प्रदेश में कोचिंग-होटलों में पुलिस छापेमारी कर रही है। अब तक 46 कोचिंग और 3 होटल सील कर दिए गए हैं। इनमें फायर सेफ्टी के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे।

इमारत में क्या-क्या होता था?

जिस इमारत में आग लगी थी, वह अलीगंज इलाके में है। बेसमेंट, ग्राउंड और पहले फ्लोर पर पेट शॉप और क्लीनिक है। दूसरे फ्लोर पर लर्निंग स्पेस नाम की लाइब्रेरी (कोचिंग) और हेड हॉपर स्टूडियो है, जिसमें 3डी आर्ट प्रोडक्शन और गेम एसेट आउटसोर्सिंग का काम होता है।

वेतन आयोग से मांग, जब प्रति व्यक्ति आय बढ़ी तो न्यूनतम वेतन भी बढ़ाकर 69 हजार रुपये किया जाए

लखनऊ, 23 जून (एजेंसियां)। न्यूनतम बेसिक वेतन 18 हजार रुपये ने बढ़ाकर 69 हजार रुपये किया जाए। ऐसा इसलिए क्योंकि सातवें वेतन आयोग के लागू होने के समय देश की प्रति व्यक्ति आय 92,294 रुपये थी, जो अब बढ़कर लगभग 2.20 लाख रुपये हो चुकी है और ऐसे में वेतन और पेंशन का पुनरीक्षण भी इसी अनुपात में किया जाना चाहिए। लखनऊ में आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के सदस्यों से मुलाकात के दौरान विभिन्न कर्मचारी संगठनों और पेंशनर संगठनों ने की।

केंद्रीय वेतन आयोग के सदस्य पंकज जैन की अध्यक्षता में आठ सदस्यीय दल ने अधिकारियों, कर्मचारियों और पेंशनरों के संगठनों से सुझाव लिए। अपर मुख्य सचिव (वित्त) दीपक कुमार ने उत्तर प्रदेश की वित्तीय स्थिति और पिछले 10 सालों में आय-व्यय से जुड़ा ब्यौरा पेश किया। बैठक में आयोग के समक्ष आईएएस, आईपीएस और आईएफएस एसोसिएशनों सहित कई कर्मचारी संगठनों ने अपनी मांगें रखीं। उत्तर प्रदेश की ऑल इंडिया स्टेट पेंशनर्स फेडरेशन की इकाई के चेयरमैन प्रमोद कुमार वर्मा ने आयोग से कहा कि, प्रति व्यक्ति आय में हुई बढ़ोतरी के अनुरूप ही वेतन पुनरीक्षण होना चाहिए। उन्होंने 3.15 फिटमेंट फैक्टर का सुझाव भी दिया। पेंशनर संगठनों ने 65 साल की उम्र पूरी होने पर पांच प्रतिशत, 70 साल की उम्र होने पर 10 प्रतिशत और 75 साल की आयु पूरी होने पर 15 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन देने की मांग रखी।

एक मोबाइल नंबर से खुला 3000 करोड़ रुपये का फर्जीवाड़ा

> पंजाब के सगे भाइयों ने 27 कागजी कंपनियां बनाईं > फर्जी बिल बनाकर टैक्स लाभ भी लिया

लुधियाना, 23 जून (एजेंसियां)। पंजाब के मंडी गोबिंदगढ़ के दो भाइयों ने ऐसा फर्जी कारोबार खड़ा किया, जिसमें न कोई माल खरीदा गया, न बेचा गया, फिर भी कागजों पर हजारों करोड़ रुपए का टर्नओवर दिखा दिया गया। आरोप है कि दोनों भाइयों ने गरीब और जरूरतमंद लोगों के आधार, पैन और वोटर आईडी जुटाकर 27 फर्जी कंपनियां बनाईं।

(फाइल फोटो)

इन कंपनियों के जरिए 720 करोड़ रुपए के फर्जी बिल काटे गए, सरकार से 108 करोड़ रुपए का फर्जी टैक्स लाभ लिया गया और आखिरकार 25 बैंक खातों से 3089 करोड़ रुपए नकद निकाल लिए गए। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस पूरे खेल का भंडाफोड़ किसी मुखबिर ने नहीं, बल्कि अलग-अलग कंपनियों में इस्तेमाल हो रहे एक ही मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी ने किया। घोटाले का यह खेल 2018 में शुरु हुआ और 2024 तक चलता रहा। बैंक अफसरों ने 2024 में गड़बड़ी की जानकारी डीजीजीआई को दी। 9 अक्टूबर 2024 को डीडीजीआई ने रेड की और घोटाले के मास्टरमाइंड दोनों भाइयों को गिरफ्तार किया। 9 महीने जेल में रहने के बाद उनकी जमानत हो गई। इसके बाद ईडी ने इसकी जांच शुरू की और पूरे सबूत जुटाने के बाद 19 जून 2026 को लुधियाना पुलिस कमिश्नर को शिकायत दी। पुलिस कमिश्नर के आदेश पर उसी दिन 5 आरोपियों अमित गोयल, मनीष कुमार, गौरव अग्रवाल, गुरदीप सिंह, बलवंत सिंह व कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ थाना जमालपुर में एफआईआर दर्ज की।

अध्याय-1: गरीबों के दस्तावेजों से खड़ी हुई 27 कंपनियां

ईडी ने पुलिस को दी शिकायत में पूरी जानकारी दी है कि दोनों भाई किस तरीके से फर्जी कंपनियां बना रहे थे। उन्होंने बताया कि अमित गोयल और मनीष कुमार ने आर्थिक रूप से कमजोर और गरीब लोगों को निशाना बनाया। मामूली पैसों का लालच देकर या नौकरी लगाने के नाम पर उनके पैन कार्ड, आधार कार्ड और वोटर आईडी जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज (केवाईसी) हासिल कर लिए। इन्हीं दस्तावेजों पर उन्होंने 25 कंपनियां रजिस्टर्ड करवा लीं। जबकि, दो कंपनियां अमित गोयल ने अपने पैन पर बनाईं। आरोपियों ने यह खेल 2018 में शुरू किया।

अध्याय-2: बिना माल बेचे 720 करोड़ के बिल

कागजों पर खड़ी की गईं इन 27 शेल कंपनियों के जरिए देश की कई अन्य बड़ी लाभार्थी कंपनियों को फर्जी इनवॉइस यानी बिना माल की डिलीवरी के सिर्फ बिल जारी किए गए। इन बिलों की कुल कीमत 720.97 करोड़ रुपये तक पहुंच गई थी। शिकायत के अनुसार, बिना माल खरीदे जो फर्जी बिल लाभार्थी कंपनियों को दिए गए थे, उनके आधार पर उन कंपनियों ने सरकार से 108.49 करोड़ रुपए का फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) क्लेम कर लिया। जो टैक्स सरकारी खजाने में जाना चाहिए था, वह इन कंपनियों ने आपस में बांट लिया।

अध्याय 3: पैसा कैसे घूमता था

अध्याय 4: आखिर मोबाइल नंबर ने कैसे फंसा दिया?

आरोपी बैंकों में करोड़ों रुपए का लेनदेन करने लगे तो बैंककर्मियों को इस पर शक होने लगा। मामला उच्च अधिकारियों तक पहुंचा तो उन्होंने उन खातों को मॉनिटर करना शुरू किया।

बैंकों ने जब खातों को मॉनिटर किया और उनका रिकार्ड देखा तो पता चला कि इन सभी खातों में एक ही मोबाइल नंबर और एक ही ईमेल आईडी रजिस्टर थी। बैंक अधिकारियों को इस वित्तीय लेन-देन पर शक हुआ और उन्होंने डीजीजीआई को इसकी सूचना दी। डीजीजीआई ने जब मामले की पड़ताल की तो लेन-देन करने वाली कंपनियां फर्जी निकली और डीजीजीआई ने दोनों भाइयों को गिरफ्तार कर लिया। डीजीजीआई लुधियाना जोनल यूनिट ने जब कागजों में दर्ज कंपनियों के पतों पर छापेमारी की, तो वहां जमीन पर कोई गोदाम या ऑफिस नहीं मिला। कंपनियां सिर्फ फाइलों में चल रही थीं।

बीजिंग के साथ रिश्ते मजबूत करने की कवायद

चीन में भारत के राजदूत दोराईस्वामी ने आर्मी चीफ से की मुलाकात

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। चीन में भारत के राजदूत विक्रम दोराईस्वामी ने मंगलवार को भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से मुलाकात की और बदलते क्षेत्रीय एवं वैश्विक रणनीतिक परिदृश्य पर चर्चा की। दोनों ने भारत-चीन के बीच द्विपक्षीय सहयोग और संवाद के मौजूदा ढांचों को और मजबूत करने पर भी चर्चा की। भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा, 'चीन गणराज्य में भारत के राजदूत विक्रम के. दोराईस्वामी ने सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से मुलाकात की। चर्चा का केंद्र बदलता हुआ क्षेत्रीय और वैश्विक रणनीतिक परिदृश्य रहा।'

सेना ने आगे कहा, 'दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय सहभागिता की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की और सहयोग तथा संवाद के मौजूदा तंत्रों को और सुदृढ़ करने के उपायों पर विचार किया।' दोराईस्वामी की सेना प्रमुख से मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब सोमवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक के दौरान चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों में हालिया घटनाक्रमों की समीक्षा की और संबंधों में सामान्यीकरण की दिशा में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर लिखा, 'राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने 22 जून 2026 को नई दिल्ली में ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक के दौरान चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य एवं विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की।' मंत्रालय ने आगे कहा, 'दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों में हालिया प्रगति की समीक्षा की और संबंधों के धीरे-धीरे सामान्य होने की दिशा में हुई प्रगति पर चर्चा की। एनएसए ने रेखांकित किया कि स्थिर और रचनात्मक द्विपक्षीय संबंध दोनों देशों के बीच विश्वास और बेहतर समझ विकसित करने में सहायक होते हैं।'

सेना प्रमुख से मिलते चीन में भारत के राजदूत

भीषण गर्मी से जूझ रहा यूरोप : फ्रांस में दो बच्चों समेत 18 की मौत, ब्रिटेन ने जारी किया रेड अलर्ट

लंदन/पेरिस, 23 जून (एजेंसियां)। यूरोप के कई हिस्सों में भीषण गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है, जिसके चलते जनजीवन, स्वास्थ्य सेवाएं और बुनियादी ढांचा गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। फ्रांस में दो बच्चों समेत 18 लोगों की मौत हो गई जबकि स्पेन के ठंडे माने जाने वाले इलाके सान सेबेस्टियन में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। ब्रिटेन की यूके हेल्थ सिक्योरिटी एजेंसी ने इंग्लैंड के छह क्षेत्रों वेस्ट मिडलैंड्स, ईस्ट मिडलैंड्स, साउथ ईस्ट, साउथ वेस्ट, लंदन और ईस्ट ऑफ इंग्लैंड में बुधवार सुबह 1 बजे से गुरुवार रात 11 बजे तक रेड हेल्थ वार्निंग जारी की है। यह चेतावनी बताती है कि स्थिति इतनी गंभीर है कि स्वस्थ लोगों के लिए भी जीवन का खतरा* पैदा हो सकता है और इसका असर परिवहन, भोजन, पानी, ऊर्जा आपूर्ति और व्यवसायों पर भी पड़ सकता है। यह ब्रिटेन में जारी की गई दूसरी ऐसी रेड चेतावनी है। इससे पहले जुलाई 2022 में पहली बार यह अलर्ट जारी किया गया था, जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया था।

द गार्डियन ने मौसम विशेषज्ञों के हवाले से बताया कि इस सप्ताह इंग्लैंड और वेल्स में तापमान 38 से 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जिससे 1976 का जून रिकॉर्ड भी टूट सकता है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह स्थिति एक "हीट डोम" के कारण बनी है, जो पश्चिमी यूरोप के ऊपर गर्म हवा को फंसा देती है। जलवायु परिवर्तन इस तरह की चरम मौसम घटनाओं को और अधिक तीव्र बना रहा है। फ्रांस में स्थिति और भी गंभीर है, जहां आधे से अधिक क्षेत्रों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। लगभग 3.9 करोड़ लोग इस चेतावनी के दायरे में हैं। सप्ताहांत से अब तक कम से कम 18 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें दो छोटे बच्चे भी शामिल हैं जिन्हें कार के अंदर बेहोश पाया गया था। फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्नू ने हालात की समीक्षा के लिए आपात बैठक बुलाने का कार्यक्रम तय किया है। देश में 1,350 से अधिक स्कूलों को बंद करना पड़ा है।

बीजेपी नेता के क्लिनिक पर बदमाशों ने फेंका पेट्रोल बम

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। बठिंडा में बीजेपी नेता डॉक्टर तरसेम गर्ग के क्लिनिक पर बदमाशों ने सोमवार देर रात को पेट्रोल बम फेंक दिया। इससे इलाके में दहशत फैल गई।

पेट्रोल पंप फेकने की घटना मुख्यमंत्री भगवंत मान के बठिंडा दौरे से ठीक पहले हुई है। खबरों के मुताबिक, दो नकाबपोश हमलावरों ने इस हमले को अंजाम दिया। हमले के दौरान एक शख्स ने गेट के बाहर खड़े होकर पेट्रोल से भरी बोतल में आग लगाई और जलती हुई बोतल को क्लिनिक परिसर के अंदर फेंक दिया जबकि दूसरे ने इसका वीडियो बनाया। अचानक हुई इस घटना से अफरा-तफरी मच गई और इसी दौरान हमलावर मौके से भाग निकले।

सुप्रीम कोर्ट में दीपम विवाद मामला

तमिलनाडु सरकार ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें राज्य की तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर दीपक जलाने की इजाजत दी गई थी। सी जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार ने 11 जून को सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका दायर की।

सरकारी वकील बी करुणाकरण ने इस याचिका की पुष्टि की है। यह पूरा विवाद पहाड़ी पर स्थित एक पुराने पत्थर के खंभे पर दीप जलाने को लेकर है। मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बेंच ने छह जनवरी को अपने आदेश में कहा था कि कार्तिक दीपम त्योहार के दिन वहां दीप जलाया जाना चाहिए। कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि वह जगह श्री सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर की है। कोर्ट ने यह भी कहा कि इस मामले में वक्फ बोर्ड का कोई कानूनी अधिकार नहीं है।

(गूगल ईमेज)

राज्य सरकार ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए इस आदेश का विरोध किया है। सरकार का कहना है कि पहाड़ी पर दीप जलाने वाली जगह के पास ही एक दरगाह है। वहां दीप जलाने से सांप्रदायिक तनाव बढ़ सकता है और कानून-व्यवस्था बिगड़ सकती है। मंदिर प्रबंधन और दरगाह कमेटी ने भी हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील की थी। हालांकि, हाई कोर्ट ने सरकार की इन चिंताओं को काल्पनिक बताया था। कोर्ट ने कहा था कि सरकार अपनी सुविधा के लिए डर का माहौल बना रही है। कोर्ट के अनुसार, वक्फ बोर्ड का यह दावा भी गलत है कि वह खंभा दरगाह का हिस्सा है। हाई कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि सरकार को समुदायों के बीच की दूरी कम करने का प्रयास करना चाहिए था। यह मामला रामा रविकुमार और अन्य लोगों की याचिका के बाद शुरू हुआ था। उन्होंने हर साल नवंबर-दिसंबर में होने वाले त्योहार के दौरान वहां दीप जलाने की मांग की थी। अब सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर सुनवाई करेगा।

राशन लिस्ट से नाम हटाने का मामला, सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को कलकत्ता हाई कोर्ट जाने को कहा सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक याचिका पर सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता को कलकत्ता हाई कोर्ट जाने का निर्देश दिया है। इस याचिका में दावा किया गया था कि पश्चिम बंगाल में जिन लोगों के नाम मतदाता सूची के विशेष संशोधन (एसआईआर) से बाहर कर दिए गए हैं, उन्हें अब राशन लिस्ट से भी हटाया जा रहा है। जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस जोयमाल्य बागची की बेंच ने इस मामले पर सुनवाई की। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि मतदाता सूची से बाहर होने की वजह से बहुत से लोगों के राशन कार्ड रद्द होने का खतरा है। इससे गरीब लाभार्थियों को भारी परेशानी हो रही है। इस पर बेंच ने कहा कि कलकत्ता हाई कोर्ट पूरी तरह काम कर रहा है, इसलिए याचिकाकर्ता को अपनी शिकायत लेकर वहीं जाना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि राशन कार्ड से जुड़ा मुद्दा एक अलग मामला है। पश्चिम बंगाल के खाद्य और आपूर्ति विभाग ने चार जून को एक आदेश जारी किया था। इस आदेश में अपात्र लाभार्थियों की पहचान करने और उन्हें सार्वजनिक वितरण प्रणाली से हटाने के लिए राज्यव्यापी जांच शुरू करने को कहा गया था।

सड़क पर गड्ढे में गिरने से हुई थी 37 साल के शख्स की मौत

अदालत ने मृतक के परिजनों को दिया 30 लाख देने का आदेश

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। दिल्ली जल बोर्ड की ओर से खोदे गए गड्ढे में गिरने से 37 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। इस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने उसके परिवार को 30 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। अदालत ने साथ ही अधिकारियों से ऐसे मामलों में पीड़ितों को तत्काल वित्तीय सहायता सुनिश्चित करने के लिए नीति तैयार करने पर विचार करने को कहा है। जस्टिस पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने कहा कि परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य की मृत्यु से परिवार अत्यंत असुरक्षित स्थिति में पहुंच जाता है और उसके लिए रोजमर्रा का जीवनयापन भी अनिश्चित हो जाता है।

(गूगल ईमेज)

जज ने क्या कहा

जज ने कहा कि ऐसे परिवारों को सार्वजनिक प्राधिकारियों की लापरवाही से हुई घटनाओं में बुनियादी आर्थिक राहत पाने के लिए लंबी और खर्चीली कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। जस्टिस कौरव ने कहा कि वर्तमान मामले में मृतक की पत्नी, मां और तीन बच्चे वर्ष 2019 की घटना के बाद से कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नीति बनाना कार्यपालिका का दायित्व है, लेकिन अदालत इस स्थिति से आंखें नहीं मूंद सकती। अदालत ने कहा कि आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 2023 में सड़क निर्माण या मरम्मत कार्यों के दौरान हुए सड़क हादसों में 8,246 लोग घायल हुए और 3,904 लोगों की मौत हुई। न्यायाधीश ने कहा कि ऐसे हादसे अप्रत्याशित नहीं होते, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही और सार्वजनिक अवसंरचना कार्यों में अनिवार्य सुरक्षा उपायों को लागू करने में विफलता का परिणाम होते हैं।

'ऐसे मामलों में शीघ्र मुआवजा प्रदान करें'

अदालत ने मृतक के परिजनों की याचिका पर 29 मई को दिए अपने फैसले में कहा कि ऐसे मामलों में शीघ्र मुआवजा प्रदान करने के लिए एक सुव्यवस्थित और प्रभावी नीतिगत ढांचा पीड़ितों और उनके परिवारों को बिना मुकदमेबाजी के तत्काल सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इससे प्रभावित परिवारों की कठिनाइयां कम होंगी और सार्वजनिक अवसंरचना और सुरक्षा मानकों के लिए जिम्मेदार प्राधिकरणों की जवाबदेही भी बढ़ेगी। अदालत ने कहा कि इसलिए संबंधित अधिकारियों से इस संबंध में उपयुक्त नीति बनाने की व्यवहार्यता पर विचार करने का आग्रह किया जाता है, ताकि पात्र मामलों में समयबद्ध, मानवीय और प्रभावी ढंग से मुआवजे का वितरण सुनिश्चित किया।

विलास घुले हत्याकांड पर भड़के ग्रामीण, चार दिन बाद भी गिरफ्तारी नहीं

मुंबई, 23 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बीड जिले में विलास घुले हत्याकांड को लेकर लोगों का गुस्सा अब सड़कों पर उतर आया है। हत्या के चार दिन बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने मंगलवार को बड़ा आंदोलन शुरू कर दिया। टाकली गांव के सैकड़ों लोग सड़कों पर उतर आए और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने साफ कहा कि जब तक सभी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

सड़क जाम कर किया प्रदर्शन

टाकली गांव में मंगलवार को तनावपूर्ण माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने केज बंद की घोषणा करते हुए छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर अंबाजोगाई-अहिल्यानगर महामार्ग को जाम कर दिया। बड़ी संख्या में लोग सड़क पर बैठ गए, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पुलिस चार दिन बाद भी आरोपियों को पकड़ने में नाकाम रही है। इस वजह से गांव और आसपास के इलाकों में लोगों में भारी नाराजगी है।

क्या है विलास घुले हत्याकांड?

विलास घुले हत्याकांड की शुरुआत बीती शनिवार रात एक मामूली विवाद से हुई। जानकारी के अनुसार, केज रोड पर स्थित एक होटल के पास कुछ लोगों के बीच झगड़ा और मारपीट हो रही थी। इसी दौरान टाकली गांव के निवासी विलास घुले विवाद को शांत कराने के लिए मौके पर पहुंचे। आरोप है कि इसी दौरान कुछ लोगों ने उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल विलास घुले की मौत हो गई। घटना के बाद से इलाके में तनाव बना हुआ है।

ग्रामीणों की मुख्य मांग क्या है?

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों और मृतक के परिजनों की मांग है कि मामले में शामिल सभी आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। उनका कहना है कि पुलिस की कार्रवाई बेहद धीमी है और इससे लोगों में असुरक्षा की भावना पैदा हो रही है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

केरल में रफ्तार का कहर : अनियंत्रित ट्रक बस स्टॉप में घुसा, तीन की मौत; कई अन्य घायल

कोच्चि, 23 जून (एजेंसियां)। केरल के कोट्टारक्करा के निकट नीलेश्वरम में मंगलवार सुबह एक तेज रफ्तार टिपर ट्रक भीड़भाड़ वाले बस स्टॉप पर चढ़ गया, जिससे एक स्कूली छात्र समेत तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि वाहन चला रहा चालक भारी वाहन चलाने के लिए वैध लाइसेंस नहीं रखता था। मृतकों की पहचान कुडावत्तूर निवासी हरिलाल (54), कार्मेल स्कूल के कक्षा 10 के छात्र पार्थिप (15) और नीलेश्वरम मुक्कोनिमुक्कु निवासी अजय कुमार (45) के रूप में हुई है।

यह हादसा सुबह करीब 7 बजे हुआ, जब मिट्टी से लदा टिपर ट्रक ढलान से तेज गति से नीचे आते समय चालक के नियंत्रण से बाहर हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक ने पहले एक मोटरसाइकिल को टक्कर मारी और फिर बस स्टॉप में घुस गया, जहां छात्र और अन्य यात्री बस का इंतजार कर रहे थे। बस स्टॉप को तोड़ते हुए ट्रक पलट गया, जिससे वहां मौजूद लोग उसके नीचे दब गए। ट्रक में लदी मिट्टी, बस स्टॉप का मलबा और आसपास की संरचनाओं के टूटे हिस्से भी पीड़ितों पर गिर पड़े। हादसे के बाद आठ लोग ट्रक और मलबे के नीचे फंस गए। स्थानीय लोगों, पुलिस और अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने अर्थमूवर मशीनों की मदद से बचाव अभियान चलाया। हालांकि, तीन लोगों की अस्पताल ले जाने से पहले या इलाज के दौरान मौत हो गई। घायलों में छात्र कुशल (15), ऋषभ बोबन (15), नवनीत (13), जिबी मोल (15) और टिपर चालक निजाम शामिल हैं। सभी का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

भारतीय तटरक्षक बल के बेड़े में बढ़ी ताकत-वाडिनार पहुंचा आईसीजीएस अचल

वाडिनार, 23 जून (एजेंसियां)। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) का नव-नियुक्त तेज गश्ती पोत आईसीजीएस अचल उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में स्थित अपने बेस बंदरगाह वाडिनार पहुंचा है। यह भारतीय तटरक्षक बल की ऑपरेशनल क्षमता में खास बढ़ोतरी का प्रतीक है। इस ऐतिहासिक अवसर पर एक विशेष स्वागत समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय तटरक्षक बल के वरिष्ठ अधिकारियों, जवानों और स्थानीय प्रशासन एवं क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

9 मई को किया गया शामिल

बता दें कि आईसीजीएस अचल को 9 मई को गोवा में भारतीय तटरक्षक बल के बेड़े में औपचारिक रूप से शामिल किया गया। 51 मीटर लंबा यह अत्याधुनिक पोत उन्नत नेविगेशन, संचार और निगरानी प्रणालियों से सुसज्जित है। लंबे समुद्री गश्ती, त्वरित प्रतिक्रिया अभियानों और अलग प्रकार के समुद्री मिशनों के लिए डिजाइन किया गया है। यह पोत गति, सहनशक्ति और परिचालन लचीलेपन का अनूठा संगम है।

इसकी उच्च गति और उन्नत परिचालन क्षमताएं इसे समुद्री सुरक्षा अभियानों के लिए विशेष रूप से उपयुक्त बनाती हैं। भारतीय तटरक्षक बल के अनुसार, उत्तर-पश्चिम क्षेत्र देश की समुद्री सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण क्षेत्र है। गुजरात का विस्तृत समुद्री तट, अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार मार्गों की निकटता तथा समुद्री गतिविधियों की अधिकता इस क्षेत्र को रणनीतिक महत्व प्रदान करती है। ऐसे में आईसीजीएस अचल की वाडिनार में तैनाती समुद्री सुरक्षा ढांचे को नई मजबूती प्रदान करेगी और तटीय निगरानी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाएगी।

क्या है इसका खासियत?

पोत की तैनाती से भारतीय तटरक्षक बल की समुद्र में निरंतर निगरानी क्षमता बढ़ेगी। इसके साथ ही किसी भी आपात स्थिति, सुरक्षा चुनौती या संदिग्ध गतिविधि पर शीघ्र प्रतिक्रिया देना संभव होगा। यह पोत समुद्री सीमाओं की सुरक्षा, अवैध घुसपैठ की रोकथाम, तस्करी विरोधी अभियानों, समुद्री कानूनों के प्रवर्तन तथा राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा में अहम भूमिका निभाएगा। इसके अलावा समुद्र में कार्यरत मछुआरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और संकटग्रस्त नौकाओं को सहायता प्रदान करने में भी यह पोत अहम योगदान देगा।

भारतीय बल को मिलेंगी मजबूती

भारतीय तटरक्षक बल लंबे समय से देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा, खोज एवं बचाव अभियानों, प्रदूषण नियंत्रण तथा मानवीय सहायता कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। आईसीजीएस अचल के बेड़े में शामिल होने से इन अभियानों को और अधिक गति मिलेगी। यह पोत आधुनिक सेंसर और निगरानी उपकरणों की सहायता से समुद्री क्षेत्र में होने वाली गतिविधियों पर प्रभावी नजर रख सकेगा। इसके सात ही जरूरत पड़ने पर तत्काल कार्रवाई कर सकेगा।

विशेषज्ञों का क्या मानना है?

विशेषज्ञों का मानना है कि आईसीजीएस अचल की तैनाती भारत सरकार द्वारा तटीय और समुद्री सुरक्षा को दी जा रही प्राथमिकता का स्पष्ट प्रमाण है। हाल के वर्षों में समुद्री सुरक्षा अवसंरचना को मजबूत करने, तटरक्षक बल के बेड़े का विस्तार करने और निगरानी क्षमताओं को उन्नत बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसी क्रम में यह नया पोत उत्तर-पश्चिम समुद्री क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक आईसीजीएस अचल का वाडिनार में आगमन केवल एक नए पोत की तैनाती नहीं, बल्कि समुद्री सुरक्षा के प्रति भारत की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह पोत देश की समुद्री सीमाओं की रक्षा, तटीय सुरक्षा को मजबूत करने तथा समुद्री क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और सतर्कता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके साथ ही उत्तर-पश्चिम समुद्री क्षेत्र में भारतीय तटरक्षक बल की परिचालन उपस्थिति और प्रतिक्रिया क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को और अधिक मजबूती मिलेगी।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 24 जून - 2026

आखिर कब जागेगा सिस्टम?

दिल्ली के एक होटल और बिहार के मुजफ्फरपुर स्थित अस्पताल और हैदराबाद में भी आग लगने की घटनाओं के बाद ऐसा लगा था कि प्रशासन और उससे संबंधित एजेंसियां सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर होंगी। भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोकने के लिए कुछ ठोस कदम उठाए जाएंगे। लेकिन लखनऊ में एक इमारत में लगी भीषण आग ने एक बार फिर लोगों का दिल दहला दिया है। इस घटना ने साबित कर दिया कि हमारे यहां हादसों से सबक लेने की संस्कृति अभी भी नहीं पनप सकी है। कुछ समय के लिए सक्रियता दिखाई जाती है, जांच समितियां बनती हैं, निर्देश जारी होते हैं, लेकिन अंततः ढाक के वही तीन पात। समय बीतते ही व्यवस्था फिर पुराने ढर्रे पर लौट आती है। लखनऊ की इस तीन मंजिला इमारत में लाइब्रेरी और एनीमेशन सेंटर संचालित हो रहे थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एसी के कंप्रेसर में विस्फोट के बाद आग लगी और देखते ही देखते पूरी इमारत उसकी चपेट में आ गई। कई छात्रों को बाहर निकलने का अवसर तक नहीं मिल सका। यह घटना सुरक्षा मानकों की अनदेखी का गंभीर उदाहरण है। रिपोर्टों से स्पष्ट है कि भवन में आग से बचाव के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। आने-जाने का सीमित रास्ता, निकास की कमी और रिहायशी क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन कई गंभीर सवाल खड़े करता है। यह हादसा दो पुरानी समस्याओं को फिर उजागर करता है, नियमों की अवहेलना और संसाधनों की कमी। अक्सर देखा जाता है कि भवन निर्माण, होटल, अस्पताल, कोचिंग संस्थान और व्यावसायिक प्रतिष्ठान सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन किए बिना संचालित होते रहते हैं। संबंधित विभागों की जांच और निगरानी व्यवस्था पर आखिर तक सवालिया निशान है। यदि यूपी की राजधानी जैसे बड़े शहरों में भी नियमों की अनदेखी हो रही है, तो स्थिति और अधिक चिंताजनक बन जाती है। दूसरी बड़ी समस्या देश में अग्निशमन संसाधनों की कमी है। विभिन्न अध्ययनों और सरकारी रिपोर्टों ने समय-समय पर इस ओर ध्यान आकर्षित किया है। एक अध्ययन के अनुसार देश में आवश्यक संख्या की तुलना में फायर स्टेशनों और प्रशिक्षित फायरकर्मियों की भारी कमी है। 15वें वित्त आयोग ने भी अपनी रिपोर्ट में इस स्थिति पर चिंता जताई थी। तेजी से बढ़ते शहरीकरण और ऊंची इमारतों के दौर में यह कमी और अधिक खतरनाक साबित हो सकती है। शहरों में आबादी और निर्माण गतिविधियां धुआंधार चल रही हैं, लेकिन सुरक्षा ढांचे का विस्तार भगवान भरोसे ही है। केवल भवन बनाना पर्याप्त नहीं है; यह सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है कि उनमें सुरक्षा मानकों का कठोरता से पालन हो। नियमित ऑडिट, फायर सेफ्टी प्रमाणपत्रों की निष्पक्ष जांच, आपातकालीन निकास की व्यवस्था और समय-समय पर मॉक ड्रिल जैसी प्रक्रियाओं को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। हर बड़े हादसे के बाद जांच शुरू हो जाती है और कुछ अधिकारियों पर कार्रवाई भी होती है, लेकिन इससे समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकलता। जरूरत जवाबदेही तय करने की है। जब तक नियमों की अनदेखी करने वालों और निगरानी में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक ऐसे हादसे रुकना मुश्किल है। लखनऊ की घटना एक चेतावनी है कि अब केवल शोक और जांच से काम नहीं चलेगा। सुरक्षा को प्राथमिकता बनाकर व्यवस्था में वास्तविक सुधार करना ही उन लोगों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी जिन्होंने ऐसी दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवाई है।

भारत में 50 फीसदी आबादी साफ पानी को तरस रही

पुनीत उपाध्याय

पानी जीवन की सबसे बुनियादी जरूरत है। इसके बावजूद दुनिया के करोड़ों लोग साफ.सुरक्षित पेयजल से महरूम हैं। दुनिया में आज भी 210 करोड़ लोगों को पीने का सुरक्षित पानी नसीब नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की नई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि दुनिया का हर चौथा व्यक्ति सुरक्षित पेयजल से वंचित है। 10.6 करोड़ लोग सीधे सतही जल स्रोतों पर निर्भर हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए संगठन ने नए दिशा.निर्देश जारी किए हैं जिनमें दूषित पानी का उपचार करने के बजाए पूरी जल आपूर्ति प्रणाली में जोखिमों की पहले से पहचान कर उन्हें रोकने की रणनीति अपनाने की सिफारिश की गई है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि पीने के पानी में बैक्टीरिया, वायरस और अन्य सूक्ष्मजीवों से होने वाला प्रदूषण आज भी स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ा जोखिम बना हुआ है। बदलते वक्त के साथ पानी से फैलने वाले कई नए और खतरनाक वायरस सामने आए हैं जिन्हें लेकर स्वास्थ्य संगठन ने एक विशेष फैक्ट.शीट जारी की है। सरकारों से निगरानी तंत्र मजबूत करने, छोटे जल स्रोतों की नियमित जांच करने और उभरते रासायनिक व जैविक प्रदूषकों पर कड़ी नजर रखने का आह्वान किया गया है।

डब्ल्यूएचओ ने पीने के पानी की गुणवत्ता संबंधी दिशा.निर्देशों का नया और तीसरा अपडेट जारी किया है। इसका उद्देश्य देशों को ऐसे वैज्ञानिक और व्यावहारिक उपाए उपलब्ध कराना है जिनकी मदद से हर व्यक्ति तक सुरक्षित पेयजल पहुंचाया जा सके। डब्ल्यूएचओ के पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी निदेशक डॉक्टर रुडिगर क्रेच ने कहा है कि स्वच्छ पेयजल केवल बेहतर स्वास्थ्य की जरूरत नहीं बल्कि मानव विकास और गरिमापूर्ण जीवन की बुनियाद है। नई गाइडलाइन में पीने के पानी में पाए जाने वाले कुछ रासायनिक प्रदूषकों, विशेष रूप से मच्छर के नियंत्रण में इस्तेमाल होने वाले कीटनाशकों के बारे में भी अपडेटेड जानकारी दी गई है। इससे देशों को पेयजल गुणवत्ता संबंधी नियमों और निगरानी व्यवस्था को और मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

यूनिसेफ के अनुसार जल से होने वाले रोगों के लिए भारत पर प्रति वर्ष लगभग 42 अरब रुपये का आर्थिक बोझ है। भारत में 50 प्रतिशत से भी कम आबादी के पास पीने का सुरक्षित पानी उपलब्ध है। 1.96 करोड़ आवासों में मुख्य रूप से फ्लोराइड और आर्सेनिक के माध्यम से पानी का रासायनिक संदूषण मौजूद है। भारत में अतिरिक्त फ्लोराइड 19 राज्यों में करोड़ों लोगों को प्रभावित कर रहा है जबकि समान रूप से चिंताजनक बात यह है कि अतिरिक्त आर्सेनिक अकेले पश्चिम बंगाल में 1०5 करोड़ लोगों को प्रभावित कर रहा है। इसके अलावा भारत के 718 जिलों के दो.तिहाई हिस्से पानी की अत्यधिक कमी से प्रभावित हैं। वर्तमान में पानी की सुरक्षा और इसके लिए योजना की कमी एक प्रमुख चिंता का विषय है।

प्रेस सूचना ब्यूरो की एक रिलीज के अनुसार भारत सरकार सुरक्षित और पीने योग्य नल जल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार अगस्त 2019 से जल जीवन मिशन (जेजेएम) का कार्यान्वयन कर रही है। मिशन की शुरुआत में केवल 3.23 करोड़ (16.7) प्रतिशत ग्रामीण परिवारों के पास नल का पानी कनेक्शन था। 3 मार्च 2026 तक 12.58 करोड़ से अधिक अतिरिक्त ग्रामीण परिवारों को नल का पानी कनेक्शन प्रदान किया गया है। इस प्रकार 3 मार्च 2026 तकए देश के लगभग 19.36 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से लगभग 15.82 करोड़ (81.71) प्रतिशत परिवारों को नल का पानी उपलब्ध है।

मानसून बिगड़ा तो देश की आर्थिक स्थिति और महंगाई पर असर संभव

अशोक भाटिया

भारतीय रिजर्व बैंक के जून बुलेटिन में प्रकाशित 'स्टेट ऑफ द इकोनॉमी' लेख में कहा गया है कि यदि दक्षिण-पश्चिम मानसून उम्मीद के मुताबिक नहीं रहता, तो इसका असर देश की आर्थिक वृद्धि और महंगाई पर पड़ सकता है. भारत की अर्थव्यवस्था फिलहाल मजबूत स्थिति में है, लेकिन कृषि और ग्रामीण मांग काफी हद तक मानसून पर निर्भर करती है. ऐसे में कमजोर बारिश खाद्य उत्पादन को प्रभावित कर सकती है, जिससे महंगाई बढ़ने और उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति पर असर पड़ने की आशंका पैदा हो सकती है.

लेख में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक माहौल अभी पूरी तरह स्थिर नहीं हुआ है. पश्चिम एशिया में हाल के अंतरिम शांति समझौते से कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार से जुड़ी अनिश्चितताएं अभी भी बनी हुई हैं. रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में आर्थिक जोखिम ऊंचे स्तर पर बने हुए हैं और यदि मौजूदा समझौते कमजोर पड़ते हैं या तनाव फिर बढ़ता है, तो इसका असर वैश्विक बाजारों और निवेश गतिविधियों पर दिखाई दे सकता है. इस समय मानसून का इंतजार कर रहे किसानों के साथ-साथ मानसून की राह देख रहे उत्तर भारत के लोगों के लिए अच्छी खबर नहीं है क्योंकि मानसून अपने समय से लेट हो चुका है। मौसम विभाग के मुताबिक मानसून एक सप्ताह की देरी से आ सकता है। स्काईमेट का दावा है कि उत्तर भारत में मानसून आने में देर हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार इस बार वह कमजोर रहने वाला है, जबकि प्री-मानसून में भी बारिश बहुत कम हुई है। इसके साथ ही आधिकारिक तौर पर चार माह के लिए बारिश के मौसम की शुरुआत होती है। लेकिन इस बार आठ जून को मानसून के केरल तट पहुंचते की संभावना जताई गई थी।

गौरतलब है कि पिछले कुछ सालों से भारतीय मानसून को अल-नीनो ने कमजोर करते आ रहा था। कृषि, भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ होने के कारण मानसून यहां की कृषि और अर्थव्यवस्था, दोनों को समान रूप से प्रभावित करता है। वास्तव में, मानसून के आसपास भारतीय अर्थव्यवस्था घूमती है। मानसून असफल रहता है तो देश के विकास और अर्थव्यवस्था पर विपरित प्रभाव पडेग़ा। दरअसल, एक खराब मानसून न केवल तेजी से बढ़ती उपभोक्ता वस्तुओं की मांग को कमजोर करता है, बल्कि आवश्यक खाद्य वस्तुओं के आयात को भी बढ़ावा देता है, और सरकार को कृषि ऋण छूट जैसे उपाय करने को भी मजबूर करता है। जिससे सरकार पर वित्त का दबाव बढ़ जाता है। वातावरण में आ रहे बदलावों ने बीते कुछ दशकों के दौरान मानसून के मिजाज को बदल डाला है। विशेषज्ञों को लग रहा है कि हमें अपनी खेती में बड़े बदलाव लाने की जरूरत है। उनका मानना है कि अगर जल्द ही हमारी खेती ने मानसून के बदले मिजाज के साथ तालमेल नहीं बिठाया तो एक अरब से ज्यादा आबादी वाले हमारे देश में अभूतपूर्व खाद्यान्न संकट पैदा हो सकता है।

जाहिर है, जिस तरह से सिंचाई भगवान भरोसे है और ग्लोबल वार्मिंग से बारिश का चक्र बदल रहा है। उसका सीधा असर कृषि पर पड़ रहा है। इससे राष्ट्रीय आय में गिरावट के चलते सरकार का राजस्व तेजी से गिरावट आ सकती है। इसलिए कह सकते हैं कि राज्य का राजस्व और आय हर साल मॉनसून पर निर्भर करती है। इन्हीं वजहों से कहा जाता है कि मॉनसून का भारतीय अर्थव्यवस्था से गहरा नाता है। यदि मानसून कमजोर रहा तो देश के सामने कई मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। कृषि उत्पाद पर असर पड़ सकता है। पैदावार पूरी तरह प्रभावित होने से महंगाई का बढ़ना निश्चित है। इतना ही नहीं, अर्थव्यवस्था में प्राण फूंकने की कोशिशों को करारा झटका लग सकता है। वहीं ग्रामीण आमदनी और उपभोक्ता के खर्च के लिए मौसमी बारिश अहम कारक है। देश की दो-तिहाई भाग ग्रामीण क्षेत्रों में है, जहां कृषि ही आय का मुख्य स्रोत है। मानसून को लेकर जो खबरें आ रही हैं, उनसे लग रहा है कि परिस्थितियां डराने वाली होंगी। वास्तव में किसानों के लिए गर्मी के मौसम की बारिश बड़ी अहमियत रखते है क्योंकि देश के केवल 40 फीसद कृषि क्षेत्र के बारे में कहा जा सकता है कि वहां सिंचाई की सुविधाएं हैं और एकाध मानसून में वह गड़बड़ी बर्दाश्त कर सकता है। लेकिन शेष 60 फीसद इलाका मानसून पर ही निर्भर होता है। ऐसे में बारिश सामान्य से कम हुई तो मुश्किल होना स्वाभाविक है। यों कहें बारिश और खाद्यान्न उत्पादन का कीमतों से सीधा संबंध है। कम बारिश और उच्च मंहगाई का रिश्ता स्पष्ट दिखाई देता है। चूंकि देश के 14 करोड़ से अधिक परिवार खेती पर निर्भर है, इसलिए कम बारिश की स्थिति में खेती-किसानी से जुड़े अधिकांश छोटे किसानों का जीवन सर्वाधिक प्रभावित होता है। तो कहा जा सकता है कि अभी भी भारतीय कृषि बहुत हद तक मानसून पर निर्भर है।

भारतीय खाद्यान्नों की शत-प्रतिशत पूर्ति यहां होने वाली कृषि से ही होती है, जो पूर्णतया खेती की सफलता पर निर्भर है। इसके अतिरिक्त, देश के 22 करोड़ पशुओं को चारा भी कृषि से ही प्राप्त होता है। कृषि के न होने या अत्याल्पावस्था में हो पाने की स्थिति में पशुओं से प्राप्त होने वाली आय तथा सुविधाओं में कमी आ जाती है। इस तरह मानसून के प्रतिकूल होने पर देश में खाद्यान्नों तथा कृषि से संबद्ध विभिन्न उद्योगों के लिए कच्चा माल विदेशों से मांगना पड़ता है, जिसके लिए काफी मात्रा में विदेशी मुद्रा का व्यय होता है। मौसम अनुकूल रहता है तो इन्हीं उत्पादों का विदेशों को निर्यात कर बड़ी मात्रा में विदेशी पूंजी प्राप्त हो जाती है। वातावरण में आ रहे बदलावों ने बीते कुछ दशकों के दौरान मानसून के मिजाज को बदल डाला है। विशेषज्ञों को लग रहा है कि हमें अपनी खेती में बड़े बदलाव लाने की जरूरत है। उनका मानना है कि अगर जल्द ही हमारी खेती ने मानसून के बदले मिजाज के साथ तालमेल नहीं बिठाया तो एक अरब से ज्यादा आबादी वाले हमारे देश में अभूतपूर्व खाद्यान्न संकट पैदा हो सकता है। जाहिर है, जिस तरह से सिंचाई भगवान भरोसे है और ग्लोबल वार्मिंग से बारिश का चक्र बदल रहा है। उसका सीधा असर कृषि पर पड़ रहा है। बेशक, दिन प्रतिदिन हमारी जरूरतें बढ़ रही हैं। 2050 में 1.6 से 1.7 अरब भारतीयों का पेट भरने के लिए हमें 45 करोड़ टन खाद्यान्न की जरूरत होगी यानी मौजूद से दुगना। ऐसे में बिना सिंचित क्षेत्र में वृद्धि के सिर्फ मानसून भरोसे इसे हासिल करना असंभव है। यह विडंबना है कि आजादी के सात दशक बाद भी हम मानसून पर निर्भरता कम नहीं कर पाए।

लखनऊ अग्निकांड : रिश्वत की इमारत में जिंदा जल गए सपने

सुरेश गांधी

जी हां, यह आग शॉर्ट सर्किट से नहीं, व्यवस्था के चरित्र में लगे शॉर्ट सर्किट से भड़की है। लखनऊ के अलीगंज में जली वह इमारत केवल ईंट, सीमेंट और लोहे का ढांचा नहीं थी। वह भ्रष्टाचार, प्रशासनिक उदासीनता और नियमों की खुलेआम नीलामी का जीवित प्रमाण थी। सोमवार को जब आग की लपटें उस भवन को निगल रही थीं, तब केवल कमरे नहीं जल रहे थे; देश के उन सपनों की भी चिताएं सज रही थीं जिन्हें लेकर सैकड़ों किलोमीटर दूर से आए युवा अपने भविष्य का निर्माण करने पहुंचे थे। इन मृतकों की उम्र बीस से चौबीस वर्ष के बीच थी। कोई 3डी गेम डेवलपर बनने का सपना देख रहा था, कोई एनीमेशन की दुनिया में पहचान बनाना चाहता था, कोई अपने परिवार की पहली पीढ़ी था जो उच्च तकनीकी शिक्षा लेकर गरीबी का चक्र तोड़ना चाहता था। लेकिन उनकी मंजिल नौकरी नहीं, मौत बन गई।

प्रश्न यह नहीं है कि आग कैसे लगी। प्रश्न यह है कि आग लगने के बाद बचने का कोई रास्ता क्यों नहीं था? किसने उस इमारत को रिहायशी नक्शे पर व्यावसायिक गतिविधियों का अड्डा बनने दिया? किस अधिकारी ने आंखें मूंद लीं? किसने फायर एनओसी के बिना संचालन होने दिया? किसने एक ही सीढ़ी वाले भवन में दर्जनों छात्रों और कर्मचारियों को बैठने की अनुमति दी? किसने इमरजेंसी एग्जिट के बिना क्लासें चलने दीं? यदि इन प्रश्नों के उत्तर केवल भवन मालिक, स्टूडियो संचालक और मैनेजर तक सीमित कर दिए गए, तो यह न्याय नहीं होगा। क्योंकि जिस व्यवस्था की जेब में रिश्वत चली जाती है, वहां मौत का वारंट पहले ही लिख दिया जाता है। हर बड़े हादसे के बाद वही क्रम दोहराया जाता है—मुख्यमंत्री का दौरा, एसआईटी का गठन, अधिकारियों का निलंबन, मुआवजे की घोषणा और फिर धीरे-धीरे सब कुछ फाइलों में दफन। लेकिन जिन परिवारों के घरों में अब बेटे-बेटियां कभी वापस नहीं लौटेंगे, उनके लिए दो लाख रुपये की सहायता किसी जीवन का विकल्प नहीं हो सकती।यह केवल अग्निकांड नहीं, प्रशासनिक हत्या का मामला है। यदि किसी भवन में इमरजेंसी एग्जिट नहीं है, यदि फायर सेफ्टी सिस्टम नहीं है, यदि

ऑटोमैटिक गेट लोगों को बाहर निकलने से रोक देता है, यदि भवन का उपयोग स्वीकृत नक्शे के विपरीत किया जा रहा है और इसके बावजूद वर्षों तक कोई कार्रवाई नहीं होती, तो यह दुर्घटना नहीं बल्कि संस्थागत अपराध है। आज बुलडोजर चलाने की मांग बहुत लोग कर रहे हैं। लेकिन बुलडोजर केवल जली हुई इमारत पर चले, इससे न्याय पूरा नहीं होगा। बुलडोजर उस मानसिकता पर चलना चाहिए जिसने नियमों को बेच दिया। उन अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए जिनकी कलम के नीचे अवैध निर्माण वैध बनते रहे। जिन निरीक्षकों ने रिपोर्टों में सब कुछ ठीक लिखा, जिन विभागों ने आंखें बंद रखीं, जिन लोगों ने सुविधा शुल्क लेकर मौत की इमारत को खड़ा रहने दिया-उन सबकी जवाबदेही अदालत के कठघरे तक पहुंचनी चाहिए।

यह भी दुर्भाग्य है कि भारत में हर बड़ी त्रासदी के बाद नियमों की याद आती है। कुछ दिनों तक अभियान चलता है, नोटिस जारी होते हैं, निरीक्षण होते हैं, फिर सब कुछ सामान्य हो जाता है। लेकिन अगली आग, अगला पुल, अगली इमारत और अगली मौतें फिर उसी चक्र को दोहराती हैं। सवाल केवल लखनऊ का नहीं है। देश के लगभग हर शहर में हजारों ऐसी इमारतें हैं जहां कोचिंग सेंटर, लाइब्रेरी, हॉस्टल, अस्पताल, गेमिंग स्टूडियो और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बिना पर्याप्त अग्नि सुरक्षा के संचालित हो रहे हैं। क्या प्रशासन अगले हादसे का इंतजार कर रहा है? ऊपर वाले की लाठी में आवाज नहीं होती। लेकिन जब न्याय प्रकृति करती है तो सबसे पहले अहंकार टूटता है। यदि इस घटना के बाद भी व्यवस्था नहीं बदली, यदि जिम्मेदार लोगों को केवल निलंबन और औपचारिक कार्रवाई तक सीमित रखा गया, यदि पूरे प्रदेश में सुरक्षा मानकों की व्यापक समीक्षा नहीं हुई, तो यह मान लेना चाहिए कि हमने इन 15 युवाओं की मौत से भी कोई सबक नहीं सीखा। उन जली हुई लाशों से एक ही आवाज उठ रही है-हमें मुआवजा नहीं, जवाब चाहिए। हमें संवेदना नहीं, जवाबदेही चाहिए। हमें भाषण नहीं, ऐसी व्यवस्था चाहिए जिसमें किसी मां को अपने बच्चे का जला हुआ शरीर पहचानने के लिए अस्पतालों के चक्कर न लगाने पड़ें। इतिहास गवाह है कि सभ्यताएं बाहरी आक्रमणों से कम और भीतर की सड़ांध से अधिक नष्ट होती हैं। यदि भ्रष्टाचार, लापरवाही और नियमों की खरीद-फरोख्त इसी तरह जारी रही, तो हर शहर में ऐसी इमारतें खड़ी होंगी जो बाहर से आधुनिक दिखेंगी, लेकिन भीतर मौत का कुआं साबित होंगी। लखनऊ का यह अग्निकांड केवल 15 युवाओं की मृत्यु नहीं है। यह उस व्यवस्था के चेहरे पर लगा ऐसा कालिख का धब्बा है जिसे केवल जांच आयोगों से नहीं, कठोर दंड, पारदर्शी जवाबदेही और ईमानदार प्रशासनिक सुधारों से ही मिटाया जा सकता है। क्योंकि हादसे ईश्वर नहीं करवाता... हादसे अक्सर वही व्यवस्था करवाती है, जो रिश्वत के बदले मौत को भी अनुमति-पत्र जारी कर देती है। अलीगंज के पुरनिया इलाके में मंगलवार की सुबह भी धुएं की हल्की गंध हवा में तैर रही थी। जिस बहुमंजिला इमारत में सोमवार दोपहर तक कंप्यूटर स्क्रीन पर भविष्य के सपने डिजाइन किए जा रहे थे, वहां अब जले हुए शीशे, मुड़े हुए लोहे, राख और सन्नाटा पसरा था। चारों ओर पुलिस का पहरा था, दमकल की गाड़ियां अब भी खड़ी थीं और मलबे के बीच जांच एजेंसियों की टीम हर उस सुराग को तलाश रही थी, जो इस भयावह त्रासदी की असल वजह तक पहुंचा सके। घटनास्थल के बाहर सबसे दर्दनाक दृश्य उन परिवारों का था, जिनकी आंखें हर निकलते स्ट्रेचर पर अपने बेटे या बेटी को तलाश रही थीं। किसी के हाथ में मोबाइल था, जिसमें आखिरी बार आए कॉल की घंटी अब भी सुरक्षित थी। कोई अस्पतालों के चक्कर लगा रहा था तो कोई पुलिस अधिकारियों से सिर्फ एक सवाल पूछ रहा था- मेरा बच्चा कहां है?

सूर्यप्रकाश का संतुलन भी डगमगा रहा है

स्नेहा सिंह

कहीं गर्मी में वृद्धि तो कहीं अत्यधिक कमी दर्ज होगी। विशेषज्ञों के अनुसार कहीं धरती पर सूर्य दिखाई देगा, जबकि कहीं केवल अंधकार रहेगा और न प्रकाश मिलेगा, न गर्मी। आर्कटिक और अंटार्कटिका जैसे ठंडे क्षेत्रों में यदि तापमान बढ़ता है तो बादलों में जल की मात्रा बढ़ने लगती है। पानी से भरे बादल अधिक सफेद और चमकदार होते हैं। जब सूर्य का प्रकाश पृथ्वी की ओर आता है तो ये सफेद बादल उसे अंतरिक्ष में परावर्तित करने लगते हैं। ध्रुवीय क्षेत्रों में नमी, जलवाष्प और उनसे बनने वाले बादलों के कारण सूर्यप्रकाश अधिक परावर्तित होता है। इसलिए वहां गर्मी कम महसूस होती है। जब सूर्यप्रकाश वायुमंडल को पार करके सीधे धरती तक पहुंचता है, तो उसे डाउनवर्ड सरफेस सोलर रेडिएशन कहा जाता है। यह सूर्यप्रकाश तीव्र होता है। यह धरती को गर्म करता है और बर्फ को पिघलाने लगता है। सोलर फार्म चलाने में ऐसी गर्मी उपयोगी सिद्ध हो सकती है, लेकिन अन्य क्षेत्रों की स्थिति अधिक कठिन हो जाएगी। उत्तरी मध्य-अक्षांश (नॉर्दर्न मिड-लेटिट्यूड) वाले देशों की स्थिति ध्रुवीय क्षेत्रों से भी अधिक कठिन होने वाली है। विशेष रूप से इस क्षेत्र में उत्तर अमेरिका, यूरोप और एशिया के अधिकांश प्रदेश शामिल हैं। भारत पर भी इसके दुष्प्रभाव और घातक असर देखने को मिलेंगे।

पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने और संचालित करने में सूर्यप्रकाश सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मौसम में परिवर्तन, वृक्षों तथा अन्य जीव-जंतुओं का जीवन-यह सब सूर्यप्रकाश पर निर्भर है। अब तक यह माना जाता था कि पृथ्वी के सभी भागों में समय-समय पर सूर्य का प्रकाश लगभग समान रूप से पहुंचता है। इसके कारण सभी को समान रूप से गर्मी और ऊर्जा मिलती रहती है। लेकिन हाल के शोधों ने बताया है कि पृथ्वी का संतुलन बिगड़ गया है। ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के कारण पृथ्वी पर सूर्यप्रकाश के वितरण में बड़े पैमाने पर बदलाव आए हैं। आने वाले समय में यह स्थिति और खराब होगी। इसके परिणामस्वरूप पृथ्वी के कुछ हिस्सों में असहनीय प्रकाश होगा, जबकि कुछ भाग अंधकारमय बने रहेंगे। उल्लेखनीय है कि यह अध्ययन चीन की ओशन यूनिवर्सिटी में किया गया था। शोधकर्ताओं ने दुनिया भर के उन्नत जलवायु मॉडलों का उपयोग करके सूर्यप्रकाश और उसके वितरण का अध्ययन किया। उनका मानना है कि सूर्यप्रकाश के वितरण में अंतर आएगा और इससे मौसम, सौर ऊर्जा तथा कृषि पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा। पिछले कुछ समय से दुनिया के कुछ क्षेत्रों में जिस प्रकार गर्मी बढ़ रही है और कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक ठंड बढ़ रही है, उसे ध्यान में रखकर यह अध्ययन किया गया था। ग्लोबल वार्मिंग का सूर्यप्रकाश पर कितना और कैसा प्रभाव पड़ा है, यह जानने के लिए उन्नत बहुविध जलवायु मॉडलों की सहायता ली गई। इसके अलावा कंप्यूटर सिमुलेशन का भी उपयोग किया गया।

चिंताजनक बात यह थी कि दुनिया भर की विभिन्न प्रयोगशालाओं से प्राप्त आंकड़ों को जब कंप्यूटर सिमुलेशन की सहायता से अलग-अलग उन्नत जलवायु मॉडलों से जोड़ा गया, तो सभी के परिणाम लगभग एक जैसे निकले। इनमें बताया गया कि ध्रुवीय क्षेत्रों में धीरे-धीरे सूर्यप्रकाश और अधिक मंद होता जाएगा। दूसरी ओर उत्तरी मध्य-अक्षांश क्षेत्रों में सूर्यप्रकाश में अत्यधिक वृद्धि होगी। इस वृद्धि का प्रभाव गर्मियों के दौरान सबसे अधिक दिखाई देगा।

जब सूर्यप्रकाश वायुमंडल को पार कर सीधे धरती तक पहुंचता है, तो उसे डाउनवर्ड सरफेस सोलर रेडिएशन कहा जाता है। यह तीव्र सूर्यप्रकाश धरती को गर्म करता है और बर्फ को पिघलाने लगता है। सोलर फार्म के लिए यह लाभदायक हो सकता है, लेकिन अन्य क्षेत्रों की स्थिति अधिक कठिन बना देगा। उल्लेखनीय है कि अतीत में भी कई बार सूर्यप्रकाश की तीव्रता में वृद्धि और कमी दर्ज की गई है। हाल के इतिहास में 1950 से 1980 के बीच पृथ्वी पर पहुंचने वाले सूर्यप्रकाश में कमी देखी गई थी। इसके बाद उसमें धीरे-धीरे वृद्धि होने लगी। वर्तमान शोध चेतावनी देता है कि अब जो परिवर्तन और वृद्धि हो रही है, वह भविष्य में पृथ्वी पर व्यापक उथल-पुथल ला सकती है।

उल्लेखनीय है कि दुनिया भर में सूर्यप्रकाश के स्तर में परिवर्तन होने वाला है। विशेषकर ध्रुवीय क्षेत्रों में इसमें कमी आएगी। ग्लोबल वार्मिंग के कारण ही यह परिवर्तन होने वाला है। इसके पीछे जलवाष्प और बादलों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। सामान्यतः जब हवा गर्म होती है तो उसमें जलवाष्प को धारण करने की क्षमता बढ़ जाती है। यह नमी आकाश से आने वाली सूर्य किरणों को धरती तक पहुंचने से पहले ही अवशोषित कर लेती है। इसके कारण वातावरण साफ होने के बावजूद धूप कम महसूस होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि केवल नमी और जलवाष्प ही इसका कारण होते, तो पूरी दुनिया में सूर्यप्रकाश की तीव्रता घट जाती। यहां बादलों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। आर्कटिक और अंटार्कटिका जैसे ठंडे क्षेत्रों में तापमान बढ़ने पर बादलों में जल की मात्रा बढ़ जाती है। पानी से भरे बादल अधिक सफेद और चमकदार होते हैं। जब सूर्य का प्रकाश पृथ्वी की ओर आता है, तो ये सफेद बादल उसे अंतरिक्ष में परावर्तित कर देते हैं।

विवाद हमारे प्राण हैं...

डॉ टी महादेव राव

हमारे देश में ही नहीं पूरे विश्व में अलग अलग लोग, अलग अलग भेजे और अलग अलग शौक। इन सब की वजह से ही दुनियां रंगीन बनी हुई है। किसी को शांत रहना पसंद है तो किसी को बोलना इतना पसंद है कि वे नींद में भी मन की बातें बड़बड़ाते रहते हैं। मतलब यह कि यह दुनियां पंचमेल नवरत्न मिक्सचर की तरह है।

तब का इलाहाबाद और अभी का प्रयाग राज के भूतपूर्व सांसद फिल्मों के महानायक का एक फिल्मी संवाद है हम जहां से खड़े होते हैं लाइन वहीं से शुरू होती है।₹ याद होगा सभी को। लेकिन अब कुछ तीन चार वर्षों से एक संवाद अपरोक्ष रूप से मंडी हिमाचल प्रदेश की सांसद क्वीन का महसूस होता है ₹हम जहां होते हैं कंट्रोवर्सी यानी विवाद वहीं होती है क्योंकि हमें विवादों से मोहब्बत है। इतने विवाद, इतनी मगजमारी और प्रचार का लंबा चौड़ा कैनवास बनाकर उन्होंने संसद में प्रवेश तो पा लिया लेकिन अकेली रह गईं।

छह उंगलियों वाले फिल्मी हीरो से रोमांस से लेकर नेपोटिज्म वंशवाद पर अपनी खतरनाक टिप्पणियां, विवादों में महाराष्ट्र की पूर्व सरकार को कोर्ट में घसीटना, आंदोलन करते किसानों पर ऊल जलूल टिप्पणियां, फलस्वरूप थप्पड़ का पुरस्कार उन सभी पुरस्कारों में शामिल हैं जिनमें अभिनय के राष्ट्रीय पुरस्कार हैं। ज्ञान का आख्यान ऐसा कि इस होड़ में बड़े भैया भी पीछे रह जाएं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जितनी इन सांसद महोदया ने ली है, और किसी ने नहीं लिया। जिन्होंने राजनीति में लाया और संसद में बिठाया उनके प्रमुख शौक गड़े मुर्दे उखाड़कर पोस्ट मॉर्टम करना को इन्होंने भी अपना लिया।

एक फिल्म बनाई बतौर निर्माता, निर्देशक, स्क्रिप्ट लेखिका और मुख्य अभिनेत्री के रूप में जो उनके विवादों के शौक को पूरा करते हुए विवादास्पद रूप से सेंसर में अटक गई। कई कट लगे फिल्म के अहम हिस्सों में, जिससे फिल्म किसी व्यक्तित्व की आलोचना के बदले उस व्यक्तित्व को उभारने में काम आई। एक राज्य ने, एक देश के कुछ प्रांतों ने, कुछ देशों ने फिल्म प्रदर्शन पर रोक लगाई। उस पर तुर्रा यह की फिल्म समीक्षकों ने फिल्म में एक ही चीज पसंद की इमरजेंसी की नायिका का बढ़िया और प्रभावी मेकअप। बाकी उनकी आवाज और अन्य चरित्रों की ऐसी समीक्षा कर डाली कि फिल्म देखने की रही सही इच्छा मर जाए।

राष्ट्रीय विवादों की नायिका को चाहिए कि जिस तरह पूर्व में केवल अपने अभिनय के आधार राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल किए हैं, उसी तरह विवादों से दूर होकर सिर्फ अदाकारी पे तवज्जो दे। फिल्म बनाना, राजनीति उनके चाय की प्याली नहीं है। वरना अगली फिल्म का नाम होगा मंडी की बबली विवादों की पगली।

इस साल निर्जला एकादशी पर खुलेगा इन राशि वालों का भाग्य

निर्जला एकादशी साल की बड़ी एकादशी है, जिसे ज्येष्ठ महीने में मनाया जाता है। इस बार 25 जून 2026 को निर्जला एकादशी है। यह तिथि जहां धार्मिक रूप से मनचाहे फल और प्रभावशाली मानी जा रही है, वहीं इस बार निर्जला एकादशी ज्योतिष दृष्टि से भी महत्वपूर्ण रहेगी। दरअसल, इस बार निर्जला एकादशी पर रवि योग के साथ लक्ष्मी नारायण राजयोग का निर्माण भी हो रहा है।

कर्क राशि- निर्जला एकादशी पर कर्क राशि वालों को विशेष लाभ मिल सकता है। आपको धन लाभ की प्राप्ति होगी और यह समय सकारात्मक बदलाव लेकर आ सकता है। इसके अलावा व्यापार विस्तार को लेकर किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात होने के योग बन रहे हैं, जिससे भविष्य में लाभ मिल सकता है। कला में निखार आएगा। आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत होगी। सेहत सामान्य रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ने की संभावना है। सीनियर आपके बेहतर प्रदर्शन से प्रसन्न रहेंगे। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा और कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है।

कन्या राशि- कन्या राशि वालों के लिए यह समय राहत और सफलता लेकर आ सकता है। लंबे समय से चले आ रहे किसी पुराने विवाद या तनाव का समाधान मिलने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग ला सकती है। धन लाभ के योग बनेंगे। लंबे समय से चली आ रही आर्थिक परेशानियां धीरे-धीरे दूर होती नजर आएंगी। समाज में आपकी छवि मजबूत होगी और लोग आपके विचारों से प्रभावित हो सकते हैं।

तुला राशि- तुला राशि वालों के लिए निर्जला एकादशी बेहद लाभकारी साबित हो सकती है। लंबे समय से अटके या रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। नौकरी और व्यापार में सकारात्मक परिणाम देखने को मिल सकते हैं। भवन-वाहन के क्रय-विक्रय के योग बनेंगे। आर्थिक मामलों में स्थिति मजबूत होगी और आय के नए स्रोत बन सकते हैं। इसके साथ ही समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी और मान-सम्मान में वृद्धि होने के संकेत मिल रहे हैं। प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होने के योग हैं।

संत की दुखी व्यक्ति को सीख

सफलता तभी मिलती है जब हम अपनी ऊर्जा को बिखेरने के बजाय एक दिशा में लगाते हैं, एक समय में एक लक्ष्य बनाना चाहिए

पुराने समय में एक व्यक्ति गरीबी से बहुत दुखी था। उसके पास न अच्छा घर था, न पर्याप्त भोजन और न ही जीवन में कोई स्थिरता। वह अक्सर सोचता कि अगर वह भी किसी धनवान सेठ जैसा बन जाए, तो उसका जीवन सुखी हो जाएगा। एक दिन वह बाजार में एक समृद्ध सेठ को देखता है। सेठ के वस्त्र, उसका सम्मान और उसकी जीवनशैली देखकर उसके मन में गहरी इच्छा पैदा होती है कि उसे भी ऐसा ही बनना है।

उस दिन से वह व्यक्ति केवल धन कमाने की कोशिश में लग जाता है। वह दिन-रात मेहनत करता है, छोटे-मोटे काम करता है, और धीरे-धीरे कुछ पैसा भी जमा कर लेता है, लेकिन जैसे-जैसे उसकी इच्छाएं बढ़ती जाती हैं, वैसे-वैसे उसे यह धन भी कम लगने लगता है। उसे फिर भी संतोष नहीं मिलता। उसका मन फिर से बेचैन और दुखी हो जाता है।

एक दिन उसकी मुलाकात एक विद्वान से होती है। विद्वान शांत स्वभाव का था और जीवन के गहरे अर्थ समझाता था। बातचीत के दौरान वह व्यक्ति अपनी पूरी कहानी बताता है। विद्वान उसे समझाता है कि केवल धन ही सुख का आधार नहीं है, बल्कि ज्ञान और समझ ही असली संपत्ति है। प्रभावित होकर वह व्यक्ति धन का विचार छोड़कर ज्ञान की ओर मुड़ जाता है। वह रोज किताबें पढ़ने लगता है, नए विचार सीखता है और सोचता है कि अब वह ज्ञानी बन जाएगा तो जीवन सफल हो जाएगा। कुछ समय बाद फिर उसका मन भटकने लगता है। एक दिन उसे एक संगीतज्ञ दिखता है, उसे देखकर वह सोचने लगता है कि शायद संगीत सीखने से जीवन अधिक सुंदर बन सकता है।

वह संगीतज्ञ से मिलने के बाद संगीत सीखना शुरू कर देता है, लेकिन यहां भी कुछ समय बाद उसका उत्साह कम हो जाता है और वह फिर से असंतुष्ट हो जाता है।

अंत में उसकी मुलाकात एक संत से होती है। वह संत को अपनी पूरी कहानी सुनाता है। संत मुस्कुराते हुए कहते हैं कि समस्या धन, ज्ञान या संगीत नहीं है, बल्कि तुम्हारा बार-बार लक्ष्य बदलना है। अगर मन स्थिर नहीं होगा, तो कोई भी मार्ग सफलता तक नहीं ले जाएगा। जीवन में एक ही लक्ष्य चुनकर उस पर लगातार मेहनत करना ही सच्ची सफलता का सूत्र है।

प्रसंग की सीख

जीवन प्रबंधन का सबसे पहला सूत्र है- स्पष्ट लक्ष्य तय करना। जब तक हमें यह स्पष्ट नहीं होगा कि हम क्या बनना चाहते हैं, तब तक हम किसी भी दिशा में सही प्रगति नहीं कर सकते। बार-बार लक्ष्य बदलना समय और ऊर्जा दोनों की बर्बादी करता है।

दूसरा महत्वपूर्ण सूत्र है- अनुशासन। अनुशासन का अर्थ है अपने तय किए गए कार्यों को समय पर पूरा करना, चाहे मन हो या न हो। सफल लोग अपने मन के अनुसार नहीं, बल्कि अपने लक्ष्य के अनुसार काम करते हैं।

तीसरा सूत्र है- ध्यान केंद्रित करना (फोकस)। आसपास की चीजें हमारा ध्यान आसानी से भटका देती हैं। इसलिए जरूरी है कि हम अपने ध्यान को लक्ष्य पर केंद्रित रखें।

चौथा सूत्र है- धैर्य रखना। सफलता एक दिन में नहीं मिलती। लगातार प्रयास और समय ही किसी व्यक्ति को उसके लक्ष्य तक पहुंचाते हैं। बीच में परिणाम न दिखने पर हार मान लेना सबसे बड़ी गलती होती है।

पांचवां सूत्र है- आत्म-विश्लेषण करना चाहिए। समय-समय पर यह देखना जरूरी है कि हम सही दिशा में जा रहे हैं या नहीं। अगर कहीं गलती हो रही है, तो उसे सुधारना चाहिए।

छठा सूत्र है- सही संगति में रहें। हम जिन लोगों के साथ रहते हैं, उनका प्रभाव हमारे विचारों और आदतों पर पड़ता है। इसलिए ऐसे लोगों के साथ रहना चाहिए जो हमें प्रेरित करें और सकारात्मक सोच दें।

सातवां सूत्र है- समय का सही उपयोग करना चाहिए। समय सबसे मूल्यवान संसाधन है जिसे वापस नहीं पाया जा सकता। इसलिए हर दिन का एक छोटा सा प्लान बनाना चाहिए।

आठवां सूत्र है- सीखते रहना चाहिए। जीवन में हमेशा कुछ नया सीखने की आदत हमें आगे बढ़ाती है और हमें बेहतर इंसान बनाती है। एक समय में एक ही लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें। सफलता तभी मिलती है जब हम अपनी ऊर्जा को बिखेरने के बजाय एक दिशा में लगाते हैं।

क्या आपके घर में भी रहता है तनाव? बस 1 कटोरी सेंधा नमक दूर कर देगा हर दोष

क्या आपके घर में भी हर वक्त तनाव, बेचैनी या नकारात्मकता छाई रहती है? अगर हां, तो हो सकता है आपके आसपास किसी तरह का दोष या ऊर्जा असंतुलन हो। ऐसे में बस 1 कटोरी सेंधा नमक आपकी मदद कर सकता है। माना जाता है कि सेंधा नमक बुरी ऊर्जा को सोखकर घर का माहौल हल्का और सकारात्मक बनाने में सहायक होता है, बस इसे सही तरीके से इस्तेमाल करना जरूरी है।

सनातन धर्म और वास्तु शास्त्र में सेंधा नमक को बेहद पवित्र और सकारात्मक ऊर्जा का वाहक माना गया है। मान्यता है कि सेंधा नमक केवल भोजन का स्वाद बढ़ाने के काम नहीं आता बल्कि घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने का भी एक प्रभावी माध्यम बताया गया है। इसी वजह से कई लोग अपने घर के विभिन्न कोनों में सेंधा नमक से भरे कटोरे रखते हैं।

राहु-केतु के अशुभ प्रभाव को कम करने का उपाय – ज्योतिष शास्त्र में राहु और केतु को छाया ग्रह कहा गया है। जब किसी व्यक्ति की कुंडली में राहु या केतु अशुभ स्थिति में होते हैं तो मानसिक तनाव, भ्रम, अनावश्यक भय, पारिवारिक कलह और कार्यों में बाधाएं बढ़ सकती हैं। ऐसी स्थिति में वास्तु विशेषज्ञ घर के कुछ स्थानों पर सेंधा नमक के कटोरे रखने की सलाह देते हैं। मान्यता है कि नमक नकारात्मक कंपन और अशुभ ऊर्जा को अपने भीतर समाहित कर वातावरण को शुद्ध करता है, जिससे राहु-केतु से जुड़ी परेशानियों में कमी आने लगती है।

नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सहायक – धार्मिक दृष्टि से सेंधा नमक को शुद्धिकरण का प्रतीक माना जाता है। घर के कोनों, बाथरूम या ऐसे स्थान जहां भारीपन महसूस होता हो, वहां नमक का कटोरा रखने से नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव कम होता है। माना जाता है कि इससे घर का वातावरण अधिक शांत और सकारात्मक बनता है।

परिवार में बढ़ती है सुख-शांति – वास्तु शास्त्र के अनुसार घर का वातावरण अगर संतुलित और सकारात्मक हो तो परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम और सामंजस्य बना रहता है। सेंधा नमक के कटोरे रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ता है, जिससे आपसी मतभेद कम होते हैं और रिश्तों में मधुरता आती है।

आर्थिक बाधाओं को दूर करने की मान्यता – कई धार्मिक मान्यताओं में सेंधा नमक को धन और समृद्धि से भी जोड़ा गया है। कहा जाता है कि अगर घर में लगातार आर्थिक परेशानियां बनी रहती हों तो कांच के बर्तन में सेंधा नमक भरकर उत्तर-पश्चिम दिशा में रखने से लाभ मिल सकता है।

सीढ़ियों के नीचे टॉयलेट का वास्तु इन नियमों का रखेंगे ध्यान तो नहीं लगेगा वास्तु दोष

सीढ़ियों के नीचे टॉयलेट बनवाना वैसे तो शुभ नहीं माना जाता है। लेकिन अगर टॉयलेट को सही तरीके से डिजाइन किया जाए और दिशाओं को देखते हुए वास्तु अनुसार टॉयलेट बनवाया जाए, तो ऐसा करने से वास्तु दोष नहीं लगता है। अगर छोटे मकान या किसी अन्य कारण के चलते सीढ़ियों के नीचे टॉयलेट बनवाने जा रहे हैं तो वास्तु की इन बातों का ध्यान जरूर रखें।

वास्तु अनुसार घर बनवाते समय दिशाओं और स्थानों का ध्यान बहुत जरूरी है। गलत दिशा में कोई कमरा होने से इसका सीधा प्रभाव घर के माहौल और परिवार के जीवन पर भी पड़ता है। साथ ही, वास्तु दोष भी लगने की आशंका रहती है। आजकल घरों में जगह की कमी होने पर या हर फ्लोर पर एक बाथरूम की व्यवस्था करने के लिए सीढ़ियों के नीचे टॉयलेट और बाथरूम बनवाना आम बात हो गई है। ऐसा कई लोग अपने घरों में करते हैं ताकि नीचे के फ्लोर पर आए मेहमानों को टॉयलेट यूज करने के लिए ऊपर न जाना पड़े। हालांकि, वास्तु अनुसार सीढ़ियों के नीचे टॉयलेट या बाथरूम बनवाना सही नहीं माना जाता है। लेकिन वास्तु के कुछ नियमों और दिशा का ध्यान रखते हुए अगर सीढ़ियों के नीचे टॉयलेट बनवाया जाए तो इससे वास्तु दोष नहीं लगता है।

सीढ़ियों के नीचे टॉयलेट

वास्तुशास्त्र के अनुसार, सीढ़ियों के नीचे टॉयलेट या बाथरूम बनवाना शुभ नहीं होता है। लेकिन अगर छोटा मकान या किसी कारण के चलते आपको सीढ़ियों के नीचे भी टॉयलेट बनवाना पड़े तो इसके लिए कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें। मान्यता है कि अगर टॉयलेट को सही ढंग से डिजाइन किया जाए और दिशाओं का पूरा ख्याल रखा जाए तो यह उपयोगी साबित हो सकता है।

ईशान कोण में इन बातों का रखें ध्यान आप जहां टॉयलेट बाथरूम सीढ़ियों के नीचे बनवाने जा रहे हैं, वह जगह अगर उत्तर, पूर्व या ईशान कोण में हो तो उस स्थान का फ्लोर लेवल घर के बाकी हिस्सों के बराबर रखना चाहिए। या उसका लेवल थोड़ा नीचे भी रखा जा सकता है। साथ ही, इस बात का भी विशेष ख्याल रखें की टॉयलेट में जल निकासी की उचित व्यवस्था की जाए।

इन 4 दिशाओं में टॉयलेट बनवाएं तो ध्यान रखें ये बातें

अगर आप नैऋत्य, आग्नेय, वायव्य, दक्षिण या पश्चिम दिशा में टॉयलेट या बाथरूम बनवा रहे हों तो इस स्थान पर फ्लोर का लेवल घर के बराबर ही रखना चाहिए। यहां के लेवल को कभी भी बाकी हिस्सों के मुकाबले नीचे न करवाएं। साथ ही, इन दिशाओं में बने टॉयलेट में वॉल माउंटेड वेस्टर्न टॉयलेट सीट लगवाना एक बेहतर विकल्प माना जाता है। ऐसा करने से साफ-सफाई में आसानी होती है।

पर्याप्त रोशनी और हवा जरूरी

सीढ़ियों के नीचे टॉयलेट बनवाते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें की उस स्थान पर वेंटिलेशन बहुत जरूरी है। सीढ़ियों के नीचे जगह बहुत कम और बंद होती है।

मनी प्लांट के अलावा भी ये पौधे घर में लाते हैं बरकत!

कहा जाता है कि घर सिर्फ ईंट-पत्थरों से नहीं बनता, बल्कि वहां मौजूद ऊर्जा और माहौल भी जीवन पर असर डालते हैं। यही वजह है कि भारतीय परंपरा में पेड़-पौधों को केवल सजावट का हिस्सा नहीं माना गया, बल्कि उन्हें सुख, शांति और समृद्धि से जोड़कर देखा गया है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, कुछ पौधे घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने और आर्थिक उन्नति के संकेत माने जाते हैं।

आज ज्यादातर लोग घर की सुंदरता बढ़ाने के लिए इंडोर प्लांट्स लगाते हैं, लेकिन वास्तु मान्यताओं में इनके स्थान और दिशा का भी विशेष महत्व बताया गया है। कई लोग सिर्फ मनी प्लांट को ही धन से जोड़ते हैं, जबकि तुलसी, लकी बैम्बू, जेड प्लांट और अन्य कई पौधों को भी शुभ माना जाता है। हालांकि, वास्तु से जुड़ी ये मान्यताएं सांस्कृतिक और पारंपरिक विश्वासों पर आधारित हैं।

वास्तु के अनुसार घर में लगाने वाले शुभ पौधे

तुलसी: सकारात्मक ऊर्जा और शुभता का प्रतीक

तुलसी का पौधा भारतीय घरों में सदियों से खास स्थान रखता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, इसे उत्तर, पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा में लगाना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि तुलसी घर के वातावरण को पवित्र बनाती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। कई परिवारों में सुबह तुलसी पूजा

करने की परंपरा भी है। इसे केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि घर के शांत और सकारात्मक माहौल से भी जोड़कर देखा जाता है।

मनी प्लांट: आर्थिक तरक्की से जुड़ी मान्यता

मनी प्लांट को धन और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। वास्तु के अनुसार, इसे दक्षिण-पूर्व दिशा में रखना शुभ माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि सही दिशा में रखा गया मनी प्लांट घर में आर्थिक स्थिरता और नए अवसरों का संकेत देता है। हालांकि, पौधे की देखभाल भी उतनी ही जरूरी है। सूखा या खराब मनी प्लांट शुभ नहीं माना जाता, इसलिए इसकी नियमित देखभाल करनी चाहिए।

लकी बैम्बू और जेड प्लांट भी माने जाते हैं शुभ

लकी बैम्बू: सौभाग्य बढ़ाने वाला पौधा

लकी बैम्बू आजकल घर और ऑफिस में काफी लोकप्रिय है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार, इसे पूर्व या दक्षिण-पूर्व दिशा में रखने से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। इसे सफलता, सौभाग्य और खुशहाली से जोड़कर देखा जाता है।

जेड प्लांट: सफलता और व्यापार के लिए शुभ

जेड प्लांट को कई लोग गुड लक प्लांट भी कहते हैं। वास्तु के अनुसार, इसे घर के प्रवेश द्वार के पास पूर्व दिशा में रखना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि यह सफलता और आर्थिक अवसरों को आकर्षित करता है।

सेहत और शांति के लिए कौन से पौधे लगाएं?

स्नेक प्लांट और एलोवेरा

स्नेक प्लांट को घर की हवा शुद्ध करने वाला पौधा माना जाता है। वास्तु के अनुसार, इसे दक्षिण या दक्षिण-पूर्व दिशा में रखना लाभकारी माना जाता है। वहीं एलोवेरा को स्वास्थ्य और शांति से जोड़कर देखा जाता है। इसे पूर्व या उत्तर दिशा में लगाने की सलाह दी जाती है। घर में हरियाली बढ़ने से वातावरण भी अधिक ताजा महसूस होता है।

अरेका पाम और पीस लिली

अरेका पाम घर को आकर्षक बनाने के साथ ताजगी का एहसास देता है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार, इसे उत्तर या पूर्व दिशा में रखना शुभ माना जाता है। पीस लिली को शांति और प्रेम का प्रतीक माना जाता है। इसे बेडरूम की खिड़की के पास रखने से घर के माहौल में सकारात्मकता बढ़ने की मान्यता है।

किन पौधों को घर में लगाने से बचना चाहिए?

वास्तु शास्त्र में कुछ पौधों को घर के अंदर लगाने से बचने की सलाह दी जाती है। कांटेदार पौधे जैसे कैक्टस को कई लोग घर के लिए शुभ नहीं मानते, क्योंकि मान्यता है कि इससे तनाव और नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है। इसी तरह बोनसाई पौधे को भी वास्तु में प्रगति में रुकावट से जोड़ा जाता है। इसके अलावा कॉटन प्लांट और इमली जैसे पौधों को घर के अंदर लगाने से बचने की सलाह दी जाती है।

एक ही गंगा में स्नान, फिर भी दो लोगों को मिला अलग-अलग फल

अक्सर लोग धर्म, अध्यात्म के विज्ञान को समझ नहीं पाते हैं। बात महाकुम्भ की है, मां गंगा ने दो लोगों को अपने तट पर स्नान कराया, लेकिन केवल एक ही को वरदान मिला, यह कैसे हुआ। दोनों ने एक साथ कर्म वही किए, परंतु भावना भेद से अंतर आ गया, जिसे समझना बेहद जरूरी है। श्रद्धा और विज्ञान के बीच गंगा का महत्व एवं सत्य जानकर आप भी जब गंगा में डुबकी लगाऐंगे, तो मोक्ष के भागीदार बन सकते हैं।

बात उस समय की है, जिस समय प्रयागराज में महाकुम्भ लगा था, दो व्यक्ति गंगा स्नान के लिए गए, उनमें से एक ने कहा, 'लोग गंगा-गंगा कहते रहते हैं, पर उसमें ऐसा विशेष क्या है, वह तो केवल जल है। वैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो दो भाग हाइड्रोजन और एक भाग ऑक्सीजन के संयोग से बना पदार्थ मात्र। इसमें श्रद्धा करने जैसी कौन-सी बात है?'

दूसरे व्यक्ति ने श्रद्धापूर्वक उत्तर दिया, 'यह वही पावन गंगा है, जो भगवान विष्णु के चरण कमलों से प्रकट हुई, जिसे भगवान शंकर ने अपनी जटाओं में धारण किया। इसके तट पर असंख्य ब्रह्मर्षियों और राजर्षियों ने तपस्या की है। अनगिनत यज्ञ, दान, जप और पुण्य कर्म इसके साक्षी रहे हैं। करोड़ों लोगों की आस्था, भक्ति और साधना के प्रताप से यह नदी की जलधारा न होकर मां गंगा हैं, जो सदियों से भक्तों का कल्याण करती आ रही हैं।'

इस वार्तालाप के बाद दोनों ने गंगा में स्नान किया। स्नान करने से शरीर की शुद्धि तो दोनों की हुई ही, जल का स्वाभाविक गुण है कि वह शरीर की मलिनता को दूर कर देता है, परंतु जिस व्यक्ति ने श्रद्धा-भक्ति, पवित्र भाव के साथ स्नान किया, उसे देह-शुद्धि के साथ-साथ चित्त-शुद्धि का अमूल्य लाभ भी प्राप्त हुआ।

यदि केवल शरीर की स्वच्छता ही उद्देश्य हो, तो गंगा में बैल आदि भी स्नान कर लेते हैं और उनकी शारीरिक गंदगी भी धुल जाती है। किंतु मन का मल, अंतःकरण की अशुद्धियाँ और जीवन की विकृतियाँ केवल जल से नहीं धुलतीं, उनके लिए श्रद्धा, सद्भाव और आत्मिक जागृति की आवश्यकता होती है। बस जिस दिन इस रहस्य को लोग आत्मसात कर लेंगे, उस दिन उनका कल्याण निश्चित है।धार्मिक क्रियाकलापों में कर्म के साथ उसके पीछे निहित भावना का विशेष महत्व होता है। एक ही गंगा स्नान किसी के लिए मात्र शरीर-शुद्धि का साधन बन सकता है, तो किसी अन्य के लिए मनोकामना पूर्ति एवं मुक्ति का मार्ग, अंतर गंगा में नहीं, बल्कि स्नान करने वाले की दृष्टि और भावना में है।

कोरियन फिल्म में काम करने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनीं अनुष्का सेन

एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने बड़ी अपलब्धि हासिल की है। वह साउथ कोरियन फिल्म में लीड रोल निभाने वाली पहली भारतीय एक्ट्रेस बनने वाली हैं। 23 साल की यह स्टार आने वाली रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा 'जेजू ओले' में लीड रोल निभाएंगी, जो भारत और साउथ कोरिया के बीच एक सांस्कृतिक सहयोग है।

क्या है फिल्म की कहानी?

फिल्म में अनुष्का ने अलीशा का किरदार निभाया है, जो अपनी बहन को खोने के दुख से उबरने की कोशिश करते हुए साउथ कोरिया के खूबसूरत जेजू आइलैंड पर पहुंचती है। जब वह अपनी भावनाओं को समझने और अपनी जिंदगी को फिर से संवारने की कोशिश करती है, तो उसका सिंगर-सॉन्गराइटर सुनवू (जिसे कोरियन एक्टर कांग ह्युंग-सेओक ने निभाया है) के साथ एक रिश्ता बन जाता है। फिल्म की कहानी जेजू आइलैंड की खूबसूरत लोकेशन पर आधारित है।

कोरियन इंडस्ट्री के बारे में की बात

हाल ही में, अनुष्का ने 'द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया' से फिल्म में काम करने के अपने अनुभव, साउथ कोरिया के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव और एक नई एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम के दौरान आई चुनौतियों के बारे में बात की।

अनुष्का को पसंद हैं कोरियन फिल्में

इस प्रोजेक्ट के महत्व पर बात करते हुए, उन्होंने कहा कि 'जेजू ओले' का महत्व इसलिए और भी ज्यादा है क्योंकि यह एक रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा है, जिसे वह हमेशा से पसंद करती रही हैं।

सच हुआ सपना

अनुष्का ने बताया कि उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान के-ड्रामा देखना शुरू किया था। समय के साथ, उन्हें कोरियन कहानी कहने के अंदाज से प्यार हो गया और अक्सर वह ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का सपना देखती थीं। उन्होंने कहा कि 'जेजू ओले' जैसी फिल्म में लीड रोल निभाना, किसी सपने के सच होने जैसा है।

कहां रिलीज होगी फिल्म?

यह फिल्म कई जगहों के दर्शकों के लिए बनाई गई है और इसकी शूटिंग पूरे जेजू आइलैंड पर हुई है। फिलहाल, इसे साउथ कोरिया, भारत और कई अन्य एशियाई और मिडिल ईस्ट देशों में रिलीज करने की योजना है।

'वह बहुत ग्लैमरस थीं', पल्लवी जोशी ने 'डॉन' के सेट पर जीनत अमान से मुलाकात को किया याद

पल्लवी जोशी व जीनत अमान

एक्ट्रेस और प्रोड्यूसर पल्लवी जोशी ने अमिताभ बच्चन की फिल्म 'डॉन' के सेट पर दिग्गज एक्ट्रेस जीनत अमान से अपनी पहली मुलाकात को बड़े प्यार से याद किया। एक्ट्रेस ने बताया कि जीनत की शानदार पर्सनैलिटी और ग्लैमर को देखकर वह पूरी तरह से हैरान और निशब्द रह गई थीं।

जीनत अमान को देखकर अवाक रह गई

पल्लवी जोशी ने बताया कि उन्होंने जीनत को पहली बार 1978 की मशहूर फिल्म 'डॉन' की शूटिंग के दौरान देखा था, जिसमें उनके बड़े भाई अलंकार जोशी काम कर रहे थे। पल्लवी ने कहा कि बचपन में मैं अक्सर फिल्म की शूटिंग पर जाया करती थी।

तब मैं शायद आठ या नौ साल की रही होंगी। मुझे याद है कि महबूब स्टूडियो में 'डॉन' फिल्म की शूटिंग हो रही थी और मेरे भाई अलंकार उस फिल्म का हिस्सा थे, इसलिए मैं अक्सर उनके साथ जाती थी। अगली चीज जो मैंने देखी वह थी जीनत जी का सेट पर आना। मेरे पिता ने उनसे मेरा परिचय भी कराया, लेकिन एक बार फिर मैं पूरी तरह से अवाक रह गई।

उनकी पर्सनैलिटी किसी भी और हीरोइन से अलग थी

उस दौर की अन्य अभिनेत्रियों से जीनत अमान को क्या अलग बनाता था? इस बारे में बताते हुए पल्लवी ने कहा कि उनकी पर्सनैलिटी उस समय की किसी भी अन्य हीरोइन से बहुत अलग थी।

वह लीक से हटकर दिखती थीं, लीक से हटकर भूमिकाएं चुनती थीं और उनके बारे में सब कुछ उनके हेयरस्टाइल और मेकअप से लेकर उनके कॉस्ट्यूम तक आम हीरोइन जैसे नहीं थे। फिर भी वह बहुत ग्लैमरस थीं। इतनी ग्लैमरस कि मेरे पास शब्द ही नहीं थे। मैं बस उन्हें देखती रह गई।

बहुत शालीन और प्यारी इंसान हैं जीनत अमान

अपनी पीढ़ी की सबसे बड़ी स्टार्स में से एक होने के बावजूद पल्लवी ने कहा कि जीनत अमान बहुत मिलनसार, शालीन और आसानी से बात करने लायक इंसान थीं। वह बहुत शालीन थीं। अगर आप उनके पास जाकर तस्वीर के लिए कहते तो वह तुरंत कहतीं 'हाँ जरूर, आ जाइए।' वह बहुत ही अच्छी, शालीन और काम करने में बहुत प्यारी इंसान रही हैं। अपनी पहली मुलाकात के कई दशकों बाद पल्लवी ने हाल ही में 'द मारगाओ फाइल्स' सीरीज में जीनत अमान के साथ काम किया।

19 की उम्र में श्रुति हासन ने किया था ये काम, पिता कमल हासन हो गए थे नाराज, अभिनेत्री ने सुनाया किस्सा

श्रुति हासन- पिता कमल हासन के साथ

साउथ और बॉलीवुड की फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी करने वाली अभिनेत्री श्रुति हासन ने सोशल मीडिया पर अपने बचपन और टीनएज से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा किया है। उन्होंने बताया कि टीनएज में लिया गया उनका एक फैसला उनके पिता और दिग्गज अभिनेता कमल हासन को बिल्कुल पसंद नहीं आया था। इसके चलते वह काफी गुस्सा हो गए थे।

श्रुति ने दिया फैंस के सवालों का जवाब

दरअसल, सिंगर श्रुति हासन ने इंस्टाग्राम पर एक 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन के दौरान फैंस के सवालों का जवाब दिया। इसी दौरान एक फैन ने उनसे उनके पर्सनल स्टाइल और बॉडी पियर्सिंग को लेकर सवाल पूछा। इस पर जवाब देते हुए श्रुति ने बताया कि उन्होंने टीनएज में बेली बटन की पियर्सिंग (छिदवाया) कराई थी।

श्रुति ने अपने जवाब में एक तस्वीर भी शेयर की और लिखा, 'यह फैसला मेरे टीनएज की शरारत का हिस्सा था। 19 साल की उम्र में मैंने बेली बटन की पियर्सिंग कराई थी। मेरे इस फैसले पर मेरे अप्पा काफी गुस्सा हुए थे।' अभिनेत्री ने कहा कि ज्यादातर लोग टीनएज में ऐसे फैसले लेते हैं, जिन पर बाद में परिवार अलग प्रतिक्रिया देता है।

बता दें कि श्रुति हासन हमेशा से अपने अलग और बोल्ड फैशन स्टाइल के लिए जानी जाती रही हैं।

इसको लेकर एक फैन ने उनसे उनके हेयर केयर रूटीन के बारे में पूछा, जिस पर श्रुति ने बताया 'आखिरी बार मैंने बालों को 2017 में कलर कराया था। उसके बाद से मैंने किसी तरह का प्रोफेशनल हेयर ट्रीटमेंट नहीं लिया है। मैं अपने बालों और लुक्स के साथ खुद एक्सपेरिमेंट करना पसंद करती हूं। कभी बालों में घर का बना मास्क लगाती हूं, तो कभी खुद ही काट लेती हूं।'

'बहुत घबराहट हो रही थी, फिर सबने बहुत मदद की'

दलेर मेहंदी ने बताया 'वेलकम टू द जंगल' में काम करने का अनुभव

दलेर मेहंदी

'बोलो ता रा रा', 'तुनक तुनक तुन', 'ना ना ना रे' और 'हो जाएगी बल्ले-बल्ले' जैसे गानों की सौगात देने वाले मशहूर सिंगर दलेर मेहंदी अब परदे पर एक्टिंग करते नजर आएंगे। फिल्म होगी 'वेलकम टू द जंगल'। इस मल्टीस्टारर फिल्म में काम करके दलेर मेहंदी बेहद उत्साहित हैं। हाल ही में उन्होंने अपना अनुभव शेयर करते हुए सितारों की तारीफ की।

बोले- 'पहले बहुत घबराहट हो रही थी'

अपना अनुभव बताते हुए दलेर मेहंदी ने कहा कि उन्हें फिल्म की पूरी कास्ट से बहुत प्यार और सपोर्ट मिला। बता दें कि इस फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जॉनी लीवर और रवीना टंडन सहित कई चर्चित बॉलीवुड स्टार्स शामिल हैं। समाचार एजेंसी ANI से बात करते हुए दलेर मेहंदी ने माना कि शुरू में उन्हें घबराहट हो रही थी। उन्होंने कहा, 'मैं अक्षय कुमार का बहुत बड़ा फैन हूं। मैं उनकी सभी फिल्में देखता हूं और उनके काम को बहुत पसंद करता हूं। सब दोस्त हैं, लेकिन जब एक्टिंग की बारी आई तो बहुत घबराहट हो रही थी'। मगर, सेट पर मौजूद अच्छे और दोस्ताना माहौल की वजह से उनकी घबराहट जल्द ही दूर हो गई।

'सभी ने भाई जैसा व्यवहार किया'

सिंगर ने कहा, 'अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी बहुत अच्छे इंसान हैं। उन्होंने कभी भी कोई स्टार वाला एटीट्यूड या हीरोपंती नहीं दिखाई। उन्होंने मेरे साथ एक दोस्त जैसा बर्ताव किया और पहले दिन से ही मुझे सहज महसूस कराया'। दलेर मेहंदी ने अपने रोल में ढलने में मदद के लिए डायरेक्टर अहमद खान और पूरी टीम को श्रेय दिया। उन्होंने कहा, 'मैंने कई शो और परफॉर्मेंस किए थे, लेकिन मुझे पहले घबराहट हो रही थी, क्योंकि मैंने कभी एक्टिंग नहीं की थी। मगर, अहमद भाई और पूरी टीम ने मुझे बहुत सपोर्ट किया। सभी ने मेरे साथ भाई जैसा बर्ताव किया'।

जॉनी लीवर ने की बहुत देखभाल

सिंगर ने जॉनी लीवर के साथ काम करने की एक सुखद याद भी साझा की। उन्होंने कहा, 'जॉनी लीवर ने मेरा बहुत ध्यान रखा। वे हमेशा पूछते रहते थे कि मैं सहज हूं या नहीं और एक भाई की तरह मेरा ख्याल रखते थे। उनके और पूरी कास्ट के साथ मेरा समय बहुत अच्छा बीता'। रवीना टंडन के बारे में बात करते हुए दलेर ने कहा कि एक फिल्म में साथ काम करना एक नया और मजेदार अनुभव था। उन्होंने कहा, 'हमने भारत और विदेशों में साथ में कई शो किए हैं। रवीना बहुत अच्छी इंसान हैं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करना बहुत अच्छा रहा।

कब रिलीज होगी 'वेलकम टू द जंगल'

सिंगर ने इस कॉमेडी फिल्म का हिस्सा बनने के लिए आभार भी जताया। उन्होंने कहा कि जब अहमद खान ने उन्हें इस प्रोजेक्ट के लिए अप्रोच किया, तो वे मना नहीं कर सके। बता दें कि यह फिल्म 26 जून, 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता, फरीदा जलाल, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी और आफताब शिवदासानी जैसे कलाकार शामिल हैं।

बॉबी देओल से पूछा गया- 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में जाएंगे?

बोले–ये कौन–सा शो है, मुझे इसके बारे में पता नहीं है

फिल्म 'अल्फा' 3 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के प्रमोशन के तहत इसकी लीड एक्ट्रेसेस आलिया भट्ट और शरवरी वाघ समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' के प्रीमियर एपिसोड में पहुंचीं। इसी बीच, इंटरव्यू में 'अल्फा' में नजर आने वाले एक्टर बॉबी देओल से पूछा गया कि क्या वह भी आलिया और शरवरी की तरह 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' में दिखाई देंगे। इस सवाल के जवाब में बॉबी देओल ने कहा, ये कौन-सा शो है? मुझे तो इसके बारे में पता भी नहीं है। इसके बाद वह अगले सवाल की ओर बढ़ गए।

हाल ही में 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' के पहले एपिसोड में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ बतौर गेस्ट शामिल हुईं। एपिसोड के दौरान समय रैना और आलिया भट्ट ने एक-दूसरे पर मजाकिया अंदाज में तंज कसे और रोस्ट किया। शो में समय रैना ने आलिया भट्ट का स्वागत करते हुए कहा कि उन्हें यकीन ही नहीं हो रहा कि आलिया शो के पहले एपिसोड में गेस्ट बनकर आई हैं। इस दौरान आलिया ने हंसते हुए कहा, मुझे अब थोड़ा पछतावा हो रहा है।

समय ने फिल्म 'जिगरा' पर तंज कसा

इस पर समय रैना ने तंज कसते हुए कहा, मुझे भी 'जिगरा' देखकर पछतावा हुआ था। समय की यह बात सुनकर आलिया और शरवरी जोर से हंसने लगीं। हालांकि, आलिया ने भी बिना देर किए मुस्कुराते हुए जवाब दिया, कम से कम आपने फिल्म तो देखी। इसके बाद समय ने कहा, आपके पास बैठकर थोड़ा नर्वस महसूस कर रहा हूं, क्योंकि मैं आपके पति का बहुत बड़ा फैन हूं।

कांस और लेटेंट की तुलना कर मजाक किया

समय ने यह भी कहा, आलिया जी, आप इतनी बड़ी एक्ट्रेस हैं। आपकी फिल्मों ने 5000-6000 करोड़ रुपए की कमाई की है। आपके पास इतने फिल्मफेयर अवॉर्ड हैं, नेशनल अवॉर्ड है, बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड है। फिर आप यहां आखिर क्यों आई हैं? 'लेटेंट' में आने की क्या जरूरत थी? कहां कांस, कहां लेटेंट और यहां कैमरे आप पर हैं।

इस पर सब हंसने लगे।

फिर जवाब देते हुए आलिया ने कहा, नहीं-नहीं समय, सच कहूं तो हम सभी यह बात पूरे भरोसे के साथ कह सकते हैं कि हमें हंसाने के लिए हम सब कपिल शर्मा के बहुत आभारी हैं। फिर समय ने कहा, वाह! आलिया जी, यहां फनी हो गईं आप। जाकिर भाई के साथ क्या हो गया था?

पिछले साल शो विवादों में रहा

शो में शरवरी वाघ भी गेस्ट के तौर पर पहुंचीं। समय रैना ने मजाक में उन्हें पहचानने से इनकार कर दिया। वहीं शरवरी से पूछा गया कि क्या उन्होंने लेटेंट के एपिसोड देखे हैं, जिस पर एक्ट्रेस ने कहा, मैंने शो के वीडियो न्यूज चैनलों पर देखे हैं। पिछले साल 'इंडियाज गॉट लेटेंट' को लेकर समय रैना विवादों में रहे थे। शो को लेकर उनके खिलाफ केस दर्ज हुआ था और मामला कोर्ट तक पहुंचा था।

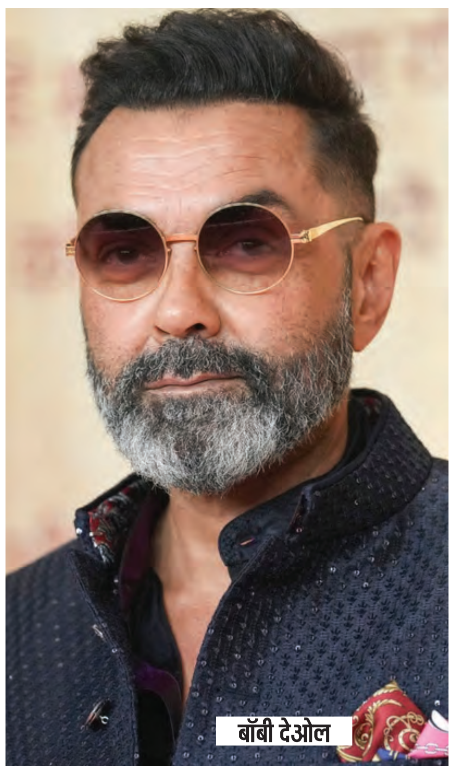

बॉबी देओल

वरुण धवन की मां का रोल ऑफर होने पर ऐसा था मौनी रॉय का रिएक्शन

ट्रोलिंग पर बोलीं– 'मुझे फर्क नहीं पड़ता'

डेविड धवन की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में मौनी रॉय ने वरुण धवन की नकली मां का रोल किया है। इस रोल के चलते उन्हें काफी आलोचना और सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ा। लेकिन इस सबके बावजूद मौनी रॉय इस विवाद से परेशान नहीं हैं। इन बातों को नजरअंदाज करते हुए उनका कहना है कि उनका पूरा ध्यान सिर्फ डायरेक्टर की सोच के मुताबिक काम करने और उन्हें ठीक वैसा ही देने पर था, जैसा वे चाहते थे।

मुझे परवाह नहीं लोग क्या कहते हैं

मौनी रॉय ने फिल्म में अपने किरदार को लेकर कहा कि मैं इसके बारे में कुछ नहीं कर सकती। मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ा कि क्या शोर-शराबा हो रहा था। मुझे इसकी परवाह नहीं थी कि लोग क्या कह रहे थे। यह बात बहुत बड़ी बन गई थी कि 'मेकर्स मेरे साथ ऐसा कैसे कर सकते हैं!' लेकिन मुझे पता था कि मैंने फिल्म में क्या किया है। मुझे पता था कि मेरे डायरेक्टर बहुत खुश थे और फिल्म में जिन लोगों के साथ मैंने काम किया है, वे सभी भी खुश हैं।

फिल्म का हिस्सा बनने पर जताई खुशी

फिल्म का हिस्सा बनने पर खुशी जताते हुए मौनी ने कहा कि शुरू में अपने रोल के बारे में सुनकर मुझे भी हैरानी हुई थी। सबसे पहले कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने मुझे फोन किया था। जब उन्होंने मुझे रोल के बारे में बताया, तो मेरा पहला रिएक्शन भी यही था। मैंने कहा, 'उनकी मां?' फिर मैंने जाकर डेविड सर और फरहाद सामजी (डायलॉग राइटर) से कहानी सुनी।

मैं जोर-जोर से हंस पड़ी। जरा सोचिए वरुण मनीष को फोन करके कह रहे हैं, 'मां का फोन कॉल नहीं चाहिए, पूरी की पूरी मां चाहिए। निरूपा रॉय जैसी।' और फिर सीन कट होता है और मैं अंदर आती हूं, जहां कोई जिमी सर के किरदार से कह रहा है, 'क्या यह मां के रोल के लिए थोड़ी छोटी नहीं है?'

मैं डेविड धवन की बड़ी फैन रही हूं

फिल्ममेकर की तारीफ करते हुए मौनी ने डेविड धवन के लिए अपनी गहरी पसंद जाहिर की और बताया कि उन्होंने यह प्रोजेक्ट क्यों नहीं छोड़ा। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं डेविड धवन की बहुत बड़ी फैन हूं। उनकी फिल्में मेरी दोस्त जैसी हैं। उन्हें देखना मुझे सुकून देता है।

उन्होंने कहा था कि यह उनकी आखिरी फिल्म होगी। साथ ही यह एक कॉमेडी फिल्म थी और मैं पहली बार कॉमेडी कर रही थी। इसलिए मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रही थी। उन्होंने मुझे सभी प्रमोशन से दूर रखा। यह एक अच्छा फैसला था क्योंकि इससे लोगों में उत्सुकता जगी कि फिल्म में यह क्या कर रही है।

वरुण धवन | मौनी रॉय

जाह्नवी कपूर ने पहना बॉयफ्रेंड के नाम का नाइटसूट

सूट पर लिखा- अगर गुम हो जाऊं तो शिखर पहाड़िया के पास लौटा देना

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया के रिश्ते की चर्चा एक बार फिर तेज हो गई है। सोशल मीडिया पर जाह्नवी कपूर की एक नई तस्वीर सामने आई है, जिसमें वे एक अनोखा नाइटसूट पहने नजर आ रही हैं। इस नाइटसूट पर शिखर पहाड़िया के नाम का एक संदेश भी लिखा है। इंस्टाग्राम पर कई हेंडल्स ने जाह्नवी कपूर की एक तस्वीर शेयर की। इस फोटो में जाह्नवी ने पिंक कलर का नाइटसूट और ग्रे जैकेट पहना हुआ है। उनके नाइटसूट पर अंग्रेजी में लिखा है, 'इफ लॉस्ट, प्लीज रिटर्न टू शिखर पहाड़िया' यानी 'अगर गुम हो जाऊं, तो कृपया शिखर पहाड़िया के पास लौटा दें।'

पहले भी दे चुकी हैं रिश्ते के हिंट

यह पहली बार नहीं है जब जाह्नवी ने शिखर के लिए अपना लगाव जाहिर किया है। इससे पहले भी वे शिखर के नाम कि टी-शर्ट पहने नजर आ चुकी हैं। वहीं एक बार वे एक इवेंट में वे गले में 'शिखर' के नाम का नेकलेस पहने नजर आई थीं। शिखर पहाड़िया भी अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर जाह्नवी की तस्वीरें शेयर करते रहते हैं।

पिछले साल जब जाह्नवी की फिल्म 'होमबाउंड' का प्रीमियर कान्स फिल्म फेस्टिवल में हुआ था, तब रेड कारपेट पर भी शिखर उनके साथ मौजूद थे। दोनों को अक्सर कई फैमिली फंक्शन और इवेंट्स में साथ देखा जाता है।

परिवार के करीबी हैं शिखर पहाड़िया

शिखर को अक्सर कपूर परिवार के निजी कार्यक्रमों और छुट्टियों में देखा जाता है। वे न केवल जाह्नवी के साथ वेकेशन पर जाते हैं, बल्कि अक्सर मंदिरों के दर्शन के लिए भी परिवार के साथ नजर आते हैं। जाह्नवी ने भी अप्रैल 2024 में 'कॉफी विद करण' के एक एपिसोड में इशारों में बताया थी कि वह किसी के साथ रिलेशनशिप में हैं। दोनों का नाम सबसे पहले तब जुड़ा था, जब जाह्नवी ने बॉलीवुड में डेब्यू भी नहीं किया था। साल 2016 में कुछ समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों अलग हो गए थे। हालांकि, पिछले कुछ सालों से वे अक्सर सार्वजनिक जगहों पर साथ नजर आते हैं।

प्यार में सुरक्षित महसूस करती हैं जाह्नवी

हाल ही में एक पॉडकास्ट के दौरान जाह्नवी ने प्यार और अपने पार्टनर के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने शिखर का नाम लिए बिना कहा, प्यार सुरक्षित महसूस कराता है।

उनकी मौजूदगी की वजह से अब मैं खुद को उतना बेबस महसूस नहीं करती। उन्होंने आगे कहा कि वह इस रिश्ते में एक बच्ची की तरह रह सकती हैं और उनके साथ उन्हें सबसे ज्यादा मजा आता है। एक्ट्रेस के मुताबिक, इस प्यार ने उन्हें अपने सबसे सच्चे रूप में रहने में मदद की है।

आदमी के हिंसक होने के पीछे औरत का हाथ होता है, इसलिए पत्नी को मारता है पति

भारतीय घरों में अपनी पत्नी पर हाथ उठाने की समस्यां कई सालों से एक परंपरा की तरह चली आ रही है। लेकिन क्या आपने सोचा है एक पति अपनी पत्नी को मारता क्यों है? इस सवाल का जवाब जानने के लिए हमने रिलेशनशिप कोच से बात की। जिन्होंने एक आदमी के हिंसक होने के लिए पीछे कई कारण बताएं हैं।

कहने को वक्त बदलते के साथ भारत में महिलाओं की स्थिति भी बदल रही है, अब उन्हें पहले से ज्यादा अधिकार और सम्मान मिलने लगा है। पढ़ा लिखा आदमी महिलाओं के अधिकार को बखूबी समझता है, लेकिन एक महिला पर हाथ उठाना उसे अब भी अपना अधिकार लगता है। किसी भी बात का गुस्सा हो निकलता महिला पर ही है।

पुरुषों का महिलाएं के साथ मारपीट करना बिल्कुल आम बात है, लेकिन कभी आपने वजह जानने की कोशिश की है। आखिर क्यों हाथ उठाने से पहले पुरुष हिचकिचाता नहीं, उसे क्यों लगता है कि वो अपनी पत्नी को मार सकता है। सिर्फ गुस्सा है या फिर बचपन में सिखाई गई सीख।

एक आदमी के इस व्यवहार को लेकर हमने प्रिडिक्शन्स फॉर

सक्सेस के संस्थापक और रिलेशनशिप कोच विशाल भारद्वाज से बात की। उन्होंने इस मसले पर डीटेल में बात करते हुए कई कारण बताएं हैं इनमें एक कारण ऐसा है जिसमें महिलाएं खुद ही जिम्मेदार होती हैं।

परिवार के माहौल का असर

एक आदमी को बचपन में दी गई शिक्षा और परिवार के माहौल का असर उसके व्यवहार में दिखता है। अगर छोटी उम्र से ही वह घर में हिंसा देखता है और इसी माहौल में बड़ा होता है तो जाहिर है कि वो औरतों का सम्मान करना नहीं सीख पाता। उनके लिए औरत का कोई मोल नहीं रहता और वो उन्हें कुछ नहीं समझते। जैसा वो बचपन में देखते हैं वैसी ही उनकी सोच हमेशा के लिए बन जाती है।

जुल्म सहना भी बड़ा कारण

कहते हैं जुर्म करने से ज्यादा बड़ा अपराध है जुर्म को सहना। क्योंकि किसी भी जुल्म को सहकर आप उसे बढ़ावा दे रहे होते हैं यही वजह है कि जब एक महिला शारीरिक शोषण को सामान्य मानती है। अपने पति की मारपीट को सह लेती है तो बच्चे उन्हें देखकर यही सीखते हैं कि औरतों पर हाथ उठाना कोई बड़ी बात नहीं। इसलिए एक बच्चा जब अपनी मां को चुपचाप पिटते हुए देखता है तो उसे भी बड़े में अपनी पत्ती को मारने की हिम्मत मिलती है।

डिप्रेशन से भी होते हिंसक

कभी-कभी एक पति पारिवारिक जिम्मेदारी के बोझ में दबने लगता है। नौकरी की चिंता और घर परिवार से जुड़ी आर्थिक समस्याएं उस पर हावी होने लगती हैं। ऐसे में डिप्रेशन की वजह से उनके व्यवहार में भी बदलाव होता है। जब इंसान का दिमाग स्थिर नहीं रहता है तो वो दूसरों को समझने की शक्ति नहीं रखता। चिड़चिड़े होने पर हिंसक भी बन सकते हैं।

पत्नी को समझते अपनी संपत्ति

पती अक्सर अपनी पति को संपत्ति समझते हैं उन पर हक जमाकर कुछ भी कहते हैं। कभी-कभी पति और पत्नी के बीच में अनबन या समझौता न होना, जैसी चीजें होती हैं इस दौरान पति गुस्से में अपना अधिकार जमाते हुए पत्नी के साथ मारपीट भी करता है। इस दौरान मेल इगो आग में घी डालने का काम करता है।

नशा और जागरुकता की कमी

नशा और शराब का सेवन भी हिंसा को बढ़ावा देता है। दरअसल नशे के असर में व्यक्ति का खुद पर कंट्रोल ही नहीं होता, वो समझ ही नहीं पाता की क्या सही है क्या गलत। नतीजन छोटी सी बात पर भी विवाद बढ़ने पर हिंसक हो जाता है। इस दौरान पुरुष को सही बात भी गलत लगती है। जागरुकता की कमी की वजह से भी पति को पत्नी का सम्मान करना सिखाया ही नहीं जाता, इसलिए गुस्से में वो सबसे पहले अपनी पत्नी पर हाथ उठा देता है।

बेटियों को सिखाएं ये बातें, ताकि दुनिया की कोई ताकत उन्हें भटका न सके और वे बन सकें चट्टान-सी मजबूत

परवरिश के दौरान माता-पिता को बच्चों को उम्र के अलग-अलग पड़ावों पर कुछ जरूरी बातें सिखानी होती हैं, ताकि वे अपनी उम्र और समझ के अनुसार सही फैसले लेना सीख सकें।

बतौर माता-पिता आपको बेटियों को कुछ अहम बातें जरूर सिखानी चाहिए। इनमें सबसे महत्वपूर्ण यह है कि कुछ लोग आपको पसंद करेंगे और कुछ

नहीं। लेकिन इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि आपकी पहचान इन सब चीजों से कहीं बड़ी है, इसलिए आपको इन बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहिए।

परवरिश के दौरान माता-पिता को बच्चों को उम्र के अलग-अलग पड़ावों पर कुछ जरूरी बातें सिखानी होती हैं, ताकि वे अपनी उम्र और समझ के अनुसार सही फैसले लेना सीख सकें। इसी क्रम में पेरेंटिंग कोच पुष्पा शर्मा ने कुछ ऐसे सच के बारे में जानकारी दी है, जिन्हें 14 साल की उम्र में बेटियों को बताना बेहद जरूरी है। उनके बताए ये जरूरी सबक न केवल बेटियों को चट्टान-सा मजबूत बना सकते हैं, बल्कि यह भी संभव है कि उन्हें दुनिया की कोई भी ताकत भटका नहीं सकेगी। आइए जानते हैं कि आखिर उन्होंने ऐसा क्या कहा।

हर कोई नहीं समझेगा तुम्हारी कीमत

पेरेंटिंग कोच पुष्पा शर्मा का कहना है कि 14 साल की बेटियों को ये तीन सच जरूर बता देने चाहिए। पहला, जीवन में कुछ लोग ऐसे होंगे जो कभी आपकी असली कीमत नहीं समझ पाएंगे। कुछ लोग आपका साथ छोड़कर चले जाएंगे और कुछ आपको यह महसूस कराने की कोशिश करेंगे कि आप कभी पर्याप्त नहीं थीं। लेकिन हमेशा यह याद रखना कि आपकी कीमत न तो किसी के विचारों से तय होती है और न ही आपके लुक्स, मार्क्स, फॉलोअर्स या किसी की मंजूरी से।

हर कोई नहीं करेगा तुम्हें पसंद

वे आगे कहती हैं कि बेटियों को सखिाएं कि आपका मूल्य इन सभी चीजों से कहीं अधिक है। लोग तुम्हें पसंद करेंगे, नापसंद करेंगे, तुम्हारी तारीफ करेंगे और आलोचना भी करेंगे, लेकिन तुम्हारी पहचान इन सबसे कहीं बड़ी है। इसलिए सिर्फ दूसरों को खुश करने के लिए कभी खुद को मत बदलना। दूसरी बात यह है कि तुम्हारा शरीर और तुम्हारी सीमाएं (बाउंड्रीज) तुम्हारी अपनी हैं। कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कितना ही करीबी क्यों न हो, तुम्हें असहज महसूस कराने का अधिकार नहीं रखता।

बनिा झझिक के न कहना सीखो

इसीलिए अपनी सीमाओं को पहचानना और उन्हें स्पष्ट रूप से बताना तुम्हारी सुरक्षा और आत्मसम्मान, दोनों के लिए जरूरी है। इसलिए जहां जरूरत हो, वहां बिना झिझक 'ना' कहना सीखो। याद रखो, जब तुम खुद पर भरोसा करना सीख जाओगी, तो दुनिया का कोई भी दबाव तुम्हें अपने रास्ते से नहीं भटका पाएगा।

बालों की अच्छी ग्रोथ के लिए इन तरीकों से इस्तेमाल करें रीठा

बालों की खूबसूरती को बरकरार रखने के लिए हम अलग-अलग तरीके ट्राई करते हैं। कई बार हम मार्केट में मिलने वाले प्रोडक्ट का भी इस्तेमाल करते हैं। लेकिन उनसे भी बालों की ग्रोथ नहीं बढ़ती। इसी वजह से ज्यादातर लड़कियां परेशान रहती हैं। इसकी वजह से बाल और ज्यादा झड़ने शुरू हो जाते हैं। कई बार ऐसा होता है कि, दोमुंहे बालों के कारण भी ग्रोथ कम होती है।

अगर आपके भी बालों की ग्रोथ अच्छे से नहीं हो रही है तो इसके लिए आप रीठा का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट जैसे तत्व पाए जाते हैं जिसकी मदद से बालों से जुड़ी समस्या खत्म होती है। चलिए आपको बताते हैं कैसे आप रीठा का इस्तेमाल अलग-अलग तरीके से कर सकती हैं।

रीठा से बनाएं शैंपू

रीठा से आप घर पर ही शैंपू बना सकती हैं। जिससे आप हफ्ते में 2-3 बालों को साफ कर सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले आपको रात में गर्म पानी रीठा भिगो लेना है। इसका बाद

इसकी गुठली निकालकर इसे साफ करें। फिर इसे अच्छे से मैश करें। इसके बाद इस मिश्रण को गीले बालों में लगाएं और मसाज करें। इसके बाद पानी से बालों को साफ कर लें। आपके बालों की समस्या कुछ ही महीनों में दूर हो जाएगी।

रीठा हेयर मास्क बनाएं

अगर आपके बाल कमजोर हो गए हैं, तो ऐसे में आप हेयर मास्क (बालों की ग्रोथ के लिए हेयर मास्क) को भी अपने बालों में लगा सकती हैं। इसके लिए रीठा के साथ आंवला और शिकाकाई मिलाएं। इसके बाद तीनों चीजों को गर्म पानी में पूरी रात छोड़ दें। आप चाहे तो मार्केट में मिलने वाले पाउडर का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। अब इसका पेस्ट तैयार करें। इसे अपने बालों में अप्लाई करें। इसे करीब 30 मिनट के लिए बालों में लगा रहने दें। फिर पानी से बालों को साफ कर लें।

बालों में लगाएं रीठा का तेल

बालों में तेल मालिश जरूर करनी चाहिए। इससे बालों के स्कैल्प मजबूत रहते हैं, साथ ही बालों की ग्रोथ भी काफी अच्छी हो जाती है। आप रीठा के तेल का इस्तेमाल (डैंड्रफ की समस्या के लिए करें रीठा का इस्तेमाल) बालों की ग्रोथ के लिए कर सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले रीठा और आंवला के टुकड़े को अच्छे से भुने। फिर इन्हें ठंडा कर लें और इसमें नारियल का तेल मिलाएं। अब आप रात के वक्त इस तेल का इस्तेमाल करें और बालों की चंपी करें। आपके बालों की ग्रोथ होनी दोबारा शुरू हो जाएगी।

ये सवाल पूछते ही लोग हो जाते हैं नाराज, कहीं आप भी तो नहीं करते ये गलती?

अच्छी बातचीत किसी भी रिश्ते की नींव होती है। चाहे दोस्ती हो, पारिवारिक संबंध हों या फिर ऑफिस का माहौल, सही तरीके से बातचीत करना लोगों को करीब लाता है। लेकिन कई बार हम अनजाने में ऐसे सवाल पूछ बैठते हैं जो सामने वाले को असहज महसूस करा सकते हैं। भले ही हमारी मंशा गलत न हो, लेकिन कुछ निजी सवाल लोगों को पसंद नहीं आते और वे नाराज भी हो सकते हैं।

आज के समय में लोग अपनी निजी जिंदगी को लेकर पहले से ज्यादा सजग हो गए हैं। हर व्यक्ति की अपनी सीमाएं और निजी क्षेत्र होता है, जिसका सम्मान करना जरूरी है। कई बार हम केवल जिज्ञासा के कारण सवाल पूछते हैं, लेकिन सामने वाला उसे दखलअंदाजी समझ सकता है। इससे रिश्तों में खटास आने की संभावना बढ़ जाती है।

यदि आप चाहते हैं कि लोग आपके साथ सहज महसूस करें और आपके रिश्ते मजबूत बने रहें, तो कुछ सवालों से बचना बेहतर होता है। आइए जानते हैं ऐसे 4 सवाल जिनसे दूरी बनाकर आप अपनी छवि और रिश्ते दोनों बेहतर

रख सकते हैं।

आपकी सैलरी कितनी है?

किसी की आय या वेतन के बारे में पूछना सबसे संवेदनशील सवालों में से एक माना जाता है।

कई लोग अपनी आर्थिक स्थिति को निजी रखना पसंद करते हैं।

यह सवाल सामने वाले को असहज कर सकता है। आपके सवाल से उसे लग सकता है कि आप उसकी तुलना या मूल्यांकन कर रहे हैं।

शादी कब कर रहे हो?

भारतीय समाज में यह सवाल अक्सर पूछा जाता है, लेकिन हर व्यक्ति की परिस्थितियां अलग होती हैं। कोई अपने करियर पर ध्यान दे रहा हो सकता है, तो कोई व्यक्तिगत कारणों से शादी न करना चाहता हो। बार-बार यह सवाल पूछना व्यक्ति पर अनावश्यक दबाव बना सकता है।

आपकी उम्र क्या है?

हालांकि उम्र पूछना सामान्य लग सकता है, लेकिन कई लोग इसे निजी जानकारी मानते हैं।

खासकर पेशेवर माहौल या पहली मुलाकात में यह सवाल लोगों को असहज कर सकता है।

बेहतर होगा कि जब तक जरूरत न हो, उम्र से जुड़े सवालों से बचा जाए।

अभी तक बच्चे क्यों नहीं हुए?

यह सवाल कई लोगों के लिए भावनात्मक रूप से संवेदनशील हो सकता है।

किसी के व्यक्तिगत फैसले, स्वास्थ्य संबंधी कारण या पारिवारिक परिस्थितियां हो सकती हैं, जिनके बारे में वह बात नहीं करना चाहता।

इसलिए इस तरह के सवाल रिश्तों में दूरी पैदा कर सकते हैं।

फंगस पौधों को खराब कर रहा है तो घर पर स्प्रे तैयार करें

अक्सर पौधों के ऊपर दिखने वाली सफेद पपड़ीनुमा परत आपके पौधे के लिए नुक़सानदेह होने के साथ ही मिट्टी की उर्वरक क्षमता को भी कम कर सकती है। ऐसा पौधों की उचित देखभाल न कर पाने, उनमें पानी की अधिकता हो जाने या मौसम के प्रतिकूल परिवर्तन के कारण होता है। पौधों में इस प्रकार से पनपी इस फंगस के कारण पत्तियों और पौधों के ऊपरी हिस्से के अलावा इसकी मिट्टी की उर्वरता को भी नुक़सान पहुंचता है। ऐसे में कुछ प्राकृतिक उपाय पौधे को इस समस्या से बचा सकते हैं।

फंगस से बचाव में लाभकारी हैं कुछ स्प्रे

नीम का स्प्रे बनाने के लिए दो लीटर पानी में दो चम्मच नीम का तेल डालकर अच्छी तरह से मिलाएं और स्प्रे पंप में भरकर पौधों और इनकी मिट्टी में स्प्रे करें।

एप्पल साइडर विनेगर स्प्रे बनाने के लिए एक लीटर पानी में दो चम्मच एप्पल साइडर विनेगर मिलाएं। स्प्रे से संक्रमित पत्तों और तने पर छिड़काव करें।

पौधों से फंगस हटाने के लिए दो लीटर पानी में आधा चम्मच लिक्विड सोप और एक बड़ा चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर स्प्रे करने से फंगस दूर हो जाती है।

एक लीटर पानी में दो से तीन ग्राम हल्दी पाउडर लेकर इसका

स्प्रे भी कर सकते हैं। इससे फफूंद एवं चींटियों के प्रकोप से भी छुटकारा मिल जाएगा।

दालचीनी के पाउडर को सीधे मिट्टी में मिला सकते हैं तथा इसको 48 घंटे तक पानी में भिगोकर इसका स्प्रे पत्तों और तनों पर करना भी लाभकारी हो सकता है।

ऐसे बनाएं मिट्टी को उपजाऊ

गाय का गोबर और गुड़...

देशी गाय के सड़े गोबर में कई करोड़ सूक्ष्म जीवाणु पाए जाते हैं, इन्हीं सूक्ष्म जीवाणुओं की अधिकता गमलों की मिट्टी को उपजाऊ करने में सहायक होती है। इसके लिए पौधे की मिट्टी में गाय के गोबर और गुड़ को मिलाकर खाद के रूप में उपयोग किया जा सकता है। पर इस बात का ध्यान रखें कि गाय के गोबर के सही तरह से सड़ जाने के बाद ही इसका उपयोग करें अन्यथा गोबर के सही प्रकार से न सड़ने पर ये पौधे को जला भी सकता है।

मिट्टी में रेत का प्रयोग

अगर गमले या ग्रो बैग की मिट्टी ज़्यादा सख्त या चिकनी है तो मिट्टी को उपजाऊ और नरम बनाने के लिए रेत का इस्तेमाल कर सकते हैं। अमूमन गमलों के लिए थोड़ी रेतीली मिट्टी काफ़ी अच्छी होती है। पर बहुत ज़्यादा मात्रा में रेत मिला देने से भी पौधे को क्षति हो सकती है। इसलिए मिट्टी नरम और उपजाऊ बनाने के लिए, मिट्टी और रेत को 7:1 के अनुपात में मिलाना चाहिए।

पानी की मात्रा का निर्धारण

पौधे को स्वस्थ बनाने के लिए सही मात्रा में पानी देना ज़रूरी है। पर ज़रूरत से ज़्यादा पानी देना आपके गमले की मिट्टी और पौधे के लिए नुक़सानदेह हो सकता है। ऐसे में पौधे के स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए पानी तभी डालें जब गमले की ऊपरी परत सूखी दिखाई देने लगे।

कैल्शियम या अंडे के छिलके

मिट्टी की उर्वर शक्ति बढ़ाने के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। इसके लिए मिट्टी में स्टोन पाउडर का इस्तेमाल किया जा सकता है। कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए अंडों के छिलके भी डाले जा सकते हैं।

पत्तों की खाद्य का प्रयोग

गमलों की मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने लिए बरगद, केले, और पीपल के पत्तों से बनी खाद का इस्तेमाल कर सकते हैं। पर याद रखें जो भी पत्ते गमलों की मिट्टी में मिलाएं वे रोगमुक्त और कवक रहित होने चाहिए अन्यथा यह मिट्टी को ख़राब कर सकते हैं।

नीम की खली का इस्तेमाल

नीम की खली आपके गमलों या ग्रो बैग की मिट्टी को उपजाऊ बनाने में मददगार साबित हो सकती है। यह पौधों में लगने वाली फंगस से भी निजात दिलाने में सहायक है। नीम की खली पौधों में कीड़े लगने से भी रोकती है। पर याद रहे नीम की खली का उपयोग आप 6 महीने में एक बार ही करें।

कहती नहीं है पर हर लड़की को पसंद होती है लड़कों की ये बातें

रिलेशनशिप में कुछ ऐसी खास बातें होती हैं, जिन्हें लड़कियां अक्सर बताती नहीं हैं। ये वो छोटी-छोटी चीजें हैं जो उनके दिल को छू जाती हैं और रिश्ते को मजबूत बनाती हैं। आइए आपको बताते हैं क्या हैं वो बातें जो लड़कों को लड़कियां पसंद करती हैं।

रिश्तों में कुछ ऐसी खास बातें होती हैं, जिन्हें लड़कियां अक्सर जाहिर नहीं करती हैं, क्योंकि ज्यादातर लड़कियां अपनी पसंद को लेकर थोड़ी इंट्रोवर्ट होती हैं। न वो ये बताती हैं कि उन्हें किस बात का बुरा लगा है और न ही वो उन बातों को शेयर करती हैं। अब आप कहेंगे कि भला जब को कहेंगी नहीं तो हमें पता कैसे चलेगा, है ना! आपको अपनी गर्लफ्रेंड की दिल की बातों को जानने के लिए ज्यादा मेहनत करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आज हम आपको लड़कों की 5 ऐसी बातों के बारे में बताने वाले हैं, जिन्हें कहती नहीं हैं पर हर लड़की पसंद करती है। तो फौरन जान लीजिए अपनी पार्टनर के दिल की ये बातें।

कई सारी तस्वीरें लेना

कई लड़कियां कभी खुद से

नहीं कहती हैं कि लेकिन वो चाहती हैं कि आप उनके साथ कपल फोटो लें और रेंडम वीडियो बनाएं। उन्हें ऐसी चीजें बहुत पसंद आती हैं, इससे उन्हें ये महसूस होता है कि आप उन्हें कितना चाहते हैं। ये देखकर उन्हें और भी ज्यादा खुशी होती है।

डीप और लंब कन्वर्जेशन गहरी और लंबी बातचीत

हर लड़की को एक ऐसा साथी चाहिए जिससे वो खुलकर बातें कर सके। ऐसी बातचीत जो उनके विचारों, सपनों और फीलिंग्स को भी शामिल करे। जब आप अपनी पार्टनर के साथ किसी टॉपिक पर डीप कन्वर्जेशन करते हैं तो उन्हें कनेक्शन महसूस होता है और लड़की को लगता है कि आप उसे समझते हैं। इसलिए अगर आप किसी लड़की को पसंद करते हैं तो उनकी बातों को गौर से सुनिए, बीच में टोकें नहीं, उनके विचारों में दिलचस्पी दिखाएं। साथ ही उन्हें अपनी फीलिंग्स भी बताएं, इससे आप दोनों के बीच विश्वास और समझ बढ़ेगी।

कडल करना

लड़कियों को टच से ही पता चल जाता है कि लड़के की फीलिंग क्या है। लेकिन लड़कियां ये बात कहती नहीं हैं पर उन्हें बहुत अच्छा लगता है जब कोई लड़का उनके बालों के साथ खेलता है और पीठ सहलाता है। इससे वो काफी रिलेक्स फील करती हैं ऐसे में जब वो थकी हों या परेशान हों, तो आप प्यार से उन्हें हग भी कर सकते हैं।

कमर से खींचकर किस करना

किस एक तरीका है अपने प्यार इजहार करने का, लेकिन किस आप किस तरीके से किस करते हैं ये भी बहुत मायने रखता है। लड़कियां तब स्पेशल फील करती हैं जब उनका पार्टनर उन्हें प्यार से कमर से पकड़कर अपनी ओर खींचता है और किस करता है। उन्हें ये काफी रोमांटिक लगता है। लेकिन ऐसा अचानक न करें। पहले उन्हें थोड़ा उन्हें कम्फर्ट में लाएं और फिर धीरे से कमर पकड़कर अपनी ओर लाएं और फिर धीरे से किस करें।

'विकसित भारत के लिए 7-8 फीसदी की वृद्धि दर जरूरी'

ईएसी-पीएम अध्यक्ष ने निजी निवेश और निर्यात पर दिया जोर

एस महेंद्र देव

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष महेंद्र देव ने एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत को 2047 तक 'विकसित भारत' बनने के लिए 7 से 8 फीसदी की निरंतर आर्थिक वृद्धि दर चाहिए। यह लक्ष्य निजी क्षेत्र के निवेश और मजबूत निर्यात वृद्धि पर बहुत अधिक निर्भर करता है। देव ने 23 जून को एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात करते हुए यह बात कही। देव ने जोर दिया कि विकसित भारत के लिए निवेश आवश्यक है। निजी क्षेत्र का निवेश और निर्यात वृद्धि दोनों ही समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण का भी उल्लेख किया। घरेलू बाजार को वैश्विक मानकों को पूरा करने के लिए अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता और उत्पाद गुणवत्ता बढ़ानी होगी। आत्मनिर्भर भारत नीति का अर्थ वैश्विक व्यापार से पीछे हटना नहीं है। इसका ध्यान देश की जनसांख्यिकीय और तकनीकी क्षमताओं का लाभ उठाने पर है। सरकार ने आयात पर निर्भरता कम करने के लिए 100 वस्तुओं की पहचान की है। इन वस्तुओं का घरेलू विनिर्माण विदेशी सामान का स्थान ले सकता है। व्यापार सुगमता और जीवन सुगमता में सुधार के प्रयास भी जारी हैं। ये सभी प्रयास अर्थव्यवस्था को बाहरी कमजोरियों से बचाने की व्यापक योजना का हिस्सा हैं।

महेंद्र देव ने साफ किया कि आत्मनिर्भर भारत का मतलब आयात प्रतिस्थापन नहीं है। इसका उद्देश्य घरेलू प्रतिस्पर्धा को बढ़ाना है। इससे उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार होगा। बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पाद अधिक निर्यात करने में मदद करेंगे। भारत के पास जनसांख्यिकीय लाभ और प्रौद्योगिकी सुधार कौशल हैं। ये सभी कारक 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक होंगे।

कृषि क्षेत्र में क्या बदलाव आ रहे हैं?

कृषि क्षेत्र में पारंपरिक रासायनिक इनपुट से दूर जाना एक प्रमुख नीतिगत फोकस है। सरकार जैविक और प्राकृतिक खेती जैसी वैकल्पिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना चाहती है। इसका उद्देश्य उर्वरक सब्सिडी के कुल उपभोग और राजकोषीय बोझ को कम करना है। वैश्विक कमोडिटी बाजारों में हालिया बदलावों से कुछ राजकोषीय राहत मिली है।

एक लाख करोड़ का निवेश और 11 नए हवाई अड्डों पर नजर

मुंद्रा से उड़ान के साथ क्या है अदाणी का मेगा प्लान?

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। अदाणी समूह ने भारत के विमानन सेक्टर में अपने दबदबे को और बढ़ाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। मंगलवार को गुजरात के मुंद्रा एयरपोर्ट से पहली कमर्शियल (व्यावसायिक) उड़ान के टेकऑफ करते ही, ग्रुप ने अगले पांच वर्षों में एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर पर 90,000 से एक लाख करोड़ रुपये के भारी-भरकम निवेश का एलान किया है। 'उड़ान' योजना के तहत शुरू की गई इस नई कनेक्टिविटी से न सिर्फ कच्छ क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को पंख लगेंगे, बल्कि देश के एविएशन और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में भी बड़े रणनीतिक बदलाव आएंगे।

अदाणी समूह के एक लाख करोड़ रुपये का निवेश प्लान क्या है?

अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स के डायरेक्टर जीत अदाणी ने मुंद्रा एयरपोर्ट से कमर्शियल उड़ानें शुरू होने के मौके पर स्पष्ट किया कि ग्रुप अपने एविएशन पोर्टफोलियो को लेकर काफी गंभीर है। उन्होंने बताया कि अगले पांच वर्षों में सभी एयरपोर्ट्स पर 90,000 से एक लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा और यह योजना मजबूती से लागू रहेगी।

मुंद्रा एयरपोर्ट से किन शहरों के लिए उड़ानें शुरू हुई हैं?

अदाणी मुंद्रा एयरपोर्ट ने क्षेत्रीय एयरलाइन 'स्टार एयर' के साथ साझेदारी करके मुंबई और गोवा के लिए अपनी पहली शेड्यूल्ड फ्लाइट सेवा शुरू की है। इसके अलावा, स्टार एयर मुंद्रा से कुल आठ नई हवाई सेवाएं शुरू करेगी, जो इसे हिंडन, सूरत, बेलगावी, बेंगलुरु, कोल्हापुर और नांदेड़

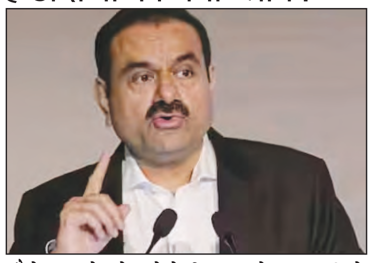

जैसे शहरों से जोड़ेगी। इससे व्यापारियों और पर्यटकों के लिए एक फास्ट-ट्रैक रूट तैयार होगा।भारत सरकार जल्द ही 11 नए एयरपोर्ट्स के लिए निजी बोलियां आमंत्रित करने वाली है। जीत अदाणी ने कहा कि ग्रुप इस नीलामी में आक्रामक रूप से हिस्सा लेगा। उन्होंने यह भी साफ किया कि उनका लक्ष्य एविएशन इकोनॉमी के विकास में अपनी हिस्सेदारी को लगातार बढ़ाना है। फिलहाल ग्रुप के पास मुंबई, नवी मुंबई, अहमदाबाद, जयपुर, लखनऊ, तिरुवनंतपुरम, मंगलुरु और गुवाहाटी सहित आठ एयरपोर्ट्स के संचालन का अनुभव है। यह एयरलिंक कच्छ क्षेत्र को एक पूरी तरह से एकीकृत मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स और बिजनेस हब में बदल देगा। इससे भारत के सबसे बड़े निजी बंदरगाह (मुंद्रा पोर्ट) और सबसे बड़े बहु-उत्पाद विशेष आर्थिक क्षेत्र (मुंद्रा एसईजेड) के लिए अंतिम मील की कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी। कंपनी का मानना है कि इससे व्यापारिक यातायात का प्रबंधन बेहतर होगा और राष्ट्रीय व वैश्विक सप्लाई चेन मजबूत होगी। जीत अदाणी के अनुसार, पहले मुंद्रा से मुंबई जाने के लिए लोगों को दो-स्टॉप वाली यात्रा करनी पड़ती थी, लेकिन अब सीधी उड़ान से यह सफर बेहद आसान हो जाएगा।

होर्मुज में 4 महीने से फंसे थे एलपीजी से लदे 2 टैंकर

मौका मिलते ही भारत की ओर हुए रवाना

नई दिल्ली,23 जून (एजेंसियां)। होर्मुज में तनाव कम होने से भारत को राहत की सांस मिलने लगी है। खाड़ी देशों से कच्चे तेल और एलपीजी के टैंकरों ने अब न केवल भारत बल्कि दूसरे देशों के लिए भी राह पकड़ ली है। ऐसे ही दो जहाज भारत के लिए रवाना हो गए हैं। ईरान संकट के कारण ये दोनों जहाज चार महीने से होर्मुज में फंसे हुए थे। नागपुर की प्रमुख निजी कंपनी कॉन्फिडेंस पेट्रोलियम की ओर से चार्टर किए गए इन जहाजों में 22,000 मीट्रिक टन रसोई गैस लोड है। ये दोनों जहाज रविवार सुबह होर्मुज के दोबारा बंद होने से ठीक पहले वहां से बाहर निकलने में कामयाब रहे।

कॉन्फिडेंस पेट्रोलियम के सूत्रों के अनुसार, ये दोनों जहाज एक सप्ताह के भीतर भारत के बंदरगाह पर पहुंच जाएंगे। इसके अलावा, एक और बड़ी राहत यह है कि अल्जीरिया से 22,000 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर आ रहा एक अन्य जहाज भी भारतीय समुद्री सीमा में प्रवेश कर चुका है और जल्द ही बंदरगाह पर लंगर डालेगा। इन जहाजों के भारत आने से देश की रसोई गैस सप्लाई को बड़ी राहत मिलेगी।कंपनी के चेयरमैन नितिन खारा ने बताया कि अमेरिका और ईरान के बीच हुए एक समझौता ज्ञापन के बाद इस समुद्री रास्ते को कुछ समय के लिए खोला गया था। हमारे

एलपीजी से लदे टैंकर भारत की ओर रवाना।

कप्तानों ने बेहद बहादुरी भरा कदम उठाया और इस छोटे से मौके का फायदा उठाकर जहाजों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जिससे हमने राहत की सांस ली है।

भारत के सबसे बड़े निजी एलपीजी बॉटलर्स में से एक, कॉन्फिडेंस पेट्रोलियम को इस महीने करीब 50,000 टन एलपीजी की जरूरत थी। युद्ध की शुरुआत में सप्लाई चेन टूटने के कारण कंपनी को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था, जिससे निपटने के लिए उन्होंने ये कदम उठाए:चीन जा रहे दो जहाजों को अतिरिक्त रकम चुकाकर भारत की तरफ मोड़ा गया, जिनमें 50,000 मीट्रिक टन एलपीजी थी। कंपनी ने आपूर्ति बनाए रखने के लिए अमेरिका से भी एलपीजी की स्पॉट खरीदारी की। घरेलू गैस के नए शिपमेंट्स के भारत पहुंचने से घरेलू बाजार पर बेहद सकारात्मक असर देखने को मिलेगा। बाजार में एलपीजी की उपलब्धता बढ़ने से आने वाले दिनों में एलपीजी की दरों में कटौती की उम्मीद जताई जा रही है।

भारत के बैंकों पर आरबीआई का बड़ा कदम

1,41,171 करोड़ से आपको भी ऐसे मिलेगा फायदा

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ने देश की बैंकिंग सिस्टम को मजबूत करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है. मंगलवार को आरबीआई ने बैंकिंग सिस्टम में 1,41,171 करोड़ रुपए डालें हैं. रिजर्व बैंक ने यह कदम ऐसे में उठाया है जब देश का बैंकिंग सिस्टम लिक्विडिटी की कमी से जूझ रहा है. दरअसल बैंकों में पर्याप्त पैसे होने का फायदा आम आदमी को भी मिलता है.बैंकिंग सिस्टम में पैसा होने के चलते बैंक आम जनता को आसानी से लोन मुहैया करा पाते हैं. मौजूदा समय में बैंकिंग सिस्टम नकदी की कमी हुई है. आकड़ों के मुताबिक 21 जून को 30,685.11 करोड़ रुपए का सरप्लस घटकर 22 जून को 19,971.89 करोड़ रुपये के घाटे में चली गई. इसलिए रिजर्व बैंक ने इस कमी को पूरा करने के मकसद से 5.26 प्रतिशत की कट-ऑफ औसत पर यह रकम बैंकों में डाली है. भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को यह रकम वीआरआर नीलामी के माध्यम से डाला है. वीआरआर नीलामी आरबीआई का एक

आरबीआई ने बैंकों को दिया दम

माध्यम है, जिसके जरिये वह बैंकिंग प्रणाली में नकदी की अस्थायी कमी या अधिकता को संतुलित करना होता है.

जानकारों के मुताबिक नकदी में यह कमी माल एवं सेवा कर (जीएसटी) भुगतान के कारण बैंकिंग प्रणाली से धन की निकासी के चलते आई है. नकदी के घाटे में जाने से ओवरनाइट मनी मार्केट दरों पर दबाव बढ़ा है, जहां भारित औसत कॉल मनी दर 5.43 प्रतिशत पर रही, जो आरबीआई की रेपो दर से 0.18 प्रतिशत अधिक है.

कैसे मिलेगा आम आदमी को फायदा

जब देश में बैंकों के पास पर्याप्त पैसा होता है तो बैंकों को लोन बांटने में आसानी होती है. इस तरह बैंक कॉरपोरेट से लेकर खुदरा लोन की कमी को पूरा कर पाते हैं. जब बैंक के पास पैसे होते हैं और बैंक ज्यादा से ज्यादा लोन बांट पाता है तो मार्केट में लिक्विडिटी बढ़ जाती है. जिसका फायदा इकोनॉमी से लेकर आम आदमी तक दिखता है. बैंकों में नकदी के दबाव को कम करने के और ओवरनाइट मनी मार्केट दरों को नियंत्रित रखने के लिए केंद्रीय बैंक ने पिछले कुछ दिनों में विभिन्न अवधियों की वीआरआर नीलामी के जरिये करीब 2.43 लाख करोड़ रुपये की अस्थायी नकदी डाली है.

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, आरबीआई ने सोमवार को ओवरनाइट वीआरआर के जरिये 36,300 करोड़ रुपये, शुक्रवार को तीन-दिवसीय वीआरआर नीलामी के माध्यम से 16,750 करोड़ रुपये, बुधवार को दो वीआरआर नीलामियों के जरिये 72,300 करोड़ रुपये, 16 जून को सात-दिवसीय वीआरआर नीलामी में 89,440 करोड़ रुपये और 15 जून को ओवरनाइट वीआरआर नीलामी के जरिये 28,220 करोड़ रुपये डाले.

शेयर बाजार से 6 लाख करोड स्वाहा

सेंसेक्स 893 अंक लुढ़का, निफ्टी भी धड़ाम

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को बड़ी गिरावट आई। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी 50 में भारी बिकवाली देखी गई। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1000 से अधिक अंक टूटकर 76,100 के स्तर से नीचे चला गया। वहीं निफ्टी 50 भी 300 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 23,800 के आंकड़े के नीचे फिसल गया। इस गिरावट के कारण निवेशकों का बड़ा नुकसान हुआ।

मंगलवार को सेंसेक्स 893.39 अंकों की गिरावट के साथ 76,200.68 अंक पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 50 भी 278.80 अंक लुढ़ककर 23,824.10 अंक पर बंद हुआ। इस गिरावट के कारण सेंसेक्स पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप करीब 6 लाख करोड़ रुपये गिरकर 475 लाख करोड़ रुपये के नीचे चला गया।

भारी गिरावट के 5 बड़े कारण

कोस्पी इंडेक्स हुआ धड़ाम

हाल ही में रिकॉर्ड ऊंचाई छूने वाले दक्षिण कोरिया के बेंचमार्क इंडेक्स कोस्पी (Kospi) में मंगलवार को भारी बिकवाली दर्ज की गई।

सेमीकंडक्टर और कंप्यूटर चिप बनाने वाली दिग्गज कंपनियों के वैल्युएशन के बहुत महंगे होने की चिंता में निवेशकों ने जमकर मुनाफावसूली की।

कोस्पी इंडेक्स 10% तक टूट गया, जिससे बाजार में घबराहट रोकने के लिए कोरियन एक्सचेंज को 20 मिनट के लिए ट्रेडिंग रोकनी (सर्किट ब्रेकर लगाना) पड़ी।

दिग्गज टेक कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर करीब 13% और एसके हाइनिक्स के शेयर 12% से ज्यादा गिर गए, जिसका सीधा असर भारतीय बाजार के सेंटीमेंट पर पड़ा।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व का डर

मिडल ईस्ट (पश्चिम एशिया) के संकट के कारण कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी ने एक बार फिर वैश्विक स्तर पर महंगाई (महंगाई दर) की चिंता बढ़ा दी है। इसके चलते यह उम्मीद मजबूत हुई है कि ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं। 'सीएमई फेडवॉच टूल' के मुताबिक, ट्रेडर्स अब दिसंबर में अमेरिकी फेड द्वारा ब्याज दरें बढ़ाए जाने की 88% संभावना जता रहे हैं, जो पिछले हफ्ते तक सिर्फ 61% थी।

अमेरिका में उच्च ब्याज दरों और बॉन्ड यील्ड बढ़ने से विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय बाजार से अपना पैसा निकालकर अमेरिकी ट्रेजरी में लगा सकते हैं।

आईटी शेयरों में तेज बिकवाली

सोमवार को मिली थोड़ी राहत के बाद मंगलवार को आईटी शेयरों में एक बार फिर गिरावट का दौर शुरू हो गया। टीसीएस, इंफोसिस, विप्रो और एचसीएल टेक के शेयर 3-3% से ज्यादा टूट गए। इस गिरावट की मुख्य वजह वैश्विक आईटी दिग्गज कंपनी एक्सेंचर द्वारा अपने सालाना रेवेन्यू ग्रोथ के अनुमान को घटाना है। इससे साफ संकेत मिले हैं कि वैश्विक कंपनियां अभी भी डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और आईटी कंसल्टिंग के बड़े प्रोजेक्ट्स पर खर्च करने से कतरा रही हैं, जिसका सीधा असर भारतीय आईटी कंपनियों के कारोबार पर पड़ेगा।

चांदी आज 10,566 सस्ती हुई, इस महीने 36,015 गिरी

सोना 2,522 गिरा, जून में 10,748 की गिरावट

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज 23 जून को गिरावट आई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी 10,566 रुपए घटकर 2.27 लाख रुपए पर आ गई है, जो सोमवार को 2.37 लाख रुपए पर थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,522 रुपए गिरकर 1.45 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले 22 जून को यह 1.47 लाख पर था। सोना के दाम इस महीने 10,748 रुपए और चांदी के 36,015 रुपए गिरे हैं। 1 जून को सोना 1.56 लाख/10 ग्राम और चांदी 3.63 लाख/किलो थी। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है।

31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 31,333 रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए तक पहुंच गई थी। यह चांदी के अब तक की सबसे ज्यादा दाम थे। तब से अब तक 145 दिन में चांदी 1.59 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

8,550 करोड़ खर्च करके भी मेटा को नहीं मिलेगा क्रेड यूजर्स का डेटा, जुकरबर्ग ने इस वजह से की डील

कुणाल शाह

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। दुनिया की दिग्गज सोशल मीडिया कंपनी मेटा अब भारतीय फिनटेक बाजार में एक बहुत बड़ा कदम उठाने जा रही है. मार्क जुकरबर्ग के नेतृत्व वाली यह कंपनी भारत के जाने-माने क्रेडिट कार्ड पेमेंट प्लेटफॉर्म क्रेड में 8,550 करोड़ (करीब 900 मिलियन डॉलर) का भारी निवेश कर रही है. इस मेगा डील के तहत मेटा को क्रेड में 20 फीसदी की बड़ी हिस्सेदारी हासिल होगी.लेकिन, इस सौदे की सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि अरबों रुपये पानी की तरह बहाने के बावजूद मेटा को क्रेड के ग्राहकों का कोई भी निजी डेटा नहीं मिलेगा. क्रेड ने अपने ग्राहकों के भरोसे को प्राथमिकता देते हुए डेटा एक्सेस पर पूरी तरह से 'नो एंट्री' का बोर्ड लगा दिया है. इसके साथ ही कंपनी में लीडरशिप स्तर पर भी बड़ा बदलाव होने जा रहा है, जहां फाउंडर कुणाल शाह कंपनी के दैनिक कामकाज से किनारा कर रहे हैं.

बिना डेटा के 8550 करोड़ का निवेश क्यों

क्रेड के पास इस समय करीब 1.7 करोड़ प्रीमियम सदस्य हैं. ये वे लोग हैं जिनका सिबिल स्कोर बेहतरीन है और जो इस प्लेटफॉर्म पर अपने क्रेडिट कार्ड बिल, बैंकिंग लेनदेन तथा खर्चों से जुड़ी बेहद संवेदनशील वित्तीय जानकारी साझा करते हैं. मेटा मुख्य रूप से विज्ञापनों पर निर्भर कंपनी है, जिसकी नजर हमेशा यूजर डेटा पर रहती है. ऐसे में क्रेड ने मेटा को इस डेटाबेस से दूर रखकर एक बहुत ही सधा हुआ कदम उठाया है. इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि प्लेटफॉर्म पर आम आदमी और प्रीमियम ग्राहकों का डेटा सुरक्षित रहेगा और उनका भरोसा कायम रहेगा. साथ ही, कंपनी भारत के डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून तथा सख्त वित्तीय नियमों के दायरे में पूरी तरह से सुरक्षित रहेगी.इस निवेश के साथ ही क्रेड के भीतर एक नए युग की शुरुआत हो रही है. कंपनी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले फाउंडर कुणाल शाह करीब आठ साल तक कमान संभालने के बाद अब रोजमर्रा के ऑपरेशंस से खुद को अलग कर रहे हैं. अब उनकी जगह मितन संपत को कंपनी के अंतरिम सीईओ की जिम्मेदारी सौंपी गई है. मितन संपत कोई नया चेहरा नहीं हैं. वे साल 2020 से ही क्रेड की रणनीति और फाइनेंस का कामकाज देख रहे हैं.

एनजीओ पर सरकार ने कसा शिकंजा; विदेशी चंदे के नियमों में बड़े बदलाव किए गए, जुर्माने में भारी इजाफा

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। गृह मंत्रालय ने गैर-सरकारी संगठनों की ओर से विदेशी अंशदान प्राप्त करने और उपयोग करने से जुड़े विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, 2010 के तहत कई अपराधों के लिए जुर्माने में संशोधन किया है। सरकार ने सोमवार को एक गजट अधिसूचना के माध्यम से इन आदेशों को अधिसूचित किया। इन संशोधनों का उद्देश्य भारत में एनजीओ द्वारा विदेशी धन के उपयोग में जवाबदेही बढ़ाना है। नियमों को सख्त करके पारदर्शिता सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है। प्रशासनिक खर्चों के लिए प्राप्त अंशदान के 20 फीसदी से अधिक विदेशी अंशदान का उपयोग करने पर एक लाख रुपये या सीमा से अधिक खर्च की गई राशि का 5 फीसदी, जो भी अधिक हो, का जुर्माना लगेगा। सट्टेबाजी गतिविधियों में विदेशी अंशदान का उपयोग करने पर एक लाख रुपये या निवेश की गई राशि का 30 फीसदी, जो भी अधिक हो, का जुर्माना लगेगा। इसके अतिरिक्त, अर्जित लाभ का 100 फीसदी वसूल किया जाएगा। यदि विदेशी अंशदान का उपयोग प्राप्त उद्देश्य के अलावा किसी अन्य उद्देश्य के लिए किया गया, तो एक लाख रुपये या उपयोग की गई राशि का 30 फीसदी, जो भी अधिक हो, का जुर्माना लगाया जाएगा।अधिनियम के उल्लंघन में विदेशी अंशदान स्वीकार करने या उपयोग करने पर भी समान जुर्माना लगेगा। इसमें ऐसे राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में धन का उपयोग करना भी शामिल है जिसके लिए पंजीकरण नहीं मिला है। सरकार ने एफसीआरए नियम, 2011 में कई संशोधन अधिसूचित किए हैं। ये संशोधन भारत में एनजीओ द्वारा विदेशी धन प्राप्त करने और उपयोग करने के तरीके में जवाबदेही को सख्त करते हैं।सरकार ने विदेशी धन प्राप्त करने के नियमों में भी संशोधन किया है। अब एनजीओ को उद्देश्यों और संचालन क्षेत्रों की पूर्वनिर्धारित सूची से चुनना होगा। भारतीय मूल के अलावा विदेशी नागरिकों वाले किसी भी संघ को आमतौर पर विदेशी धन प्राप्त करने के लिए पंजीकरण या पूर्व अनुमति नहीं मिलेगी। हालांकि, सरकार विशेष मामलों में विदेशी नागरिकों को प्रमुख पदाधिकारी बनने की अनुमति दे सकती है। प्रमुख पदाधिकारी की परिभाषा का विस्तार किया गया है। इसमें कंपनी निदेशक, फर्मों के भागीदार, न्यासी और हिंदू अविभाजित परिवार के कर्ता शामिल हैं। पंजीकरण के लिए आवेदन करते समय एनजीओ को अपने सटीक उद्देश्य और संचालन के राज्य या केंद्र शासित प्रदेश बताने होंगे।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 05-47
सूर्यास्त. 18 -49
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष बुधवार 24 June 2026
तिथि - दशमीं 18-12 तक उपरान्त एकादशी
नक्षत्र - चित्रा 13-59 तक उप स्वाति
योग. - परिघ 10-23 तक उप शिव
करण - गर 18-12 तक उप वणिज
विशेष: श्री बटुक भैरव ज.
श्री रामेश्वरम प्रतिष्ठा दि

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन	मे	मिथुन--	05-11 बजे
चंद्र	तुला	मे	कर्क----	07-24 बजे
मंगल	वृष	मे	सिंह---	09-36 बजे
बुध	कर्क	मे	कन्या--	11-42 बजे
गुरु	कर्क	मे	तुला----	13-48 बजे
शुक्र	कर्क	मे	वृश्चिक--	15-58 बजे
शनि	मीन	मे	धनु----	18-11 बजे
राहु	कुंभ	मे	मकर--	20-17 बजे
केतु	सिंह	मे	कुंभ---	22-08 बजे
			मीन---	23-46 बजे
			मेष----	01-22 बजे
			वृष----	03-07 बजे

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-19 से 13-57 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
लाभ 05-46 - 07-23 शुभ	उत्पात18-48 - 20-14 अशुभ
अमृत 07-23 - 09-02 शुभ	शुभ 20-14 - 21-36 शुभ
काल 09-02 - 10-40 अशुभ	अमृत 21-36 - 22-57 शुभ
शुभ 10-40 - 12-19 शुभ	चंचल 22-57 - 00-19 शुभ
रोग 12-19 - 13-57 अशुभ	रोग 00-19 - 01-40 अशुभ
उत्पात13-57 - 15-36 अशुभ	काल 01-40 - 03-02 अशुभ
चंचल 15-36 - 17-14 शुभ	लाभ 03-02 - 04-23 शुभ
लाभ 17-14 - 18-48 शुभ	उत्पात04-23 - 05-46 अशुभ

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आपकी किसी से कोई महत्वपूर्ण बातचीत होने के आसार हैं । टकराव की स्थिति भी बन सकती है या साधारण बातचीत भी हो सकती है । लेकिन यह जो भी हो,इससे आपको सोचने के लिए काफी कुछ मिलेगा और आप पूरे दिन इसी में व्यस्त रहेंगे । आप आज कोई विकर्षण सहन नही करेंगे फिर भी आपको यह महसूस होगा कि इस घटना पर अधिक सोचकर कुछ हासिल नही होगा ।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आपके भावनाओं में बहने की उम्मीद थोड़ी ज्यादा है । किसी छोटी सी बात पर भी आप उदास हो जायेंगे या पुराने बेहतर समय को याद करने लगेंगे । किसी पुराने दोस्त से संपर्क साधने की कोशिश कर सकते हैं । आज आप अपनी वर्त्तमान समस्या को सुलझाने के लिए कोई संतोषजनक समाधान खोजने या किसी की तरफ दोस्ती का हाथ बढाने के मूड में हैं ।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं । आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं। इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए । आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं ।अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं तब भी कार्य में औरों का सहयोग लेने की कोशिश करें ।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
भौतिक सुविधाओं की ओर ध्यान देने के लिए यह काफी अच्छा समय है । अपने सामाजिक जीवन का आनंद उठायें और ऐसे दोस्तों और परिचितों से भी बात करें जिनके सम्पर्क में आप लम्बे समय से नही रहे हैं । आज अपने जाग्रति स्तर में भी बदलाव महसूस करेंगे,जो आपको अचानक ही अनुभव होगा । इस समय अपने मन की बात सुनना ही उचित होगा ।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपकी शांतिपूर्ण मन स्थिति में औरों के सवालों से बाधा पहुचेगी । वे सब यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं कि आपकी निजी और व्यव्सायिक जिंदगी में क्या चल रहा है । आपके किसी करीबी ने ही उन लोगों तक आपकी भविष्य की योजनाओं की जानकारी पहुचाई है लेकिन आप इन सबकी उपेक्षा कर दें और केवल अपने काम पर ध्यान दें ।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आपको समय फिलहाल रेंगता हुआ महसूस हो रहा है । लेकिन धीरज रखें और अपनी उत्सुकता भी बनाये रखें । हालाँकि आपको अपने किसी वादे या किसी निजी सम्बन्ध की खातिर कुछ समय के लिए अपने लक्ष्यों को एक तरफ करना पड़ सकता है । अपने साथी के साथ विवादों और गलतफहमियों से बचें ।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आप अनुभव करेंगे कि आप सामान्य से कुछ अधिक बोल रहे हैं । आप पिछले कुछ समय से चालाकी भरा व्यवहार कर रहे हैं लेकिन आज आप इससे खुद ही परेशानी अनुभव करेंगे । आज आप वह सच्चाई नही उगलना चाहते जो शायद कईयों को अच्छी नही लगेगी । आज के लिए किसी एकान्त कार्यकलाप की योजना बनाएं।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यु,
आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा और बहुत से लोग आपको आपकी दयनीय स्थिति से निकालने के लिए हाथ बढ़ाएंगे । लेकिन आप इस स्थिति में किसी और की गलती की वजह से फंसें हैं,अबकी बार ऐसे लोगों से सावधान रहें । आज आपको अपनी जीत का जश्न मनाना चाहिए ।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज का दिन कुछ अजीब सा रहेगा । कोई ऐसी घटना घट सकती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी ना की होगी । आप गृहों से मिलने वाली ऊर्जा का ध्यान रखें और यह समझने की कोशिश करें कि वे आपको किस दिशा में ले जाना चाहती हैं । जीवन के इस मोड़ पर आपको सही रास्ता मिलना ही आपका आगे का भविष्य तय करेगा ।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप अपने गुस्से के कारण तुरंत प्रतिक्रिया देने के मूड में हैं । लेकिन आपके लिए सुझाव यह है कि अपने दिमाग को शांत रखकर गंभीरता से सोचें । आपके पास अच्छी संचार-कुशलता है और इसे अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करें । तनाव घटाने के लिए,किसी साहसिक यात्रा पर जा सकते हैं लेकिन शारीरिक आनंद के चक्कर में न पड़ें ।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
अपने घर से जुडी किसी अच्छी खबर के लिए तैयार रहें । निवास स्थान में बदलाव संभव है या नया घर खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं । अपनी सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठायें । अगर आप कुछ समय से अपने घर या इसके किसी हिस्से को को नया रूप देने के बारे में सोच रहे हैं तो यह समय इसके लिए बहुत अच्छा है ।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप किसी करीबी को कोई सलाह देंगे और वह इसे बहुत कृतज्ञता के साथ स्वीकार करेगा । आप आज बहुत अच्छे और नरम मूड में हैं ,आज का दिन अपने पुराने दोस्तों से सम्पर्क स्थापित करने के लिए बहुत अच्छा है । अपने किसी पुराने स्कूल के दोस्त से फोन पर बाते क्र लें,आपको बहुत अच्छा लगेगा । पिछले मतभेदों को भुलाकर आगे बढने के लिए भी अच्छा समय है ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

यमुना जल समझौते पर हरियाणा के साथ अंतिम सहमति, क्या हैं समझौते की ख़ास बातें

जयपुर, 23 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को दिल्ली दौरे पर रहे, जहां वे एक महत्वपूर्ण और उच्च स्तरीय अंतर्राज्यीय बैठक में शामिल हुए। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित इस बैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में यमुना जल परियोजना को लेकर दोनों राज्यों के बीच लंबी और निर्णायक चर्चा हुई। इस त्रिपक्षीय बैठक का मुख्य उद्देश्य यमुना नदी के पानी को राजस्थान, विशेष रूप से शेखावाटी क्षेत्र तक पहुंचाने के लिए तैयार किए जा रहे मेमोरेन्डम ऑफ एग्रीमेंट के विभिन्न विधिक और तकनीकी पहलुओं को अंतिम रूप देना था। बैठक में दोनों राज्यों के जल संसाधन विभाग के आला अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया और अपनी तकनीकी रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक के समापन के बाद नई दिल्ली में मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस बैठक को राज्य के सुनहरे भविष्य के लिए मील का पत्थर बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि हरियाणा और राजस्थान की सरकारें केंद्र सरकार के पूर्ण सहयोग से इस वृहद परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए पूरी गति के साथ आगे बढ़ रही हैं।

केन्द्रीय मंत्री सीआर पाटिल और हरियाणा के सीएम नायब सैनी के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के मूर्त रूप लेते ही राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र (चूरू, सीकर और झुंझुनूं) के नागरिकों को पीने के साफ पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। इसके साथ ही, लंबे समय से सिंचाई के पानी की कमी से जूझ रहे शेखावाटी के किसानों को भी पर्याप्त पानी मिलेगा, जिससे इस क्षेत्र का अन्नदाता खुशहाल और समृद्ध हो सकेगा।

मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश के भीतर विभिन्न राज्यों के बीच चल रहे पुराने जल विवादों का त्वरित और शांतिपूर्ण निराकरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने देश के विभिन्न हिस्सों में हुए सफल समझौतों का उदाहरण देते हुए कहा कि हाल ही में ईआरसीपी परियोजना को लेकर दोनों राज्यों के बीच ऐतिहासिक सहमति बनी। यमुना जल के अधिकार को लेकर अब दोनों राज्य मिलकर समाधान की ओर बढ़ चुके हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के बीच भी जल प्रबंधन को लेकर नई योजनाएं बनाई जा रही हैं और विवादों का हल निकाला जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि राजस्थान में यमुना के पानी की मांग दशकों से की जा रही थी। आज की बैठक में इस मांग को विधिक रूप देते हुए परियोजना को आगे बढ़ाया गया है और बहुत जल्द ही प्रधानमंत्री के नेतृत्व में दोनों राज्यों के बीच अंतिम समझौता पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए जाएंगे। यमुना जल परियोजना के तकनीकी विकास को लेकर बैठक में एक महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। इसके तहत राजस्थान तक पानी पहुंचाने के लिए पाइपलाइन बिछाने से संबंधित एक विस्तृत संयुक्त परियोजना रिपोर्ट पूरी तरह से तैयार कर ली गई है।

सीमावर्ती क्षेत्रों में धार्मिक स्थलों पर कार्रवाई गलत? पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने मांगा जवाब

जोधपुर, 23 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जोधपुर में प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ने के मामले में राज्य सरकार पर स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही का आरोप लगाया। साथ ही राज्य के विभिन्न मुद्दों पर भी सरकार की नीतियों की आलोचना की। जोधपुर प्रवास के दौरान सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में पूर्व सीएम गहलोत ने कहा कि कोटा में प्रसूता महिलाओं की मौत और गंभीर संक्रमण बेहद चिंताजनक है। महिलाएं सुरक्षित प्रसव के लिए अस्पताल जाती हैं, लेकिन यदि वहां संक्रमण व मौत हो जाए या किडनी फेल जैसी स्थिति हो जाए तो यह अत्यंत गंभीर है।

बीकानेर और अब जोधपुर से भी ऐसे मामले सामने आने लगे हैं। जिससे जनता में भय है। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि कोटा की घटना के पीछे वास्तविक कारण क्या थे? संक्रमण, ऑपरेशन थिएटर की गड़बड़ी या दवाइयों में कोई समस्या थी, इसकी जानकारी

जनता को दी जानी चाहिए। बिना जांच पूरी हुए यह कहना कि जोधपुर की घटना कोटा जैसी नहीं है, उचित नहीं है।

पूर्व सीएम गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने एम्स और अन्य विशेषज्ञ को जांच के लिए बुलाया है, यह स्वागत योग्य कदम है, लेकिन कोटा की घटना का कारण डेढ़ महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी सरकार स्पष्ट नहीं कर पाई है। स्वास्थ्य व्यवस्था में लापरवाही को जनता बर्दाश्त नहीं करेगी और आवश्यकता पड़ने पर कांग्रेस आंदोलन करेगी।

पूर्व सीएम गहलोत ने स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के बयानों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि उनके बयान लगातार विवादों में रहे हैं। पूर्ववर्ती सरकार की चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना गरीब और अमीर सभी के लिए थी। राजस्थान देश का एकमात्र ऐसा राज्य था, जहां लगभग 90 प्रतिशत जनता इस योजना से जुड़ी थी।आयुष्मान भारत योजना सीमित दायरे वाली योजना है। जो व्यभी नागरिकों के लिए नहीं है।

पूर्व सीएम गहलोत ने सीमावर्ती क्षेत्रों में धार्मिक स्थलों को हटाने की कार्रवाई पर भी आपत्ति जताई। गहलोत ने कहा कि चुन-चुनकर अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है। कुछ गांवों में हिंदू समुदाय की संबंधित इन धार्मिक स्थलों में आस्था रखते हैं। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री से इस संबंध में जवाब देने की मांग की।

पूर्व मुख्यमंत्री ने जयपुर में विकसित कोचिंग हब के बारे में कहा कि पिछली सरकार ने आधुनिक सुविधाओं से युक्त परिसर तैयार किया था, लेकिन वर्तमान सरकार उसका उपयोग नहीं कर रही है। भवन, लाइब्रेरी, फूड कोर्ट और अन्य सुविधाएं तैयार होने के बावजूद परियोजना बंद पड़ी है।

गहलोत ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार की वित्तीय स्थिति कमजोर हो चुकी है। विभिन्न विभागों के भुगतान रुके हुए हैं, दो-दो करोड़ रुपए के चेक जारी नहीं हो रहे हैं। पेंशनधारकों को समय पर पेंशन नहीं मिल रही है। यदि सरकार भुगतान करने में असमर्थ है तो जनता को स्पष्ट रूप से बताना चाहिए। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर गहलोत ने कहा कि पहले इसका मसौदा सामने आने दिया जाए। फिर चर्चा की जाएगी।

गहलोत ने राज्य में बढ़ते अपराध की घटनाओं पर चिंता जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में भ्रष्टाचार ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

किरोड़ी लाल का डोटासरा पर बड़ा आरोप

फर्जी ओबीसी प्रमाण पत्र से बेटे को दिलवाई आरएएस नौकरी, सीएम को चिट्ठी, कहा केस हो

जयपुर, 23 जून (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में बीज निगम रिश्वतकांड को लेकर कांग्रेस और कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के बीच छिड़ी जुबानी जंग अब नए मोड़ पर पहुंच गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा बीज निगम मामले में कृषि मंत्री पर गंभीर आरोप लगाने के बाद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर डोटासरा और उनके रिश्तेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

गोविंद सिंह डोटासरा डॉ. किरोड़ी लाल मीणा

मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में कृषि मंत्री ने आरोप लगाया है कि गोविंद सिंह डोटासरा और उनके समधी रहे पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी रमेश चंद्र पुनिया के परिवार ने कथित रूप से फर्जी ओबीसी नॉन-क्रीमीलेयर प्रमाण पत्र बनवाकर राजस्थान प्रशासनिक सेवा में चयन का लाभ लिया। मंत्री ने मामले में एफआईआर दर्ज कराने और जांच करवाने की मांग की है। पत्र में दावा किया गया है कि आरएएस-2016 परीक्षा में डोटासरा के पुत्र अविनाश सिंह डोटासरा का चयन हुआ था। मंत्री ने आरोप लगाया कि चयन प्रक्रिया में प्रभाव का इस्तेमाल किया गया और ओबीसी नॉन-क्रीमीलेयर प्रमाण पत्र से जुड़ी अनियमितताएं हुईं। पत्र में यह भी कहा गया है कि रमेश चंद्र पुनिया के परिवार के सदस्यों ने भी कथित रूप से इसी श्रेणी का लाभ लेकर विभिन्न भर्तियों में चयन प्राप्त किया।

डॉ. मीणा ने अपने पत्र में पूर्व आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा और रामूराम राइका के कथित बयानों का उल्लेख करते हुए दावा किया है कि चयन प्रक्रिया पर प्रभाव डालने के आरोप पहले भी सामने आ चुके हैं। उन्होंने मामले की स्वतंत्र जांच कराए जाने की मांग की है। कृषि मंत्री ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि मामले में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए जाएं। पत्र में आरोप लगाया गया है कि यदि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सरकारी सेवाओं में चयन हुआ है तो यह गंभीर आपराधिक मामला है और इसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

धूल भरी आंधी के बाद हुई बारिश

26 जून तक येलो अलर्ट जारी

अलवर, 23 जून (एजेंसियां)। पिछले कई दिनों से गर्मी और चिपचिपी उमस से लोग बेहाल हैं। सुबह से ही तेज धूप ने लोगों का जीना मुहाल कर रखा था। लेकिन आज अलवर में दोपहर बाद मौसम ने करवट बदली। आसमान में अचानक काले-घने बादल छा गए, जिससे लोगों को तेज धूप से राहत मिली। सके तुरंत बाद करीब 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज अंधड़ (धूल भरी आंधी) चली। आंधी के कारण एक बार तो सड़कों पर विजिबिलिटी काफी कम हो गई और चारों तरफ धूल का गुबार छा गया। तेज आंधी चलने से सड़कों पर वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान राहत की बात यह है कि अभी तक किसी प्रकार की जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। तेज आंधी के शांत होते ही बादलों की गर्जना के साथ हल्की से मध्यम बारिश का दौर शुरू हो गया। अलवर शहर सहित ग्रामीण इलाकों में हुई इस बारिश ने मौसम को पूरी तरह खुशनुमा बना दिया। ठंडी हवाएं चलने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे पिछले कई दिनों से तवे की तरह तप रहे अलवर को बड़ी राहत मिली है। लोग घरों से बाहर निकलकर इस सुहावने मौसम का लुत्फ उठाते नजर आए। किसानों के चेहरे पर भी इस बारिश को देखकर रौनक लौट आई है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, राजस्थान में इस समय प्री-मानसून की गतिविधियां पूरी तरह सक्रिय हैं। विभाग ने अलवर सहित आसपास के क्षेत्रों के लिए आगामी 26 जून तक आंधी और बारिश का 'येलो अलर्ट' जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले तीन-चार दिनों तक दोपहर बाद या शाम के समय इसी तरह धूल भरी आंधी चलने, आकाशीय बिजली चमकने और हल्की से बारिश होने की पूरी संभावना है। ऐसे में लोगों को खराब मौसम के दौरान पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 48 घंटों में अलवर सहित राज्य के कई अन्य जिलों में भी आंधी-तूफान के साथ झमाझम बारिश देखने को मिल सकती है, जिससे तापमान में 2 से 4 डिग्री तक की गिरावट आएगी।

भरतपुर में जाट समाज की हुंकार

हनुमान बेनीवाल ने आरक्षण न मिलने पर दी आंदोलन की चेतावनी

जाट समाज की आरक्षण हुंकार रैली

भरतपुर, 23 जून (एजेंसियां)। भरतपुर में जाट समाज की ओर से आरक्षण की मांग को लेकर भरतपुर के हीरादास स्थित नुमाइश मैदान में विशाल आरक्षण हुंकार रैली का आयोजन किया गया। रैली में हजारों की संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। सभा के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के सांसद हनुमान बेनीवाल रहे। वहीं भाजपा विधायक डॉ. शैलेश सिंह और जगत सिंह सहित कई जनप्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

सभा के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए सांसद हनुमान बेनीवाल ने राज्य सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री लोकतांत्रिक मूल्यों की अनदेखी कर रहे हैं और जाट समाज की मांगों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। बेनीवाल ने कहा कि यदि सरकार ने समय रहते जाट समाज की मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा।

उन्होंने दावा किया कि रैली में आने वाले कई लोगों को रास्ते में रोका गया। यदि लोगों को नहीं रोका जाता तो सभा में 20 हजार से अधिक लोगों की भागीदारी होती। उन्होंने कहा कि नागौर और बाड़मेर सहित कई जिलों से आने वाले समर्थकों को भी रोका गया।

सभा के समापन के बाद जाट आरक्षण संघर्ष समिति की ओर से सांसद हनुमान बेनीवाल को आरक्षण संबंधी मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। समिति के प्रतिनिधि नेम सिंह ने कहा कि जाट समाज वर्षों से आरक्षण के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस विशाल सभा के माध्यम से सरकार को स्पष्ट संदेश दिया गया है कि युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए जल्द निर्णय लिया जाए।

नेम सिंह ने बताया कि सांसद हनुमान बेनीवाल आगामी जुलाई में शुरू होने वाले संसद सत्र के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष भी जाट आरक्षण का मुद्दा उठाएंगे और समाज की मांगों को मजबूती से रखेंगे।

एसआई भर्ती 2021 पेपरलीक में एक और गिरफ्तार

400 में से लाए 328 नंबर, फिर इंटरव्यू में हुआ था फेल

जयपुर, 23 जून (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस के विशेष ऑपरेशंस समूह (एसओजी) ने उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा-2021 प्रश्नपत्र लीक मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी मनीष दाधीच ने आरपीएससी (राजस्थान लोक सेवा आयोग) सदस्य बाबूलाल कटारा द्वारा कथित रूप से परीक्षा से पहले लीक किए गए प्रश्न पत्र हासिल किए और अनुचित लाभ उठाकर परीक्षा उत्तीर्ण की।

उन्होंने बताया कि जांच में यह भी खुलासा हुआ कि मनीष ने अपने भाई पुरुषोत्तम दाधीच और संदीप कुमार लाटा के जरिए लीक प्रश्नपत्र पेपर हासिल किया था और परीक्षा से पहले पढ़कर उसने लिखित परीक्षा दी। इसके परिणामस्वरूप मनीष ने हिंदी विषय में 200 में से 170.08 अंक और सामान्य ज्ञान में 200 में से 158.69 अंक प्राप्त किए थे। यानी कुल 400 में से 328 नंबर हासिल किए थे। साक्षात्कार में न्यूनतम निर्धारित अंक नहीं मिलने के कारण उसका अंतिम चयन नहीं हो सका।

उन्होंने बताया कि पुरुषोत्तम दाधीच को दो जून 2025 और संदीप कुमार लाटा को चार जून 2025 को गिरफ्तार किया गया था। उनके खिलाफ 31 जुलाई 2025 को अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया था और दोनों फिलहाल जमानत पर हैं। पुलिस ने बताया कि मनीष लंबे समय से फरार था और उसकी गिरफ्तारी पर 10,000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था। उसे 19 जून 2026 को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 23 जून तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

लिव-इन में रहना है तो करवाना होगा रजिस्ट्रेशन

जयपुर, 23 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में अब जल्द ही व्यक्तिगत कानूनों की व्यवस्था हमेशा के लिए बदलने वाली है। राज्य की भजनलाल सरकार प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। मंत्रिपरिषद की ओर से लिए गए फैसले के बाद अब 'राजस्थान समान नागरिक संहिता 2026' विधेयक को विधानसभा में लाने की तैयारी पूरी कर ली गई है।

इस नए कानून के लागू होते ही प्रदेश में सालों से चले आ रहे हिंदू कोड और मुस्लिम पर्सनल लॉ जैसे धार्मिक कानून खत्म हो जाएंगे। शादी, तलाक से लेकर संपत्ति के अधिकार तक, हर धर्म के नागरिक के लिए सिर्फ एक ही कानून होगा।

प्रस्तावित यूसीसी कानून में सबसे बड़ा और चौंकाने वाला बदलाव युवाओं की लाइफस्टाइल को लेकर होने जा रहा है। नए नियमों के मुताबिक, राजस्थान में अब कोई भी जोड़ा बिना रजिस्ट्रेशन के लिव-इन रिलेशनशिप में नहीं रह सकेगा। अगर कोई लिव-इन में रहना चाहता है, तो उसे सरकारी रिकॉर्ड में इसका पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। ऐसा न करने पर कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। यह कदम सुरक्षा

लिव-इन रिलेशनशिप का रजिस्ट्रेशन होगा अनिवार्य

और सामाजिक पारदर्शिता को ध्यान में रखकर उठाया जा रहा है।

राजस्थान यूसीसी के लागू होने के बाद प्रदेश में कई बड़े सामाजिक बदलाव देखने को मिलेंगे- एक से ज्यादा शादी पर रोकः किसी भी धर्म या समुदाय का व्यक्ति अब एक से ज्यादा विवाह नहीं कर सकेगा।

शादी-तलाक का अनिवार्य पंजीकरणः हर शादी और तलाक का सरकारी तौर पर रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। संपत्ति में समान अधिकारः पैतृक संपत्ति और उत्तराधिकार के मामलों में बेटे और बेटी को बिल्कुल एक समान अधिकार मिलेगा।

गोद और भरण-पोषणः बच्चा गोद लेने और तलाक के बाद गुजारा भत्ता देने के नियम भी सभी मजहबों के लिए एक जैसे होंगे।

राजस्थान की एक बड़ी आबादी जनजातीय क्षेत्रों में रहती है, जिनकी अपनी अनूठी परंपराएं हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि आदिवासियों की संस्कृति को अक्षुण्ण रखने के लिए जनजातियों को इस कानून के दायरे से बाहर रखा गया है।

इस कानून का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त जज रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। इस समिति में सेवानिवृत्त आईएएस शत्रुघ्न सिंह, अतिरिक्त महाधिवक्ता बसंत सिंह छाबा, सेवानिवृत्त प्राचार्य रामस्वरूप अग्रवाल और डॉ. शुचि चौहान को सदस्य बनाया गया है, जबकि गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव इसके सदस्य सचिव होंगे।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 44 राज्य को देश के सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने का निर्देश देता है। राजस्थान सरकार इसी संवैधानिक भावना के तहत यह कदम उठा रही है।

आपको बता दें कि देश में उत्तराखंड और गुजरात पहले ही इसे लागू कर चुके हैं, जबकि असम में राष्ट्रपति की मुहर लगना बाकी है। अब राजस्थान भी इस कतार में शामिल होकर इतिहास रचने की दहलीज पर खड़ा है।

दहेज के लिए की थी पत्नी और मासूम बेटी की हत्या, 9 साल बाद मिला इंसाफ

पति को उम्रकैद, सास-ससुर को भी सजा

जोधपुर, 23 जून (एजेंसियां)। दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ना झेल रही एक विवाहिता और उसकी डेढ़ वर्षीय पुत्री की हत्या के नौ वर्ष पुराने मामले में जिला एवं सेशन न्यायालय, फलोदी ने अहम फैसला सुनाते हुए मुख्य आरोपी पति को दोषी करार दिया है। अदालत ने मामले में साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर पति को विभिन्न धाराओं में सजा सुनाई, वहीं सास-ससुर को भी साक्ष्य मिटाने के मामले में दोषी माना गया। जिला एवं सेशन न्यायाधीश चक्रवर्ती महेचा की अदालत ने वर्ष 2017 के चर्चित दहेज हत्या प्रकरण में यह निर्णय सुनाया। मामला पुलिस थाना जांबा क्षेत्र के धोलासर गांव का है, जहां दहेज की मांग को लेकर विवाहिता समता को लगातार प्रताड़ित किए जाने का आरोप था। करीब नौ साल पहले 21 मार्च 2017 को मृतका के भाई हुकमाराम ने जांबा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि बहन समता को उसका पति लक्ष्मणराम, सास छोटी देवी, ससुर घेवरराम तथा अन्य परिजन दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करते थे। कई बार समझाइश के बावजूद प्रताड़ना का सिलसिला नहीं रुका। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया कि 19 मार्च 2017 को समता और उसकी डेढ़ वर्षीय पुत्री सरोज की हत्या कर दी गई तथा साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शवों को दफनाकर अंतिम संस्कार कर दिया गया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विस्तृत जांच की और पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर पति लक्ष्मणराम, सास छोटी देवी और ससुर घेवरराम के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र पेश किया। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने कई गवाह और दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किए। लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने पति लक्ष्मणराम को दहेज प्रताड़ना, दहेज मृत्यु, साक्ष्य मिटाने और दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत दोषी माना।

मिनी बैंकों में 11 करोड़ से अधिक का घोटाला

किसानों-मजदूरों की गाढ़ी कमाई डूबी, उठे गंभीर सवाल

श्रीगंगानगर, 23 जून (एजेंसियां)। ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाने और किसान-मजदूरों की छोटी बचत को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से संचालित मिनी बैंक अब सहकारी व्यवस्था के लिए चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। जिले की 127 ग्राम सेवा सहकारी समितियों में संचालित मिनी बैंकों में करीब 150 करोड़ रुपए की जमा राशि निवेशित है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में सामने आए करोड़ों रुपए के गबन और वित्तीय अनियमितताओं के मामलों ने इन संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

श्रीगंगानगर जिले में कई मिनी बैंकों में वित्तीय अनियमितताओं का खुलासा हो चुका है। जैतसर क्षेत्र के 2 जीबी-ए मिनी बैंक में 8.92 करोड़ रुपए की अनियमितता सबसे बड़ा मामला है। इसके अलावा जानकीदासवाला और डूंगरसिंहपुरा समितियों में करीब एक-एक करोड़ रुपए, 4-ओ ग्राम सेवा सहकारी समिति में 50 लाख रुपए से अधिक तथा 10 जैड समिति में 16 लाख रुपए की गड़बड़ी सामने आ चुकी है। जांच में रिकॉर्ड में हेरफेर, फर्जी प्रविष्टियां और जमा राशि के दुरुपयोग जैसे आरोप सामने आए हैं।

फार्मा कंपनी का डीलर बनकर नशे की तस्करी, फिर खुद ही बनाने लगा नकली दवा, पुलिस ने कसा शिकंजा

श्रीगंगानगर, 23 जून (एजेंसियां)। नशा तस्कर अश्विनी शर्मा के खिलाफ कानूनी शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। श्रीगंगानगर शहर सदर पुलिस पहले से ही 4.68 लाख नशीली गोलियां और कैप्सूल बरामदगी के मामले में उसकी तलाश कर रही है। आरोपी के खिलाफ एक और मामला दर्ज किया गया है। हिमाचल प्रदेश स्थित विनमैक्स हेल्थकेयर फर्म के संचालक शशिभूषण काजल ने अपनी फर्म के नाम और ब्रांड का कथित रूप से दुरुपयोग कर नकली एवं कथित नशीली दवाइयों के निर्माण और बिक्री का आरोप लगाते हुए सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

हरियाणा के पानीपत निवासी एवं विनमैक्स हेल्थकेयर के संचालक शशिभूषण काजल पुत्र धर्मपाल ने अपनी रिपोर्ट में श्रीगंगानगर निवासी अश्वनी शर्मा, जेएमडी ट्रेडर्स के प्रोपराइटर इकबाल सिंह तथा अन्य व्यक्तियों पर उनकी फर्म के नाम से कथित रूप से नकली एवं नशीली दवाइयों का निर्माण, भंडारण, परिवहन और विक्रय करने का आरोप लगाया है। रिपोर्ट में काजल ने बताया कि उनकी फर्म विनमैक्स हेल्थकेयर, विलेज जोहरान, त्रिलोकपुर रोड, कालाअंब, तहसील नाहन, जिला सिरमौर (हिमाचल प्रदेश) स्थित है, जो 4 मार्च 2025 को ड्रग्स विभाग नाहन में पंजीकृत हुई थी और 3 मार्च 2030 तक वैध है। उन्होंने बताया कि वे वर्ष 2017-18 से अश्विनी शर्मा को जानते हैं।

गोदारा गैंग का फाइनेंसर गिरफ्तार, क्रिप्टोकरेंसी के जरिए गैंगस्टर तक पहुंचाते थे पैसे

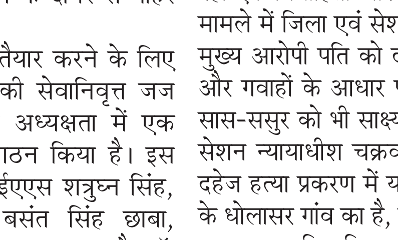

गैंगस्टर नेटवर्क से जुड़े दो युवक दबोचे गए

बीकानेर, 23 जून (एजेंसियां)। साइबर अपराध और संगठित अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बीकानेर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। साइबर थाना पुलिस ने दो ऐसे युवकों को गिरफ्तार किया है, जिन पर साइबर ठगी से हासिल रकम को गैंगस्टर रोहित गोदारा गिरोह तक पहुंचाने का आरोप है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ठगी से प्राप्त धनराशि को हवाला और क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से विभिन्न चैनलों में ट्रांसफर किया जाता था।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी देशभर में सक्रिय साइबर ठगों के संपर्क में थे। ठगी से प्राप्त रकम पहले अलग-अलग बैंक खातों में जमा करवाई जाती थी। इसके बाद तकनीकी माध्यमों का उपयोग कर उसे क्रिप्टोकरेंसी में परिवर्तित किया जाता और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचाया जाता था। जांच में हवाला नेटवर्क के जरिए भी धन के लेन-देन के संकेत मिले हैं।

ट्रैफिक ड्यूटी प्रशिक्षण प्राप्त पुलिस कर्मियों के साथ सीपी की समीक्षा बैठक

सड़क पर अनुशासन बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत ट्रैफिक ड्यूटी के लिए विशेष प्रशिक्षण प्राप्त 150 ग्रेहाउंड्स पुलिस कर्मियों के साथ आज साइबराबाद पुलिस आयुक्त कार्यालय के ऑडिटोरियम में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ.एम. रमेश ने की, जिसमें उन्होंने प्रशिक्षण पूरा करने वाले जवानों से संवाद किया और उनसे प्रशिक्षण के दौरान सीखी गई बातों की जानकारी ली। आयुक्त ने पुलिस कर्मियों को ट्रैफिक व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संचालित करने, नागरिकों के साथ शालीन व्यवहार करने तथा सड़क पर अनुशासन बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशिक्षण के दौरान ट्रैफिक प्रबंधन, ट्रैफिक इंजीनियरिंग और संबंधित कानूनी पहलुओं पर इंडोर और आउटडोर सत्रों के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी गई थी। उन्होंने विशेष रूप से हेलमेट उपयोग, लेन अनुशासन, गलत दिशा में वाहन चलाना और नशे में ड्राइविंग जैसे उल्लंघनों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि ट्रैफिक कार्यों में बाधा डालने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाए और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जनजागरूकता बढ़ाई जाए। आईटी कॉरिडोर जैसे व्यस्त क्षेत्रों में विशेष सतर्कता के साथ ड्यूटी करने और बरसात के मौसम में अतिरिक्त सावधानी बरतने पर भी जोर दिया गया। आयुक्त ने कहा कि पुलिसकर्मी सेवा भावना के साथ कार्य करें ताकि आम जनता का पुलिस पर विश्वास और मजबूत हो। उन्होंने यह भी कहा कि हर जवान अपने व्यवहार और कार्यक्षमता से पुलिस विभाग की छवि को और बेहतर बनाए। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त टी. अन्नपूर्णा, एसबी डीसीपी सुधींद्र, ट्रैफिक डीसीपी शेषाद्रि रेड्डी, साइबर क्राइम डीसीपी साई मनोहर, सीएआर एवं हेडक्वार्टर डीसीपी संजीव, शेरिलिंगमपल्ली ट्रैफिक एडीसीपी हनुमंत राव, ट्रैफिक एडमिन एडीसीपी नरेंद्र सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

युवा पर्यटन क्लबों के पंजीकरण में तेलंगाना देश में शीर्ष पर

पर्यटन विभाग ने रणनीतिक बैठक आयोजित की

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पंजीकरण में भारत का अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। देशभर में दर्ज 9,000 पंजीकरणों में से लगभग 5,000 पंजीकरण तेलंगाना में हुए हैं। इस उपलब्धि को मंगलवार को हैदराबाद में तेलंगाना पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित एक मार्गदर्शन बैठक के दौरान उजागर किया गया। विभाग युवा पर्यटन क्लब और तेलंगाना दर्शनी कार्यक्रम को लागू कर रहा है ताकि छात्रों को राज्य की समृद्ध पर्यटन, सांस्कृतिक, विरासत और पारिस्थितिक संपत्तियों के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके और साथ ही युवाओं के बीच जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके। बेगमपेट स्थित टूरिज्म प्लाजा होटल में आयोजित बैठक में दोनों पहलों के तहत परिचालन ढांचा, संस्थागत समन्वय, छात्र भागीदारी और जागरूकता सृजन गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

एपी महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने महेश नवमी मनी

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। प्रमुख मल्टी-स्टेट शेड्यूल्ड बैंक आंध्र प्रदेश महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने आज 23 जून को हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित रोड नंबर 12 पर अपने हेड ऑफिस में महेश नवमी का त्योहार धूमधाम से मनाया। इस समारोह में बैंक के वाइस-चेयरमैन गोविंद नारायणजी राठी, पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार बंग, पूर्व वाइस-चेयरमैन लक्ष्मी नारायण राठी, डायरेक्टर देवेंद्र झावर, विनोद कुमार बंग, रूपेश सोनी और जी. श्रीनिवास राव जीएम और सीईओ तथा कमल किशोरजी राठी (जनरल मैनेजर) और बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। महेश नवमी का त्योहार माहेश्वरी समुदाय की उत्पत्ति का प्रतीक है और इसे समुदाय का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार माना जाता है। इस शुभ अवसर पर, समुदाय के सदस्य गहरी आस्था, भक्ति और श्रद्धा के साथ भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा-अर्चना करते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। यह त्योहार माहेश्वरी समुदाय के आध्यात्मिक मूल्यों, सांस्कृतिक विरासत, एकता और समृद्ध परंपराओं का प्रतीक है।

वाइस-चेयरमैन गोविंद नारायणजी राठी ने भक्तिपूर्ण दीप प्रज्वलित किया और सभी प्रतिभागियों के साथ पूजा-अर्चना की। गोविंद नारायणजी राठी ने सभी प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और अन्य डायरेक्टरों के साथ मिलकर पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार बंग और पूर्व वाइस-चेयरमैन लक्ष्मी नारायण राठी का सम्मान किया। बता दें कि महेश बैंक 4 राज्यों - तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में फैली 45 शाखाओं के नेटवर्क के साथ काम कर रहा है। बैंक अपने सिद्धांतों को बनाए रखते हुए खुद को एक ऐसे संगठन के रूप में बदल रहा है जो भविष्य के लिए स्पष्ट विजन के साथ नवीनतम तकनीकी सुविधाओं से युक्त सेवाएं प्रदान करता है। वर्तमान में बैंक का कुल बिजनेस (बिज़नेस मिक्स) 3079.00 करोड़ रुपये है।

मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव आयोजित

सरकारी अस्पतालों की मदद के लिए 1000 यूनिट ब्लड इकट्ठा किया

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हाईटेक सिटी में स्थित सिंधु हॉस्पिटल्स ने एक ही ड्राइव में 1000 यूनिट से ज़्यादा ब्लड इकट्ठा करने के लिए सफलतापूर्वक एक मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव आयोजित की। इस ड्राइव में सिंधु हॉस्पिटल्स और हेटेरो ग्रुप ऑफ़ कंपनीज़ के कर्मचारियों के साथ-साथ वॉलंटियर्स और आम लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। यह पहल सिंधु हॉस्पिटल्स और हेटेरो ग्रुप ऑफ़ कंपनीज़ के चेयरमैन डॉ.एम. पार्थसारथी रेड्डी के मार्गदर्शन में की गई, जो हमेशा कम्युनिटी-आधारित हेल्थकेयर पहलों को बढ़ावा देते रहे हैं। इस ड्राइव का उद्घाटन हेटेरो हेल्थकेयर के मैनेजिंग डायरेक्टर एम. श्रीनिवास रेड्डी ने किया। हेल्थकेयर में ब्लड सबसे ज़रूरी संसाधनों में से एक है। थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया, ल्यूकेमिया और कई तरह के कैंसर जैसी बीमारियों से जूझ रहे मरीज़ों को ज़िंदा रहने के लिए नियमित रूप से ब्लड ट्रांसफ्यूज़न की ज़रूरत होती है।

सरकारी हेल्थकेयर संस्थानों में ब्लड की कमी को दूर करने में मदद के लिए, ड्राइव के दौरान इकट्ठा किया गया ब्लड प्रमुख सरकारी अस्पतालों को दिया गया, जिनमें उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल, गांधी हॉस्पिटल, निज़ाम्स इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज़ और एमएनजे इंस्टीट्यूट ऑफ़ ऑन्कोलॉजी एंड रीजनल कैंसर सेंटर शामिल हैं। यह योगदान इन संस्थानों में उन मरीज़ों की मदद करेगा जिन्हें तुरंत ट्रांसफ्यूज़न और क्रिटिकल केयर इलाज की ज़रूरत है। सिंधु हॉस्पिटल्स भारत के सबसे बड़े नॉन-प्रॉफिट, कैंसर पर केंद्रित मल्टी-सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों में से एक है। 22 लाख वर्ग फुट में फैले और 18 मंज़िलों वाले इस अस्पताल में 30 से ज़्यादा स्पेशलिटीज़ में व्यापक देखभाल की सुविधा है।

शौकिया खिलाड़ियों के बीच लोकप्रिय हो रहा है नया पैडल खेल 'जैपमिंटन'

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पैडल और रैकेट खेलों का मिश्रण माने जाने वाला नया खेल 'जैपमिंटन' शौकिया खिलाड़ियों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। इसे घर के अंदर या बाहर लगभग कहीं भी खेला जा सकता है, जिससे यह परिवार और दोस्तों के लिए एक सुविधाजनक विकल्प बनकर उभरा है। बैडमिंटन और पैडल खेलों के तत्वों को मिलाकर तैयार किए गए इस खेल में विशेष पैडल, डिज़ाइन की गई चिड़िया और एक पोर्टेबल नेट का इस्तेमाल होता है, जिसे बिना किसी स्थायी कोर्ट के कुछ ही मिनटों में लगाया जा सकता है। मोमबत्ती निर्माता अनुष्का राज ने बताया कि वह और उनके पति इसे अपने घर के लिविंग रूम में भी खेलते हैं और दोस्तों के घर जाते समय भी साथ ले जाते हैं। वहीं, अकाउंटेंट सोनाली ने कहा कि काम और पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण नियमित रूप से कोर्ट पर खेलना मुश्किल हो गया था, लेकिन जैपमिंटन ने उन्हें परिवार के साथ आसानी से समय बिताने का अवसर दिया है।

जमीन हड़पने व वसूली के आरोपी को चादरघाट पुलिस ने किया गिरफ्तार

फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लोगों को करता था परेशान

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। चादरघाट पुलिस ने जमीन हड़पने, जालसाजी, आपराधिक षड्यंत्र और रंगदारी वसूली जैसे मामलों में शामिल एक आदतन अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 61 वर्षीय मोहम्मद अब्दुल कुद्दूस के रूप में हुई है, जो हैदराबाद के बंडलगुड़ा क्षेत्र का निवासी है। पुलिस के अनुसार, बीते 2 मई को व्यवसायी मोहम्मद नजमुद्दीन शाकिर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी पुश्तैनी संपत्ति, जिसे उनकी दादी अमीना बी ने वर्ष 1966 और 1967 में विधिवत पंजीकृत बिक्री विलेखों के माध्यम से खरीदा था, पर आरोपी ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर दावा किया। शिकायतकर्ता के परिवार को यह संपत्ति उपहार विलेखों और वसीयत के माध्यम से कानूनी रूप से प्राप्त हुई थी। शिकायत में बताया गया कि वर्ष 2025 में जीएचएमसी से निर्माण अनुमति प्राप्त कर संपत्ति पर निर्माण कार्य शुरू किया गया। इसी दौरान आरोपी मोहम्मद अब्दुल कुद्दूस ने फर्जी हिबानामा और जाली स्टांप पेपरों के आधार पर संपत्ति के एक हिस्से पर स्वामित्व का दावा करते हुए अदालतों में दीवानी मुकदमे और रिट याचिकाएं दायर कीं। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी के सहयोगी राजा ने शिकायतकर्ता के घर जाकर कुद्दूस की ओर से 10 लाख रुपये की मांग की और रकम नहीं देने पर झूठे आपराधिक मुकदमों में फंसाने की धमकी दी। बाद में दोनों आरोपियों ने मिलकर शिकायतकर्ता को डराने-धमकाने का प्रयास किया। पुलिस के मुताबिक, कुद्दूस का अपराध करने का तरीका सुनियोजित था। वह अखबारों में बिक्री के लिए प्रकाशित संपत्तियों और नई इमारतों की पहचान करता था। इसके बाद एक ही फर्जी दस्तावेज

संख्या (183174) का उपयोग कर नकली हिबानामा तैयार करता और संपत्तियों पर झूठा दावा पेश करता था। इसके बाद वह अदालतों में मुकदमे दायर कर वास्तविक मालिकों को कानूनी विवादों में उलझाता और अपने सहयोगियों के माध्यम से लंबी मुकदमेबाजी तथा झूठे मामलों की धमकी देकर धन उगाही करता था। पुलिस का दावा है कि आरोपी इस तरीके से विभिन्न संपत्ति मालिकों से लगभग 40 लाख रुपये की अवैध वसूली कर चुका है। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी कर्नाटक के बेंगलुरु में छिपा हुआ है। आवश्यक अनुमति प्राप्त करने के बाद विशेष पुलिस टीम को वहां भेजा गया। 22 जून को दोपहर 12:30 बजे आरोपी को उसके पुत्र के गंगानगर स्थित आवास से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के खिलाफ वर्ष 2014 और 2015 में धोखाधड़ी, जालसाजी, रंगदारी और आपराधिक धमकी से जुड़े कई मामले दर्ज हैं। इसके अलावा वर्ष 2026 में चादरघाट थाने में भी उसके खिलाफ कई आपराधिक प्रकरण दर्ज किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपी को 23 जून 2026 को नामपल्ली स्थित अष्टम अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। पुलिस ने आगे की जांच पूरी करने के लिए उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने का अनुरोध किया है।

चारमीनार जोन के पुलिस उपायुक्त ने आरोपी की गिरफ्तारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले चादरघाट थाने के सब-इंस्पेक्टर एम. सुरेश रेड्डी और उनकी टीम की सराहना की है। पुलिस ने नागरिकों से संपत्ति संबंधी धोखाधड़ी और वसूली करने वाले ऐसे तत्वों से सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है।

एक नागरिक-एक वोट सिद्धांत का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं : डॉ. दासोजू

बीआरएस पार्टी द्वारा चुनाव आयोग को 15 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा गया

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एक नागरिक-एक वोट के सिद्धांत के उल्लंघन और फर्जी वोटिंग नेटवर्क के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी देते हुए बीआरएस के वरिष्ठ नेता एवं एमएलसी डॉ. श्रवण दासोजू ने कहा है कि राज्य में डुप्लीकेट और फर्जी वोटों की व्यवस्था को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसे पूरी तरह समाप्त किया जाएगा। यह बयान आगामी 25 जून 2026 से तेलंगाना में शुरू होने वाले स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) कार्यक्रम के संदर्भ में आया है।

डॉ. दासोजू के नेतृत्व में बीआरएस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने इस मुद्दे को लेकर भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य चुनाव अधिकारी से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा। इस प्रतिनिधिमंडल में पूर्व सांसद रावुला चंद्रशेखर रेड्डी, पूर्व एमएलसी कार्ने प्रभाकर, पार्टी महासचिव सोमा भारत तथा अन्य वरिष्ठ नेता शामिल थे। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत यदि किसी व्यक्ति के पास दो स्थानों पर वोट दर्ज हैं तो यह कानूनी अपराध है और इसके लिए एक वर्ष तक की सजा का प्रावधान है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि यदि किसी के नाम पर दो वोट दर्ज हैं तो तुरंत सुधार कराएं। उन्होंने आगे कहा कि हैदराबाद जैसे महानगरों में बड़ी संख्या में अन्य राज्यों से आए लोगों के दोहरे मतदान के मामलों को रोकने के लिए चुनाव आयोग को तकनीकी और समन्वित कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने अंतर-राज्यीय डुप्लीकेट वोटिंग को लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती बताया। बीआरएस पार्टी द्वारा चुनाव आयोग को 15 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा गया है, जिसमें मतदाता सूची के पारदर्शी सत्यापन, फर्जी वोटों की पहचान के लिए डिजिटल तकनीक के उपयोग, और वास्तविक मतदाताओं के नाम बिना नोटिस हटाए जाने से सुरक्षा जैसी मांगें शामिल हैं। डॉ. दासोजू ने यह भी कहा कि पार्टी स्तर पर सभी विधानसभा क्षेत्रों में एसआईआर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, ताकि बूथ स्तर के अधिकारी और एजेंट मिलकर मतदाता सूची को अधिक पारदर्शी और सटीक बना सकें। उन्होंने संकेत दिया कि वे जल्द ही दिल्ली में केंद्रीय चुनाव आयोग से भी मुलाकात कर विस्तृत ज्ञापन सौंपेंगे।

बलिदान दिवस पर भाजपा कार्यालय नामपल्ली में एन रामचंदर राव अध्यक्ष टीजी भाजपा, बंडारू दत्तात्रेय, विद्यासागर, जामबाग के पूर्व पार्षद राकेश जयसवाल, एन गौतम, वेंकट रमण, पूर्व विधायक प्रेमसिंह राठौड़ जी के साथ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को विनम्र पुष्पांजलि अर्पित की गई।

आदर्श गांवों के निर्माण में टीमवर्क महत्वपूर्ण : मंत्री सीतक्का

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री सीतक्का ने मंगलवार को इस बात पर जोर दिया कि सभी सरकारी विभागों के समन्वित प्रयासों से ही गांवों को आदर्श बस्तियों में बदला जा सकता है।

ज्योतिराव फुले प्रजा भवन में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ सात घंटे की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री ने कहा कि ग्रामीण विकास केवल सड़कों और इमारतों तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक परिवार के जीवन स्तर में सुधार पर केंद्रित होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को दो महीने के भीतर ग्रामवार व्यापक विकास योजनाएं तैयार करने और ठोस परिणाम प्राप्त करने के लिए एक टीम के रूप में काम करने का निर्देश दिया। ग्रामीण विकास और पंचायत राज विभागों द्वारा प्रतिवर्ष 34,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जाने और लगभग 1.35 लाख कर्मचारियों के कार्यरत होने का उल्लेख करते हुए, सीतक्का ने कहा कि परिणाम निवेश के पैमाने के अनुरूप होने चाहिए।] उन्होंने सार्वजनिक धन के दुरूपयोग के खिलाफ चेतावनी दी और स्थानीय निकायों के व्यय की कड़ी निगरानी का निर्देश दिया। मंत्री ने जल संरक्षण पर भी जोर दिया और कुओं के जीर्णोद्धार, जल निकायों के संरक्षण और प्रत्येक गांव में जल पुनर्भरण संरचनाओं के निर्माण का आह्वान किया। उन्होंने भूजल स्तर में सुधार लाने के उद्देश्य से जारी 'जलसिरी' जागरूकता पोस्टर का अनावरण किया। उन्होंने मिशन भागीरथा के अधिकारियों को मानसून के दौरान निर्बाध रूप से सुरक्षित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए जल की गुणवत्ता के बारे में जनता में जागरूकता बढ़ाने का भी आग्रह किया। आदिवासी क्षेत्रों में पीएमजीएसवाई सड़क परियोजनाओं के लिए वन मंजूरी में देरी पर चिंता व्यक्त करते हुए, सीतक्का ने कहा कि इस महीने के अंत में होने वाली बैठकों के दौरान केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ इस मुद्दे को उठाया जाएगा।

एक-दिवसीय संयुक्त हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सीएसआईआर-सीसीएमबी में एनजीआरआई एवं आईआईसीटी के संयुक्त तत्वावधान में एक-दिवसीय संयुक्त हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र का संचालन सीसीएमबी की हिंदी अधिकारी, श्रीमती नूपुर रानी प्रसाद ने किया।

उद्घाटन सत्र के दौरान सीसीएमबी के निदेशक डॉ. विनय कुमार नंदीकूरी, जे एल खोंगसाई, प्रशासन नियंत्रक- सीसीएमबी, सी श्याम सुंदर, प्रशासन नियंत्रक- सीसीएमबी, एम. आनंद कुमार, प्रशासन नियंत्रक-आईआईसीटी मंच पर उपस्थित थे।

निदेशक महोदय ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने और दैनिक कामकाज में हिंदी के प्रयोग को और अधिक सहज बनाने के लिए कार्यशाला आयोजित की जानी आवश्यक है। एक राष्ट्र के रूप में, अपनी राजभाषा को समृद्ध करना और उसमें काम करना हमारा न केवल संवैधानिक कर्तव्य है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक पहचान का भी प्रतीक है। उन्होंने सभी

कर्मचारियों को जहां तक संभव हो सके कार्यालय के काम हिंदी भाषा में करने के निर्देश दिये।

प्रशासन नियंत्रक सी श्याम सुंदर ने अपने संबोधन में कहा कि संघ की राजभाषा हिंदी सबसे ज्यादा प्रयोग की जाने वाली भाषा है। साथ ही उन्होंने पारिभाषिक और तकनीकी शब्दावली के प्रयोग पर भी जोर दिया। सीसीएमबी के प्रशासन नियंत्रक जे एल खोंगसाई ने कहा कि तीनों प्रयोगशालाओं द्वारा संयुक्त रूप से हिंदी कार्यशाला का चलाया जाना एक सार्थक प्रयास है।

आईआईसीटी के प्रशासन नियंत्रक एम. आनंद कुमार ने अपने कहा कि आज हिंदी राजनीतिक और बाज़ार सभी की ज़रूरत बनती जा रही है। कार्यशाला के प्रथम सत्र में हिंदी शिक्षण योजना एवं केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण उप संस्थान हैदराबाद से सहायक निदेशक संतोष कुमार, ने 'कार्यालय परिप्रेक्ष्य में राजभाषा नियम, अधिनियम एवं उपबंधों का अनुपालन' विषय पर सत्र का संचालन करते हुए कार्यालय के नियमित कार्यों में हिंदी का सहज उपयोग के विषय में जानकारी दी।

दूसरे सत्र में हिंदी शिक्षण योजना एवं केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण उप संस्थान हैदराबाद से कमालुद्दीन सहायक निदेशक (सेवानिवृत्त), ने 'नोटिंग-ड्राफ्टिंग, पत्राचार लेखन एवं प्रशासनिक शब्दावली' विषय पर हिंदी में व्याख्यान दिया।

तीसरे सत्र का संचालन सीएसआईआर-आईआईसीटी के हिंदी अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार ने राजभाषा कार्यान्वयन में डिजिटल उपकरणों की भूमिका विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

मातृशक्ति की गौमाताओं की सेवा

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गौ सेवा एवं धार्मिक कार्यों के प्रति अपनी आस्था और समर्पण का परिचय देते हुए सिरवी समाज संगारेड्डी के महिला मंडल एवं इलेक्ट्रिकल्स व हार्डवेयर ग्रुप की मातृशक्तियों ने सदाशिवपेट स्थित श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट को एक ट्रैक्टर दान करने की घोषणा की है।

ट्रस्ट एंव सिरवी समाज संगारेड्डी बडेर के सचिव पिताराम चोयल ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मंडल की सचिव श्रीमती लीला परिहार, पूर्व सचिव श्रीमती पोकरीदेवी सोलंकी, श्रीमती पोनीदेवी गहलोत, श्रीमती नेनुदेवी राठौड़ तथा श्रीमती संगीता काग के सान्निध्य में महिला मंडल की सदस्यों ने भजन-कीर्तन एवं धार्मिक आयोजनों के माध्यम से राशि एकत्रित की। इसी संकल्प एवं सहयोग से गौमाताओं की सेवा हेतु गोपाल गौशाला ट्रस्ट को एक ट्रैक्टर उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया। अवसर पर ललिता पंवार, पिस्ता सोयल, ममता भायल, रेखा गेहलोत, विमला सिंदरा, विध्या परिहारिया, रेखा गेहलोत, मंजू परिहार, उमा राठौड़, नीतू राठौड़, सीमा परिहार, अनिता परिहार, ममता हाम्बड, संगीता लचेटा, सीमा परिहार, प्यारी सोयल, पिस्ता हाम्बड़ एवं अन्य भी शामिल थीं।

जूपल्ली ने किसानों के लिए मगरमच्छ के आंसू बहाने को लेकर बीआरएस की आलोचना की

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन, संस्कृति और उत्पाद शुल्क मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने बीआरएस पार्टी की कड़ी आलोचना करते हुए उस पर मौजूदा कांग्रेस सरकार के खिलाफ दुष्प्रचार अभियान चलाने का आरोप लगाया। मंगलवार को विधानसभा में सीएलपी मीडिया हॉल में मीडिया से बात करते हुए, कृष्णा राव, सांसद मल्लू रवि, एमएलसी अद्दंकी दयाकर और विधायकों कोसिरेड्डी नारायण रेड्डी, वामशी कृष्णा और मधुसूदन रेड्डी ने आरोप लगाया कि पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक हरीश राव ने अचमपेट में एक बैठक में किसानों के लिए मगरमच्छ के आंसू बहाए। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि बीआरएस सरकार ने अपने एक दशक के कार्यकाल के दौरान किसान कल्याण की उपेक्षा की और तेलंगाना को (जो कभी अधिशेष वाला राज्य था) 8 लाख करोड़ रुपये के कर्ज में डुबोने के लिए जिम्मेदार थी। जूपल्ली कृष्णा राव ने आगे आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार ने बिजली वितरण कंपनियों (डीआईएसकॉम) को कर्ज के बोझ तले दबा दिया और राज्य की बर्बादी के लिए पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने विधानसभा में केसीआर के इस कथन को याद दिलाया कि एकमुश्त ऋण माफी संभव नहीं है, और बताया कि बीआरएस सरकार को 1 लाख रुपये की ऋण माफी लागू करने में चार साल लगे थे। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि महत्वपूर्ण वित्तीय चुनौतियों के बावजूद, कांग्रेस सरकार अपनी 'छह गारंटियों' को पूरा कर रही है और अतिरिक्त उपाय लागू कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की सरकार को किसानों के 2 लाख रुपये तक के ऋण माफ करने का श्रेय दिया, जिसकी कुल राशि एक ही बार में 20,616.18 करोड़ रुपये वितरित की गई। उन्होंने इसकी तुलना पिछली बीआरएस सरकार की 'रैतू बंधु' योजना से की, जिसमें प्रति एकड़ 5,000 रुपये दिए जाते थे, और बताया कि कांग्रेस सरकार अब प्रति एकड़ 6,000 रुपये जमा कर रही है और उत्तम किस्म के धान के लिए 500 रुपये का बोनस भी दे रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आगामी तेलंगाना विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करने को लेकर आश्वस्त है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

सिंगर अलका याग्नि...

एक्टर आर माधवन को कला के क्षेत्र में पद्मश्री सम्मान :

जाने-माने एक्टर, फ़िल्ममेकर और स्क्रीनराइटर माधवन रंगनाथन को भारतीय सिनेमा और कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्म श्री से सम्मानित किया गया है।

एक्टर सतीश शाह को मरणोपरांत पद्मश्री अवॉर्ड, भाई ने लिया :

अभिनेता सतीश शाह को मरणोपरांत को कला के क्षेत्र में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। अवॉर्ड उनके भाई अरविंद ने लिया। चार दशकों के करियर में अपनी बहुमुखी प्रतिभा और कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर सतीश शाह ने कई फिल्मों और यादगार टीवी शो में काम किया।

रूस की प्रोफेसर डॉ. ल्यूडमिला खोखलोवा को पद्मश्री :

इंडोलॉजी की मशहूर प्रोफेसर और भाषाविद् डॉ. ल्यूडमिला खोखलोवा को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्मश्री से सम्मानित किया। उन्होंने रूसी, अंग्रेजी और हिंदी में 6 किताबें और 92 रिसर्च पेपर लिखे हैं। उन्होंने ऐतिहासिक भाषा-विज्ञान पर अहम रिसर्च की है, जिसमें सिख धर्म की उत्पत्ति और विकास पर किया गया अध्ययन भी शामिल है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

वैभव सूर्यवंशी को टीम इंडिया की 3 नंबर जर्सी मिली

कहा- खुशी बयां करने के लिए शब्द नहीं, आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे पर रवाना

मुंबई, 23 जून (एजेंसियां)। वैभव सूर्यवंशी सीनियर टीम इंडिया के साथ आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरे पर मंगलवार को रवाना हो गए। बीसीसीआई की ओर से उन्हें 3 नंबर जर्सी होटल भिजवाई गई, जिसे सूर्यवंशी काफी देर तक देखते रहे।

सूर्यवंशी को जर्सी भारतीय टीम में थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट रघु ने सौंपी। सूर्यवंशी ने सबसे पहले रघु के पैर छूए और उन्हें प्रणाम किया, फिर जर्सी ली। इस पूरी घटना को कैमरे में रिकॉर्ड भी किया गया।

इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। जिस दिन पहली बार बल्ला थामकर मैदान पर कदम रखा था, आज वह सपना पूरा हो गया है। यह मेरे अब तक के करियर का सबसे बड़ा कदम है और इस अहसास को शब्दों में बयां करना नामुमकिन है।

15 साल के सूर्यवंशी को पहली बार भारतीय टीम में जगह दी गई है। देश की नेशनल टीम में सिलेक्ट होने वाले वे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। भारतीय टीम का आयरलैंड दौरा 26 जून से शुरू हो रहा है और इंग्लैंड दौरा 1 जुलाई से शुरू होगा।

श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और प्रिंस यादव।

आयरलैंड के बेलफास्ट में 26 या 28 जून को होने वाले मैच से वैभव सूर्यवंशी इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू कर सकते हैं। अगर वे आयरलैंड या इंग्लैंड के खिलाफ मैदान पर उतरते हैं, तो वे 15 साल की उम्र में भारत के लिए खेलने वाले सबसे युवा इंटरनेशनल क्रिकेटर बन जाएंगे। ऐसा होने पर वे सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ देंगे, जिन्होंने 16 साल 205 दिन की उम्र में डेब्यू किया था।

सूर्यवंशी ने IPL 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑरेंज कैप अपने नाम की। उन्होंने 16 मैचों में 776 रन बनाए, जो इस सीजन किसी भी बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 1 शतक और 5 अर्धशतक निकले। सूर्यवंशी ने सबसे कम उम्र में ऑरेंज कैप जीतने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। उन्होंने साई सुदर्शन का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने IPL 2025 में 23 साल 237 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।

अमन राव की 32 गेंदों में ठोकी सेंचुरी हुई बेकार

तिलक वर्मा ने नाबाद 136 रन बनाकर छीनी जीत

हैदराबाद, 23 जून (एजेंसियां)। छक्कों की बारिश, चौकों की बारिश, हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में दाएं हाथ के बल्लेबाज अमन राव पेराला ने इतिहास रच दिया। अमन राव ने मेडक फाल्कंस के खिलाफ महज 32 गेंदों में शतक ठोक दिया और इसके साथ ही वो किसी भी भारतीय टी20 लीग में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। अमन राव ने मैच में 48 गेंदों में 142 रनों की पारी खेली जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 295.83 रहा. इस खिलाड़ी ने अपनी तूफानी पारी में 13 छक्के और 12 चौके लगाए. अमन राव पेराला के शतक के दम पर वारंगल वॉरियर्स ने 20 ओवर में 258 रनों का स्कोर बनाया. हालांकि ये स्कोर भी मेडक फाल्कंस के लिए छोटा साबित हुआ क्योंकि भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान तिलक वर्मा ने कमाल पारी खेली. बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 8 छक्कों की मदद से नाबाद 136 रन ठोक वारंगल वॉरियर्स से जीत छीन ली.

तिलक वर्मा

तिलक वर्मा ने 259 रनों के लक्ष्य का कमाल पीछा किया. बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने महज 56 गेंदों में 8 छक्के और 14 चौकों के दम पर नाबाद 136 रन बनाए. उनका स्ट्राइक रेट 251 से ज्यादा का रहा. तिलक वर्मा के अलावा उनकी टीम के दूसरे किसी बल्लेबाज ने 30 का आंकड़ा तक नहीं छुआ लेकिन इसके बावजूद इस खिलाड़ी ने 2 गेंद पहले ही अपनी टीम को जीत दिला दी.

तिलक वर्मा की इस पारी की दिलचस्प बात ये है कि वो रविवार को श्रीलंका में ट्राई सीरीज जिता कर लौटे थे और अब वो तेलंगाना टी20 लीग में भी खेलने लगे. तिलक मंगलवार को आयरलैंड दौरे पर रवाना होंगे.

तिलक वर्मा ने भले ही अपने शतक से अमन राव के शतक को बेकार कर दिया लेकिन फिर भी 22 साल के इस खिलाड़ी की लगातार चर्चा हो रही है. बता दें अमन राव पेराला का जन्म अमेरिका में हुआ था लेकिन वो क्रिकेट खेलने हिंदुस्तान लौट आए. इस खिलाड़ी को आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स ने 30 लाख रुपये में खरीदा था. इस खिलाड़ी को कोई मैच खेलने का मौका नहीं मिला लेकिन राजस्थान की टीम उनके टैलेंट से वाकिफ है और आने वाले वक्त में उन्हें मौका मिल सकता है. अमन राव ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 से नाम कमाया था, जहां उन्होंने 160 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 234 रन बनाए. आईपीएल ऑक्शन से पहले हुए इस टूर्नामेंट में उन्होंने मुंबई के एक ओवर में तीन चौके और 2 छक्के लगाए थे. इसके बाद विजय हजारे ट्रॉफी में उन्होंने 4 मैचों में 312 रन बनाए जिसमें उन्होंने बंगाल के खिलाफ नाबाद दोहरा शतक ठोका. इस मैच में उन्होंने मोहम्मद शमी, आकाश दीप और मुकेश कुमार जैसे गेंदबाजों की धुनाई की. अब अमन राव पेराला ने तेलंगाना टी20 लीग में अपना दम दिखा दिया है.

नीतीश रेड्डी चोट के कारण आयरलैंड टी-20 सीरीज से बाहर

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। टीम इंडिया के ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी चोट के कारण आयरलैंड दौरे से बाहर हो गए हैं। पीटीआई के मुताबिक, अफगानिस्तान के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज के दौरान उनके बाएं जांघ की मांसपेशी में चोट लगी थी। इसके चलते वह आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज नहीं खेल पाएंगे, जबकि इंग्लैंड दौरे से भी उनके बाहर रहने की आशंका है।

नीतीश को स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के बैकअप के रूप में देखा जा रहा था। हालांकि हार्दिक भी जांघ की मांसपेशी चोट की समस्या से जूझ रहे हैं और फिलहाल पूरी क्षमता से गेंदबाजी नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में नीतीश का बाहर होना टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय बन गया है।

बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में हुई एमआरआई जांच में नीतीश के बाएं जांघ की मांसपेशी में सूजन की पुष्टि हुई है। उन्हें आगे की जांच और रिहैब के लिए बेंगलुरु बुलाया गया है। उनकी रिकवरी में कम से कम चार सप्ताह लग सकते हैं। इसी वजह से आयरलैंड सीरीज के बाद होने वाले इंग्लैंड दौरे पर उनका खेलना मुश्किल माना जा रहा है।

23 साल के नीतीश भारत के लिए 10 टेस्ट, 6 वनडे और 4 टी-20 मैच खेल चुके हैं। माना जा रहा है कि हाल में गेंदबाजी की रफ्तार बढ़ाने के प्रयास के दौरान उनके शरीर पर अतिरिक्त दबाव पड़ा, जिससे यह चोट गंभीर हो गई।

पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को मिला पद्म श्री

टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज पद्म भूषण से सम्मानित

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में मंगलवार को पद्म अवॉर्ड्स दिए। वहीं, दिग्गज भारतीय टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज को पद्म भूषण सम्मान और महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान सविता पूनिया को पद्म श्री पुरस्कार से नवाजा गया है। इतना ही नहीं, मध्य प्रदेश के भगवानदास रायकवार को मरणोपरांत पद्म श्री पुरस्कार दिया गया।

केंद्र सरकार ने इस वर्ष गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर पद्म पुरस्कारों की घोषणा कर दी थी, जिसमें खेल जगत के कई दिग्गजों को शामिल किया गया था। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को कुछ दिन पहले पद्मश्री से नवाजा गया था। हरमनप्रीत कौर को उनके शानदार नेतृत्व और उपलब्धियों के लिए पद्मश्री सम्मान दिया गया था। साल 2025 उनके करियर के लिए बेहद खास रहा था, जब उन्होंने घरेलू सरजमीं पर भारतीय महिला टीम को विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई और देश का नाम रोशन किया।

विजय अमृतराज को पद्म भूषण और रोहित शर्मा को पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने

पूर्व भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को पद्म श्री से सम्मानित किया गया है। रोहित ने 2025 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था, लेकिन वनडे क्रिकेट में वह भारत के अहम खिलाड़ी बने रहे। पिछले साल उन्होंने वनडे प्रारूप में 650 रन बनाए और टीम के लिए लगातार योगदान दिया। रोहित के ही नेतृत्व में भारत ने टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के खिताब जीते थे।

भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपर सविता पुनिया को भी पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किया गया है। उन्होंने लंबे समय तक भारतीय महिला हॉकी टीम की रक्षा पंक्ति को मजबूती दी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदर्शन से देश का गौरव बढ़ाया। वहीं, विजय इस साल पद्म भूषण पाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। पद्म भूषण भारत का तीसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। अमृतराज को इससे पहले 1983 में पद्मश्री और 1974 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है, जो भारतीय खेलों में उनके दीर्घकालिक योगदान को दर्शाता है।

संजू बोले- कोहली अल्काराज जैसे धोनी क्रिकेट के फेडरर

महिला टीम का वर्ल्डकप जीतना इंस्पायरिंग था, ऑस्ट्रेलिया से खेलने का अब डर नहीं

चेन्नई, 23 जून (एजेंसियां)। विंबलडन से पहले भारतीय विकेटकीपर संजू सैमसन ने क्रिकेट और टेनिस के प्लेयर्स के बीच तुलना की। उन्होंने जियोस्टार से बातचीत में कहा कि अगर क्रिकेट में किसी खिलाड़ी की तुलना रोजर फेडरर से की जा सकती है तो वह पूर्व भारतीय कप्तान एम एस धोनी हैं। वहीं उन्होंने विराट कोहली की तुलना टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज से की।

सैमसन ने 2025 में भारत की महिला टीम के वनडे वर्ल्ड कप खिताब को भी याद किया। उन्होंने कहा कि पूरा देश फाइनल देख रहा था और उस जीत ने भारतीय क्रिकेट को नई दिशा दी।

सैमसन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने को लेकर भी अपनी राय दी। उन्होंने कहा, जब हम बड़े हो रहे थे तब लगभग हर वर्ल्ड कप ऑस्ट्रेलिया ही जीतता था। यही वजह है कि उनके लिए हमारे मन में काफी सम्मान है। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। हम चैंपियन हैं और उसी सोच के साथ मुकाबला करते हैं। इसलिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सम्मान तो है, लेकिन डर नहीं।

सैमसन ने कहा, क्रिकेट के रोजर फेडरर एमएस धोनी हैं। वह जिस तरह अपने काम को अंजाम देते हैं। उसमें गजब का धैर्य और शांति दिखती है। जब वह अच्छा खेलते हैं तो सब कुछ बेहद आसान नजर आता है, लेकिन उसका असर बहुत बड़ा होता है।

दूसरी ओर कार्लोस अल्काराज काफी अटैकिंग प्लेयर हैं। विराट भाई ने भी अपने करियर की शुरुआत उसी अंदाज में की थी। वे एनर्जी से भरे रहते हैं, इसलिए उनकी तुलना अल्काराज से की जा सकती है।

सैमसन ने 2025 में भारत की वर्ल्ड कप जीत पर कहा, हम सभी फाइनल देख रहे थे। मेरा परिवार और देशभर के लोग टीवी के सामने बैठे थे। यह पूरे देश के लिए बेहद खास पल था। हमें हमेशा विश्वास था कि हम वर्ल्ड कप जीत सकते हैं, लेकिन मंजिल अभी भी दूर लगती थी। नवंबर 2025 के फाइनल में भारत ने साउथ अफ्रीका को हराया था।

पूर्व भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना भी संजू के साथ मौजूद थे। उन्होंने भी विंबलडन 2026 के मेंस में मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर को खिताब का सबसे बड़ा दावेदार बताया, जबकि महिला एकल में एलेना रयबाकिना पर भरोसा जताया। विंबलडन 2026 29 जून से 12 जुलाई तक होगा।

भारत के खिलाफ सीरीज में ब्रूक होंगे इंग्लैंड के कप्तान

कोल्स को पहली बार टीम में मौका, आयरलैंड की टीम भी घोषित

खेल डेस्क, 23 जून (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज से पहले आयरलैंड और इंग्लैंड ने अपनी-अपनी टीमों का ऐलान कर दिया है। इंग्लैंड की कप्तानी हैरी ब्रूक करेंगे। टीम में 22 साल के ऑलराउंडर जेम्स कोल्स को भी पहली बार शामिल किया गया है।

आयरलैंड ने विकेटकीपर बल्लेबाज लॉरकन टकर को टी-20 टीम का नया कप्तान बनाया है। 29 साल के टकर इस साल टी-20 वर्ल्ड कप के बाद कप्तानी छोड़ने वाले पॉल स्टर्लिंग की जगह लेंगे।उनका पहला असाइनमेंट 26 और 28 जून को बेलफास्ट के स्टॉर्मोन्ट मैदान पर भारत के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टी-20 सीरीज होगी।

भारत सीरीज से पहले आयरलैंड की टीम चोटों से जूझ रही है। टीम के पांच प्रमुख तेज गेंदबाज जोश लिटिल (स्ट्रेस फ्रैक्चर), मार्क अडेयर (एब्डॉमिनल इंजरी), कर्टिस कैंफर (हाथ में फ्रैक्चर), बैरी मैकार्थी (लिगामेंट इंजरी) और जॉर्डन नील (कंधा व पैर) चोटिल होकर बाहर हैं। स्टर्लिंग चोट के कारण टीम से बाहर हैं। टकर इससे पहले टी-20 वर्ल्ड कप में भी स्टर्लिंग की गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी कर चुके हैं।

आयरलैंड ने 14 सदस्यीय टीम में तीन अनकैप्ड खिलाड़ियों को शामिल किया है। टीम में रूबेन विल्सन, जय मूंद्रा और मैट हॉलार्ड को पहली बार मौका मिला है। विल्सन ने पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। तेज गेंदबाज जय मूंद्रा और मैट हॉलार्ड आयरलैंड के लिए किसी भी फॉर्मेट में पहला मैच खेल सकते हैं। लियाम मैकार्थी भी सिर्फ अपना दूसरा टी-20 इंटरनेशनल खेलेंगे।

इसके अलावा लेग स्पिन ऑलराउंडर गेविन होए को भी पहली बार टी-20 टीम में शामिल किया गया है। उन्हें बेन व्हाइट की जगह मौका मिला है। वहीं अनुभवी तेज गेंदबाज क्रेग यंग को बाहर रखा गया है। टॉप ऑर्डर के बैटर स्टीफन डोहेनी को सैम टॉपिंग की जगह टीम में शामील किया गया है।

इंग्लैंड ने 1 जुलाई से शुरू होने वाली भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए 17 सदस्यीय टीम घोषित की है। कप्तानी हैरी ब्रूक करेंगे। ऑलराउंडर जेम्स कोल्स को पहली बार मौका मिला है।

कोल्स हाल में ससेक्स, फ्रेंचाइजी क्रिकेट और इंग्लैंड लायंस के लिए शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। वह बाएं हाथ के स्पिनर हैं और मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करते हैं।

इंग्लैंड की डोमेस्टिक लीग द हंड्रेड ऑक्शन में लंदन स्पिरिट ने कोल्स को 3.90 लाख पाउंड (करीब 4.88 करोड़ रुपए) में खरीदा था। वे टूर्नामेंट के सबसे महंगे प्लेयर हैं।

इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भारत से हारने वाली टीम के खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। जोस बटलर और 36 साल के स्पिनर लियाम डॉसन को फिर मौका मिला है। वहीं जॉर्डन कॉक्स, सन्नी बेकर और साकिब महमूद की वापसी हुई है।

मेसी के फुटबॉल वर्ल्डकप में सबसे ज्यादा 18 गोल

जर्मनी के क्लोजा का रिकॉर्ड तोड़ा; अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराया, नॉकआउट में पहुंचा

अर्लिंग्टन, 23 जून (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी फुटबॉल वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। ऑस्ट्रिया के खिलाफ मेसी ने पहले अपना 17वां गोल दागकर जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोजा (16 गोल) का रिकॉर्ड तोड़ा और फिर मैच के आखिरी में एक और गोल कर इसे 18 तक पहुंचा दिया।

मेसी ने डलास स्टेडियम में 39वें मिनट में फील्ड गोल लगाकर इतिहास रचा। इसके बाद इंजरी टाइम (95वें मिनट) में उन्होंने दूसरा गोल दागकर अर्जेंटीना की 2-0 की जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने राउंड ऑफ-32 में भी जगह बना ली। 38 साल के मेसी ने पिछले मैच में अल्जीरिया के खिलाफ हैट्रिक लगाई थी। मौजूदा टूर्नामेंट में उनके सबसे ज्यादा 5 गोल हो गए हैं। मेसी के बाद 3 गोल के साथ जर्मनी के डेनिज उंडाव हैं।

मेसी के पास नौवें मिनट में ही रिकॉर्ड बनाने का मौका था। लॉटारो मार्टिनेज पर ऑस्ट्रियाई डिफेंडरों के फाउल के बाद अर्जेंटीना को पेनल्टी मिली, लेकिन मेसी शॉट को पोस्ट के बाहर मार बैठे। इसके साथ ही वह वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा तीन पेनल्टी मिस करने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए।

इससे पहले घाना के असामोआ ग्यान ने दो पेनल्टी मिस की थीं। पेनल्टी चूकने के बाद 18वें मिनट में मेसी को एक और मौका मिला, लेकिन ऑस्ट्रियाई डिफेंडरों ने शॉट ब्लॉक कर दिया। ऑस्ट्रिया के गोलकीपर डेविड अलाबा ने भी एक मौके पर गोललाइन के पास शानदार बचाव किया। 39वें मिनट में अर्जेंटीना के थियागो अल्माडा ने बाईं ओर फाकुंडो मेडिना को पास दिया। मेडिना ने गेंद बॉक्स के किनारे खड़े मेसी तक पहुंचाई और कप्तान ने शानदार लेफ्ट फुटेड शॉट लगाकर गेंद को निचले कोने में पहुंचा दिया। यह मेसी का वर्ल्ड कप में 17वां गोल था, जिसके साथ उन्होंने मिरोस्लाव क्लोजा को पीछे छोड़कर सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। मैच के 95वें मिनट में अर्जेंटीना ने काउंटर अटैक किया। स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज का शॉट बच गया, लेकिन रिबाउंड पर मेसी ने दो डिफेंडरों के बीच से गेंद गोल में पहुंचा दी। 90+5वें मिनट में आया यह गोल उनका मैच का दूसरा और टूर्नामेंट का पांचवां गोल था। मेसी अब लगातार 6 वर्ल्ड कप मैचों में गोल करने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने फ्रांस के जस्ट फोंटेन और ब्राजील के जायरजिन्हो के रिकॉर्ड की बराबरी की।

मेसी ने पांच दिन पहले अल्जीरिया के खिलाफ अर्जेंटीना की 3-0 की जीत में हैट्रिक लगाई थी। उन्होंने 17वें, 60वें और 76वें मिनट में गोल दागे थे। यह वर्ल्ड कप में उनके करियर की पहली हैट्रिक थी।

इंग्लैंड के 12 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट कटे

50% जुर्माना भी लगा

लंदन, 23 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड को न्यूजीलैंड के खिलाफ द ओवल टेस्ट में धीमी ओवर गति का खामियाजा भुगतना पड़ा है। टीम के 12 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट्स काट दिए गए हैं। साथ ही खिलाड़ियों पर मैच फीस का 50% जुर्माना भी लगाया गया है। इंग्लैंड की टीम तय समय से 12 ओवर पीछे पाई गई। डब्ल्यूटीसी नियमों के अनुसार हर ओवर की कमी पर एक अंक काटा जाता है। यानी इंग्लैंड ने उतने ही अंक गंवाए जितने एक टेस्ट जीतने पर मिलते हैं। दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को 253 रन से हराया। तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर है और आखिरी मुकाबला 25 जून से ट्रेंट ब्रिज में खेला जाएगा।

ऋषभ पंत की हुई दिल्ली कैपिटल्स में वापसी

कुलदीप यादव के साथ डीसी और एलएसजी में हुई ट्रेड डील

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसियां)। आईपीएल के इतिहास की एक बड़ी ट्रेड डील आईपीएल का सीजन खत्म होने के बाद हुई है। स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने दिल्ली कैपिटल्स की टीम में वापसी हो चुकी है. आइए आपको भी बताते हैं किस खिलाड़ी के साथ उनका ट्रेड हुआ है.

आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ लगातार 2 खराब सीजन खराब होने का बाद अब ऋषभ पंत ने बड़ा फैसला किया है. उनकी दिल्ली कैपिटल्स में वापसी हो चुकी है. दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच एक बड़ी ट्रेड डील हुई है जिसमें इस बात पर मुहर लग चुकी है.

पंत की जगह दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने कुलदीप यादव को लखनऊ में भेजने का फैसला किया है. आईपीएल 2025 के ऑक्शन में ऋषभ पंत टूर्नामेंट के इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बनकर सामने आए थे लेकिन अब उनकी कीमत में भारी गिरावट हो चुकी है.

फर्नीचर इकाई में भीषण आग तीन कार्यशालाएं प्रभावित

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार आधी रात को गुडिमलकपुर स्थित विंटेज फंक्शन हॉल के पास एक फर्नीचर निर्माण इकाई में भीषण आग लगने से इलाके में दहशत फैल गई। आग की लपटें तेजी से फैलते हुए पास की दो अन्य फर्नीचर कार्यशालाओं तक पहुंच गईं, जिससे परिसर में रखे ज्वलनशील सामान को भारी नुकसान हुआ। सूचना मिलने पर गुडिमलकपुर पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और चार दमकल इंजनों की मदद से आग बुझाने का अभियान शुरू किया। कई घंटों की मशक्कत के बाद मंगलवार तड़के आग पर काबू पा लिया गया और इसे आसपास की इमारतों तक फैलने से रोक दिया गया। पुलिस और आपातकालीन टीमों ने इलाके को सुरक्षित कर बचाव कार्यों में सहयोग किया। कुलसुमपुरा एसीपी तिरुपति ने घटनास्थल का निरीक्षण कर राहत कार्यों का जायजा लिया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है और मामले की जांच जारी है।

पांचवीं मंजिल से गिरने से युवती की मौत

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मियापुर स्थित एक अपार्टमेंट की पांचवीं मंजिल से गिरने से 19 वर्षीय कॉलेज छात्रा की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान प्रणम्या के रूप में हुई है, जो मयूरी नगर निवासी प्रताप रेड्डी और प्रशांति की बेटी थी तथा एक निजी कॉलेज में डिग्री की पढ़ाई कर रही थी। सोमवार शाम कॉलेज से घर लौटने के बाद वह मोबाइल फोन पर बात करते हुए अपार्टमेंट की पांचवीं मंजिल पर चली गई। पुलिस के मुताबिक, वह पैरापेट की दीवार से टेक लगाकर खड़ी थी, तभी अचानक संतुलन बिगड़ने से नीचे गिर गई, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। परिजन उसे तत्काल पास के एक निजी अस्पताल ले गए, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका की मां की शिकायत पर मियापुर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मां के निधन के सदमे से परेशान छात्र ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स क्षेत्र में 16 वर्षीय एक छात्र ने कथित तौर पर अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान रहमान पटेल के रूप में हुई है, जो दो वर्ष पहले बीमारी के कारण अपनी मां के निधन के बाद से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। सोमवार रात घर में अन्य सदस्यों की अनुपस्थिति के दौरान उसने यह कदम उठा लिया। परिजनों ने उसे बेहोशी की हालत में देखकर तत्काल पास के एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बंजारा हिल्स पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों का एक सलाहकार नियुक्त करने का निर्णय

मेट्रो के द्वितीय चरण के लिए धन उपलब्ध कराने पर हुई चर्चा

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और केंद्रीय मंत्रियों मनोहर लाल खट्टर, अश्विनी वैष्णव और किशन रेड्डी के साथ हुई बैठक

नई दिल्ली/ हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सरकार और केंद्र सरकार दोनों एक सलाहकार को नियुक्त करने के लिए एक समझौते पर पहुंच गए हैं। इस सलाहकार की जिम्मेदारियों में हैदराबाद मेट्रो के प्रथम चरण की वित्तीय स्थिति का आकलन करना, इसके अधिग्रहण के लिए आवश्यक ऋण सुरक्षित करना और उपयुक्त ऋण देने वाली संस्थाओं की पहचान करना शामिल होगा। इसके अतिरिक्त, मेट्रो रेल के विस्तार योजनाओं, इसके निर्माण खर्चों और द्वितीय चरण के लिए वित्तपोषण रणनीतियों का व्यापक अध्ययन किया जाएगा। यह निर्णय मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और केंद्रीय मंत्रियों मनोहर लाल खट्टर, अश्विनी वैष्णव और किशन रेड्डी के साथ हुई बैठक के दौरान लिया गया। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय शहरी मामलों के मंत्री मनोहरलाल खट्टर और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्रियों को मेट्रो रेल के पहले चरण के अधिग्रहण और मेट्रो चरण 2 परियोजना के शुभारंभ में आने वाली बाधाओं से अवगत कराया। सोमवार रात को रेवंत रेड्डी ने अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री किशन रेड्डी के साथ विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने मंगलवार सुबह मनोहर लाल खट्टर के आवास पर खट्टर, अश्विनी वैष्णव और किशन रेड्डी से मुलाकात की। बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों ने सर्वसम्मति से एक सलाहकार नियुक्त करने का निर्णय लिया। एसबीआईसीएपीएस, जिसे सलाहकार के रूप में चुना गया है, मेट्रो रेल के प्रथम चरण के मूल्यांकन, द्वितीय चरण के विस्तार और अन्य संबंधित मामलों पर एक व्यापक अध्ययन करेगा। राज्य सरकार और केंद्र सरकार सलाहकार द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर कार्य योजना की भावी दिशा तय करेंगे। मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों ने सलाहकार द्वारा किए जा रहे अध्ययन के दौरान समन्वय हेतु केंद्र सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी और राज्य नगर प्रशासन एवं शहरी विकास (एमए एंड यूडी) विभाग के विशेष मुख्य सचिव को प्रतिनिधि नियुक्त करने पर सहमति व्यक्त की। ये दोनों अधिकारी अध्ययन और आधिकारिक प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा करने के लिए समन्वय में कार्य करेंगे।

पति की हत्या कर आत्महत्या का रूप देने की कोशिश

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी नगर स्थित एनटीआर नगर में एक महिला ने कथित तौर पर अपने पति की गला घोंटकर हत्या कर दी और घटना को आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार, मृतक बोदा नरसिंग (36) सब्जी विक्रेता था और अपनी पत्नी स्वरूपा तथा दो बेटियों के साथ रहता था। परिवार मूल रूप से महबूबाबाद जिले के टट्टुपल्ली गांव का निवासी है। जांच में सामने आया कि नरसिंग को हाल ही में अपनी पत्नी के गांव के ही एक व्यक्ति मोहन के साथ कथित विवाहेतर संबंध की जानकारी मिली थी, जिसके बाद दोनों के बीच अक्सर विवाद होने लगे थे। आरोप है कि 20 जून को स्वरूपा ने छोटी बेटी को दुकान भेजने के बाद दुपट्टे से पति का गला घोंट दिया और बाद में उसी दुपट्टे को चारपाई से बांधकर घटना को आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की। सूचना पर पहुंची एलबी नगर पुलिस ने पहले संदिग्ध मौत का मामला दर्ज किया, लेकिन उस्मानिया जनरल अस्पताल की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटकर हत्या की पुष्टि हुई। जांच के दौरान पुलिस ने महिला का मोबाइल फोन जब्त किया और पूछताछ में उसने कथित तौर पर अपना अपराध स्वीकार कर लिया। इसके बाद मामले को हत्या में परिवर्तित कर आरोपी महिला को सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस अन्य लोगों की संभावित संलिप्तता के पहलू की भी जांच कर रही है।

मंत्रियों को करदाताओं के पैसे से मिलने वाले आयकर संबंधी लाभों को समाप्त करने का आग्रह

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। फोरम फॉर गुड गवर्नेंस (एफजीजी) के अध्यक्ष एम. पद्मनाभ रेड्डी ने तेलंगाना के राज्यपाल से हस्तक्षेप करने और मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्रियों, सलाहकारों और कैबिनेट रैंक के निगम अध्यक्षों द्वारा सार्वजनिक धन से आयकर भुगतान की प्रथा को रोकने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि कई राज्यों ने सरकार द्वारा आयकर भुगतान की इस असंवैधानिक प्रथा को समाप्त कर दिया है। राज्यपाल को प्रस्तुत एक अभ्यावेदन में, एफजीजी अध्यक्ष ने तर्क दिया कि वेतन भुगतान अधिनियम, 1953 की धारा 3(4), जो राज्य सरकार को मंत्रियों की आयकर देयता वहन करने की अनुमति देती है, अनुच्छेद 14 के तहत कानून के समक्ष समानता के संवैधानिक सिद्धांत का उल्लंघन करती है। तेलंगाना राज्य में शासन सुधारों के लिए काम करने वाले एक गैर-लाभकारी नागरिक समाज संगठन, इस मंच ने आरोप लगाया है कि करदाताओं के पैसे का इस्तेमाल सरकारी अधिकारियों के व्यक्तिगत कर भुगतान के लिए किया जा रहा है और लाभार्थियों के नाम और 2024-25 तथा 2025-26 के दौरान भुगतान की गई राशि का खुलासा करने की मांग की है। इसने इस बात पर भी चिंता व्यक्त की है कि कैबिनेट रैंक वाले कई सलाहकारों और निगम अध्यक्षों को इसका लाभ दिया जा रहा है। वास्तव में, इनमें से अधिकांश सलाहकार और निगम अध्यक्ष पुराने राजनेता हैं और शासन में उनका योगदान दिखाई नहीं देता है। फोरम ने राज्यपाल से अधिनियम के संबंधित प्रावधान को हटाने, कानूनी रूप से अनुमत सीमा से अधिक करों के भुगतान को रोकने और सरकार को सभी संबंधित व्यय विवरण सार्वजनिक करने का निर्देश देने का अनुरोध किया। जनता को यह जानने का अधिकार है कि किन व्यक्तियों का आयकर सार्वजनिक धन से अदा किया जाता है और कितनी राशि अदा की जाती है। अतः मुख्य सचिव को वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 के दौरान अदा किए गए आयकर के व्यक्तियों के नाम और राशि सार्वजनिक करने का निर्देश देने का अनुरोध किया जाता है।

एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों के महारथी थे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी : बंडारू

भाजपा नेताओं ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी की विरासत का जिक्र किया

एन. रामचंद्र राव पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय और विद्यासागर राव के साथ-साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता।

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने मंगलवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें त्याग, राष्ट्रवाद और भारत की एकता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया। डॉ. मुखर्जी भारतीय जनसंघ के संस्थापक थे। यहां पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए रामचंदर राव ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के एकीकरण में डॉ. मुखर्जी का योगदान और राष्ट्रीय हितों की रक्षा में उनकी भूमिका भाजपा कार्यकर्ताओं को प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना भाजपा राज्य कार्यालय का नाम डॉ. मुखर्जी के नाम पर रखा गया है, जो उनकी अमर विरासत को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा, उस समय हैदराबाद निज़ाम के शासन के अधीन था, जबकि जम्मू-कश्मीर भी भारत के साथ पूर्ण एकीकरण की चुनौती का सामना कर रहा था।

जिस प्रकार सरदार वल्लभभाई पटेल ने हैदराबाद और अन्य रियासतों के एकीकरण में निर्णायक भूमिका निभाई, उसी प्रकार डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर के भारत के साथ पूर्ण एकीकरण के लिए अपना प्राणों की आहुति दी। डॉ. मुखर्जी की आगामी 125वीं जयंती पर प्रकाश डालते हुए, राव ने पार्टी कार्यकर्ताओं से पश्चिम बंगाल में भाजपा के उदय से प्रेरणा लेने और तेलंगाना में भाजपा सरकार स्थापित करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय और विद्यासागर राव के साथ-साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। बंडारू दत्तात्रेय ने डॉ. मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों का महारथी बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी की पूर्ण राष्ट्रीय एकता की परिकल्पना अनुच्छेद 370 को निरस्त करके साकार हुई और यह राष्ट्र के लिए मार्गदर्शक बनी हुई है। इस अवसर पर दत्तात्रेय ने याद दिलाया कि डॉ. मुखर्जी ने एक राष्ट्र के दो संविधान, दो ध्वज और दो प्रधानमंत्री नहीं हो सकते के सिद्धांत पर राष्ट्रीय एकता के लिए संघर्ष करने वाले महान नेता के रूप में इतिहास में अपना अमर स्थान अर्जित किया। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन देशभक्ति, निस्वार्थ सेवा और अटूट राष्ट्रीय चेतना के आदर्शों से राष्ट्र को प्रेरित करता रहता है।

रात की बारिश से मिली राहत, दिन चढ़ते ही फिर बढ़ी गर्मी

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कई दिनों के शुष्क मौसम के बाद सोमवार देर रात हैदराबाद और आसपास के इलाकों में अलग-अलग तीव्रता के साथ बारिश हुई, जिससे मंगलवार सुबह मौसम सुहावना हो गया। हालांकि यह राहत ज्यादा देर तक नहीं टिक सकी और दिन चढ़ने के साथ ही गर्मी का असर फिर बढ़ गया। शहर के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान 37 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया, जबकि पारा 40 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया। मौसम विभाग द्वारा सोमवार दोपहर से ही बारिश की संभावना जताई गई थी, लेकिन देर रात तक बादल नहीं छाए। इसके बाद आधी रात के आसपास शुरू हुई बारिश कुछ स्थानों पर मंगलवार सुबह तक जारी रही। तेलंगाना विकास योजना सोसायटी (टीडीपीएस) के आंकड़ों के अनुसार, शहर के आसपास सबसे अधिक 114.5 मिमी वर्षा रामचंद्रपुरम में दर्ज की गई।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पेद्दापल्ली जिले के कुछ क्षेत्रों में, मुलुगु और जयशंकर भूपालपल्ली जिलों के कई स्थानों पर तथा रंगारेड्डी, जगतियाल, मंचेरियल, कामारेड्डी और कुमुरम भीम जिलों के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई। वहीं, आदिलाबाद और पेद्दापल्ली के कुछ क्षेत्रों में लू जैसी स्थिति बनी रही। आईएमडी ने अगले 24 घंटों के लिए हैदराबाद में आसमान में बादल छाए रहने तथा शाम या रात के समय हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, शहर में न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

केटीआर ने मेट्रो संपत्तियों में बड़े घोटाले का लगाया आरोप

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर हैदराबाद मेट्रो रेल की करीब 30 हजार करोड़ रुपये की संपत्तियों से जुड़े बड़े घोटाले का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार निजी कंपनी के लगभग 14 हजार करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ जनता पर डालकर मेट्रो परिसंपत्तियों पर नियंत्रण हासिल करना चाहती है। मंगलवार को सेरिलिंगमपल्ली में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री मेट्रो से जुड़ी करीब 250 एकड़ भूमि और अन्य संपत्तियों पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। रामाराव ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी के बीच चल रहे विवाद को राजनीतिक नाटक बताते हुए दोनों पर पर्दे के पीछे मिलीभगत का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार द्वारा प्रस्तावित मेट्रो विस्तार को केंद्र सरकार ने मंजूरी नहीं दी, जबकि अन्य राज्यों के छोटे शहरों में मेट्रो परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर बीआरएस शासनकाल में शुरू की गई कई विकास और कल्याणकारी योजनाओं को रोकने का आरोप लगाते हुए कहा कि एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस परियोजना भी इसी कारण अधूरी रह गई। रामाराव ने सेरिलिंगमपल्ली विधायक अरेकापुडी गांधी पर भी व्यक्तिगत लाभ के लिए कांग्रेस में शामिल होने का आरोप लगाया और पार्टी कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने तथा बीआरएस को दोबारा सत्ता में लाने के लिए सक्रिय रूप से काम करने का आह्वान किया।

मंदिर में चोरी, चांदी का मुकुट और दानपात्र ले गए बदमाश

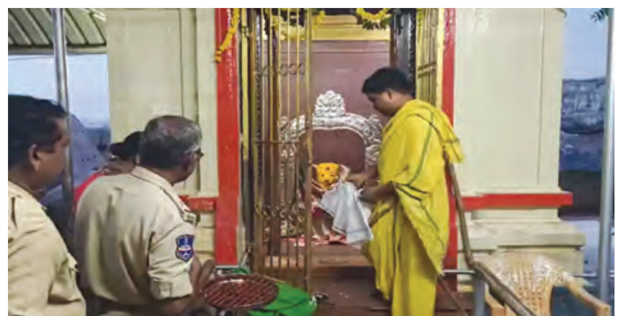

निर्मल, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बासर स्थित प्राचीन श्री ज्ञान सरस्वती देवस्थानम के एक उप-मंदिर में सोमवार रात चोरी की घटना सामने आई। अज्ञात बदमाश महाकाली मंदिर का दरवाजा तोड़कर देवी को पहनाया गया चांदी का मुकुट और एक दानपात्र (हुंडी) लेकर फरार हो गए। मंगलवार सुबह पूजा के लिए पहुंचे पुजारियों को घटना की जानकारी हुई। बताया गया कि बदमाश दानपात्र से नकदी निकालने के बाद उसे दूसरे उप-मंदिर में फेंक गए। मंदिर प्रशासन की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विशेष टीमें गठित की गई हैं और सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

यह पहली बार नहीं है। 15 अगस्त 2024 को भी मंदिर में चोरी हुई थी, जिसमें दानपात्र तोड़कर कीमती सामान चुरा लिया गया था। उस मामले में पुलिस ने चार दिन बाद निजामाबाद जिले के एक युवक को गिरफ्तार किया था। घटना के बाद श्रद्धालुओं ने मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि बार-बार हो रही चोरियों से सुरक्षा में लापरवाही उजागर हो रही है। उन्होंने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। बासर स्थित यह प्रसिद्ध सरस्वती मंदिर देश का प्रमुख मंदिर माना जाता है, जहां हर वर्ष करीब 20 लाख श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

भारी बारिश से अपार्टमेंटों के बेसमेंट में भरा पानी

संगारेड्डी, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अमीनपुर मंडल की राघवेंद्र कॉलोनी में रात भर हुई भारी बारिश के कारण निचले इलाकों में स्थित अपार्टमेंटों के बेसमेंट और पार्किंग क्षेत्रों में पानी भर गया, जिससे वहां खड़ी कई कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। बताया गया कि जब बाढ़ का पानी पार्किंग क्षेत्र में घुसा, उस समय अधिकांश निवासी गहरी नींद में थे, जिसके कारण समय रहते वाहन नहीं हटाए जा सके। सुबह स्थिति का पता चलने पर निवासियों ने जेसीबी मशीनों की मदद से पानी निकालने और वाहनों को बेसमेंट से बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया।

इस बीच, संगारेड्डी जिले के विभिन्न हिस्सों में मंगलवार सुबह 8:30 बजे तक पिछले 24 घंटों के दौरान भारी वर्षा दर्ज की गई। आरसी पुरम मंडल में 114 मिमी और अमीनपुर मंडल में 81 मिमी वर्षा हुई, जबकि पाटनचेरु और सिरगापुर क्षेत्रों में औसतन 50 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं, सिद्दिपेट और मेडक जिले के अधिकांश हिस्सों में रातभर हल्की बूंदाबांदी होती रही। लगातार बारिश के कारण कई निचले इलाकों में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

आपसी रंजिश में 24 घंटे के भीतर दो हत्याएं

मेदक, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। चिन्ना शंकरमपेट मंडल के सुराराम गांव में दो परिवारों के बीच चली आ रही दुश्मनी ने 24 घंटे के भीतर दो लोगों की जान ले ली। पुलिस और ग्रामीणों के अनुसार, सुराराम निवासी यता श्रीधर (25) और राणाबोयिना प्रभाकर के बीच करीब 15 दिन पहले प्रभाकर द्वारा श्रीधर की चचेरी बहन से विवाह करने के बाद से विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते सोमवार को चेगुंटा मंडल के अनंतसागर क्षेत्र में प्रभाकर ने अपने साथियों के साथ बाइक से जा रहे श्रीधर का ऑटो से पीछा किया और उसे टक्कर मार दी। सड़क पर गिरने के बाद आरोपियों ने दिनदहाड़े उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना के बाद श्रीधर के परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

इस हत्या के बाद तनाव और बढ़ गया। आरोप है कि सोमवार देर रात श्रीधर के परिवार के कुछ लोगों ने प्रभाकर के पिता यादगिरी की पिटाई कर उनकी हत्या कर दी और शव को हल्दी वागु में फेंक दिया। दोहरे हत्याकांड के बाद गांव में तनाव का माहौल पैदा हो गया, जिसके मद्देनजर पुलिस ने भारी संख्या में सुरक्षाबल तैनात किए हैं। मृतक श्रीधर अपने पीछे पत्नी और दो महीने की बेटी को छोड़ गए हैं। पुलिस ने दोनों मामलों में केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पूरे मामले की जांच जारी है।

एयरपोर्ट पर यात्री के बैग से दो जिंदा कारतूस बरामद

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर सोमवार रात सुरक्षा जांच के दौरान एक घरेलू यात्री के सामान से दो जिंदा कारतूस बरामद होने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। हवाई अड्डा अधिकारियों के अनुसार, विशाखापत्तनम के मधुरवाड़ा निवासी के. मधुबाबू निजी काम से हैदराबाद आए थे और इंडिगो की उड़ान से वापस लौटने की तैयारी कर रहे थे। नियमित जांच के दौरान सुरक्षाकर्मियों को उनके बैग में दो जिंदा गोलियां मिलीं।

पूछताछ में यात्री कथित तौर पर गोला-बारूद रखने से संबंधित कोई वैध दस्तावेज या अनुमति पत्र प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद सुरक्षा अधिकारियों ने आरजीआईए पुलिस को सूचना दी, जिसने उसे हिरासत में लेकर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि कारतूस उसके पास कैसे पहुंचे और क्या उनका संबंध किसी हथियार लाइसेंस से है।

ऐप के विरोध से पहले बीआरएस नेताओं को किया गया नजरबंद

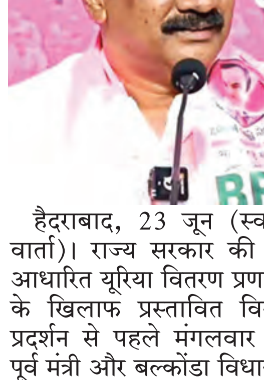

हैदराबाद, 23 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार की ऐप आधारित यूरिया वितरण प्रणाली के खिलाफ प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से पहले मंगलवार को पूर्व मंत्री और बल्कोंडा विधायक वेमुला प्रशांत रेड्डी सहित कई बीआरएस नेताओं को एहतियातन नजरबंद कर दिया गया।

पुलिस सुबह बंजारा हिल्स स्थित प्रशांत रेड्डी के आवास पहुंची और उन्हें ताडवाई मंडल मुख्यालय में आयोजित विरोध कार्यक्रम में जाने से रोक दिया। बीआरएस के येल्लारेड्डी प्रभारी जाजाला सुरेंद्र के नेतृत्व में आयोजित इस आंदोलन का उद्देश्य यूरिया वितरण ऐप को वापस लेने और किसानों के सामने उर्वरक की कमी के मुद्दे को उठाना था। कामारेड्डी जिले में पूर्व विधायक हनुमंत शिंदे को भी बिचकुंदा में नजरबंद किया गया, जबकि अन्य कई नेताओं पर भी इसी प्रकार की पाबंदियां लगाई गईं।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव और वरिष्ठ नेता टी. हरीश राव ने इन कार्रवाइयों की आलोचना करते हुए कांग्रेस सरकार पर किसानों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यूरिया की कमी और ऐप आधारित वितरण प्रणाली से किसान परेशान हैं तथा सरकार को पुरानी मैनुअल व्यवस्था बहाल करनी चाहिए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.